THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 62 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.3 2082 गुरुवार, 29 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में कोरोना के 1200 केस, अबतक 12 मौतें

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 1200 पहुंच गई है। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। यहां 325 मरीज हैं। इनमें से 316 मरीज सिर्फ मुंबई में हैं। इसके बाद केरल में सबसे ज्यादा 430 कोरोना पेशेंट हैं। महाराष्ट्र में 66, कर्नाटक में 36, गुजरात में 17, बिहार में 5 और हरियाणा में 3 नए मामले सामने आए हैं। नॉर्थ-ईस्ट में भी कोरोना के मामले सामने आने लगे हैं। अरुणाचल प्रदेश में मंगलवार को 2 महिलाएं कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। इनमें एक को बुखार और हल्की खांसी है, जबकि दूसरी महिला में कोई लक्षण नहीं हैं। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में मंगलवार को 78 साल के कोरोना पॉजिटिव बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई।

धान, कपास समेत 14 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाया

> ब्याज सहायता योजना जारी रखने का एलान

मोदी सरकार के बड़े फैसले

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार ने किसानों को सौगात देते हुए, एमएसपी में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। खरीफ विपणन सीजन 2025-26 के लिए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

1-फसलों के एमएसपी में बढ़ोतरी

सरकार ने बुधवार को 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस संबंध में निर्णय लिया। आगामी फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के लिए सामान्य और ए ग्रेड धान की किस्मों का समर्थन मूल्य 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर क्रमश: 2,369 रुपये और 2,389 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है, जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है, ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड के लिए की गई है, इसके बाद रागी, कपास और तिल का स्थान आता है। 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के समर्थन मूल्य में वृद्धि केंद्रीय बजट 2018-19 की घोषणा के अनुरूप है, जिसमें एमएसपी को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर तय करने की बात कही गई है।

2-किसानों के लिए ब्याज सहायता योजना जारी रखने को मंजूरी दी

सरकार ने बुधवार को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी, जिसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को जारी रखने का निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। इस योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा। एमआईएसएस एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है जिसका उद्देश्य केसीसी के माध्यम से किसानों को सस्ती ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। एमआईएसएस के तहत, किसानों को केसीसी के माध्यम से 7 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रुपये तक का अल्पकालिक ऋण मिलता है, जिसमें पात्र ऋण देने वाली संस्थाओं को 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जाती है। >14

मणिपुर में भाजपा विधायकों ने सरकार बनाने का दावा किया

राज्यपाल के पास 10 एमएलए पहुंचे, 44 के समर्थन का दावा-यहां अभी राष्ट्रपति शासन

इम्फाल, 28 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में 10 विधायकों ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। इनमें 8 भाजपा, एनपीपी और निर्दलीय के एक-एक विधायक हैं। इन्होंने दावा किया है इनके पास 44 विधायकों का समर्थन है। राज्यपाल से मुलाकात के बाद भाजपा विधायक थोकचोम राधेश्याम ने कहा, 'कांग्रेस को छोड़कर 44 विधायक मणिपुर में सरकार बनाने के लिए तैयार हैं। नई सरकार के गठन का विरोध करने वाला कोई नहीं है। मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत ने 44 विधायकों से मुलाकात की है।' दूसरी तरफ, विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत केंद्रीय नेतृत्व के बुलावे पर दिल्ली रवाना हो गए हैं। जल्द ही सरकार बनाने पर आलाकमान का फैसला आ सकता है। मणिपुर में 60 विधानसभा सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 31 है। मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन लागू है। 9 फरवरी को भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले तत्कालीन सीएम एन बीरेन सिंह ने इस्तीफा दे दिया था। बीरेन सिंह पर राज्य में डेढ़ साल से ज्यादा समय तक चली हिंसा न रोक पाने के चलते काफी दबाव था। मणिपुर में कुकी-मैतेई के बीच 3 मई, 2023 से अब तक हिंसा हो रही है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 1500 से ज्यादा घायल हुए। 70 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित हैं। 6 हजार से ज्यादा एफआईआर दर्ज हुई हैं। विपक्षी पार्टियां हिंसा के मुद्दे पर लगातार एनडीए से सवाल पूछ रही थीं। 60 सीटों वाले मणिपुर विधानसभा में अभी 59 विधायक हैं। एक सीट विधायक की मौत के कारण खाली है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में 32 मैतेई विधायक, तीन मणिपुरी मुस्लिम विधायक और 9 नगा विधायक हैं।

भारत शांति चाहता है, पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता : थरूर

वह उस जमीन को पाना चाहता है जो उसकी है ही नहीं

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। पनामा दौरे पर पहुंचे कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि भारत अकेले शांति से जीना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान ऐसा नहीं होने देता। उन्होंने साफ किया कि भारत युद्ध नहीं चाहता था, लेकिन आतंकवादियों को सजा दिए बिना नहीं छोड़ा जा सकता। एजेंसी के मुताबिक थरूर ने कहा कि पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ आतंकी हमलों को बढ़ावा दे रहा है।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर इसलिए शुरू किया क्योंकि पाकिस्तान ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के अपराधियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। थरूर के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल पनामा की यात्रा पर पहुंचा है। इसमें भाजपा, कांग्रेस और दूसरे दलों के सांसद भी हैं। इस यात्रा का मकसद दुनिया को भारत की आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता और सख्त रवैये का संदेश देना है। इस मुलाकात के बाद पनामा ने भारत के समर्थन का ऐलान किया है। >14

एक अधिकारी तीनों सेनाओं के जवानों पर एक्शन ले सकेगा

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। देश में तीनों सेनाओं के जवानों पर अब एक ही अधिकारी एक्शन ले सकेगा। 27 मई से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन नियम लागू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने इसका नोटिफिकेशन भी जारी किया। नए कानून बनने से इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन के तहत एक कमांडर-इन-चीफ/ऑफिसर-इन-कमांड की नियुक्ति होगी। यह कमांडर सैनिकों पर कंट्रोल करने, कार्रवाई करने में सक्षम होगा। फिर सैनिक किसी भी सेना से जुड़ा हो।

इंटर सर्विस ऑर्गनाइजेशन बिल दो साल पहले मानसून सत्र में संसद में पेश और पारित किया गया था। 15 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद इसे 10 मई 2024 से लागू किया गया। सरकार ने बुधवार को नए नियमों को भी आधिकारिक रूप से राजपत्र के माध्यम से अधिसूचित (गजटेड) कर दिया गया है।

बिना अनुमति पेड़ों की कटाई के लिए डीडीए अधिकारियों पर जुर्माना, तीन सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि डीडीए के अधिकारियों ने दिल्ली के दक्षिणी रिज में सड़कों को चौड़ा करने के लिए अवैध तरीके से पेड़ों की कटाई की। सुप्रीम कोर्ट ने इसे अवमाननापूर्ण कार्रवाई माना और पेड़ों की अवैध कटाई के लिए जिम्मेदार डीडीए अधिकारियों पर 25-25 हजार रुपये जुर्माना लगाने का निर्देश दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए और दिल्ली सरकार के अधिकारियों के लिए कुछ विस्तृत दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो वृक्षारोपण को बढ़ावा देने और दिल्ली में हरित कवर को बढ़ाने के लिए डीडीए और दिल्ली सरकार को सुझाव देगी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने निर्देश दिया कि अब से वनरोपण, सड़क निर्माण, पेड़ों की कटाई या संभावित पारिस्थितिक प्रभाव वाली किसी भी गतिविधि से संबंधित प्रत्येक अधिसूचना या आदेश में इस न्यायालय के समक्ष संबंधित कार्यवाही के लंबित होने का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए।

असम में पुलिस एनकाउंटर पर 'सुप्रीम' आदेश

मामलों की जांच के लिए मानवाधिकार आयोग को दिया आदेश

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को असम में मई 2021 से अगस्त 2022 के बीच हुए पुलिस एनकाउंटर मामलों की स्वतंत्र जांच के लिए असम मानवाधिकार आयोग (एएचआरसी) को निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटेश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि सभी मामलों को एक साथ झूठा मानना सही नहीं होगा, लेकिन कुछ मामलों में ज़रूर और जांच की ज़रूरत है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता आरिफ मोहम्मद यासीन जव्वादर की याचिका का निपटारा करते हुए यह आदेश दिया।

क्या है पूरा मामला?

याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि मई 2021 से अगस्त 2022 के बीच असम में 171 पुलिस एनकाउंटर हुए, जिनमें सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया और कई 'फर्जी एनकाउंटर' थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इनमें से ज्यादातर मामलों में तथ्यों की पुष्टि नहीं हो सकी और सिर्फ कुछ मामलों में ही आगे की जांच की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने कहा, 'हम इस मामले को असम मानवाधिकार आयोग को सौंपते हैं ताकि वह स्वतंत्र और तेजी से जांच कर सके। जांच के दौरान पीड़ितों और उनके परिवारों को अपनी बात रखने का पूरा मौका दिया जाए।' 'आयोग एक सार्वजनिक नोटिस जारी कर पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं से मामले की जानकारी मांगे, लेकिन उनकी पहचान गोपनीय रखी जाए।' इसके सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार से कहा कि, आयोग को जांच में पूरा सहयोग दे। अगर जांच में कोई बाधा हो रही हो तो उसे दूर किया जाए। पीड़ित परिवारों को कानूनी सहायता देने के लिए असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिए गए हैं।

पृष्ठभूमि में क्या हुआ था?

फरवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इससे पहले, असम सरकार ने कोर्ट को बताया था कि वह 2014 में पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र मामले में दिए गए दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन कर रही है। सरकार ने कहा था कि सुरक्षा बलों को अनावश्यक रूप से निशाना बनाना उनका मनोबल गिरा सकता है।

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने क्या दिया था फैसला

जनवरी 2023 में गुवाहाटी हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी थी। उसने असम सरकार के हलफनामे का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि मई 2021 से अगस्त 2022 के बीच 171 एनकाउंटर हुए, जिनमें 56 लोग मारे गए (इनमें से 4 की मौत पुलिस हिरासत में हुई) और 145 लोग घायल हुए। याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में कहा था कि उसने याचिका दाखिल करने से पहले ही असम पुलिस ने 80 से ज्यादा फर्जी एनकाउंटर किए, जिनमें 28 लोग मारे गए।

'हिमंता को धोखा देने की पुरानी आदत है'

पाकिस्तान वाले आरोपों पर गौरव गोगोई का सीएम सरमा पर तंज

गुवाहाटी, 28 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई और असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा के बीच सियासी बयानबाजी थमने का नाम नहीं ले रही है। अब एक बार फिर गौरव गोगोई ने हिमंत के पाकिस्तान लिंक वाले आरोपों पर पलटवार किया है। गौरव गोगोई ने कहा कि उनका काम केवल अपमान करने वाला है, और इसलिए वे इसे सी-ग्रेड बॉलीवुड फिल्म की तरह बना रहे हैं।

क्या बोले गौरव गोगोई?

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा लगाए गए आरोपों पर असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने कहा कि करीब 14-15 साल पहले मेरी पत्नी ने जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित दक्षिण एशिया में एक अंतरराष्ट्रीय परियोजना पर काम किया था। 2012-13 के आसपास भारत लौटने से पहले उन्होंने इसी बाबत एक साल पाकिस्तान में भी बिताया था। बाद में उन्होंने भारत में भी अपना काम जारी रखा और 2015 में भारत में नौकरी कर ली। गौरव गोगोई ने कहा कि मुझे भी याद है कि 2013 में एक बार मैं उनके साथ गया था। इसलिए वे इसे मुद्दा बना रहे हैं क्योंकि उनका काम केवल अपमान करने वाला है, और इसलिए वे इसे सी-ग्रेड बॉलीवुड फिल्म की तरह बना रहे हैं।

सरमा को लोगों को धोखा देने की पुरानी आदत

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने आगे कहा कि सीएम हिमंत बिस्वा सरमा को लोगों को धोखा देने की पुरानी आदत है। जब राहुल गांधी असम आए थे, तो सीएम दावा करते थे कि यह उनका (राहुल गांधी का) 'बॉडी डबल' है। अब, जब वे मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं, तो मुझे लगता है कि वे मेरे 'बॉडी डबल' के बारे में सोचते हैं। >14

गुजरात में सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर के फोटो-वीडियो पाकिस्तान भेजे थे

गूगल मैप भी दिया, शक-इसी के बाद ड्रोन हमले हुए-गिरफ्तार शख्स से एटीएस की पूछताछ

अहमदाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। गुजरात में पाकिस्तान को खुफिया जानकारी देने वाले शख्स सहदेव सिंह गोहिल से एंटी-टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) पूछताछ कर रही है। इसमें पता चला है कि गोहिल ने गुजरात के सैन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर के फोटो-वीडियो और गूगल मैप पाकिस्तान को मुहैया कराए थे।

एटीएस ने बताया कि 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके बाद ही पाकिस्तान की तरफ से कच्छ समेत देश के सीमावर्ती इलाकों में ड्रोन हमले हुए थे।

पाकिस्तान की 'अदिति' के संपर्क में था गोहिल

गुजरात एटीएस ने 24 मई को कच्छ से एक शख्स सहदेव सिंह गोहिल को गिरफ्तार किया था। सहदेव बीएसएफ और नेवी की मौजूदा सैन्य इकाइयों की फोटो-वीडियो वॉट्सएप के जरिए पाकिस्तानी एजेंट को भेज रहा था। गोहिल कच्छ के लखपत तालुका में स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नौकरी कर रहा था। एटीएस के मुताबिक, जून 2023 में एक महिला ने खुद को अदिति भारद्वाज बताकर गोहिल से वॉट्सएप पर संपर्क किया था। बताया जा रहा है कि गोहिल को पहली बार संवेदनशील सूचनाएं भेजने पर 40 हजार रुपए कैश मिले थे। गोहिल फिलहाल एटीएस की रिमांड पर है। एटीएस एक-एक कड़ियां जोड़कर जासूसी की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

डीआईजी सुनील जोशी ने बताया-आमतौर पर खुफिया एजेंसी अपने जाल में फंसे व्यक्ति से यह जानकारियां मांगती हैं कि नेवी या तटरक्षक जहाज किस बंदरगाह पर खड़ा है और किस दिशा में जा रहा है। ये जानकारियां उन्हें सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर नजर रखने में मदद करती है। इस मामले में पाकिस्तानी एजेंसियों ने जहाज की नहीं, बल्कि कच्छ में सुरक्षा बलों की इमारतों और अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर की फोटो-वीडियो मांगे थे। यहां तक कि जिन महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के पास सहदेव सिंह को भेजा गया था, उनका गूगल मैप भी मांगा गया था।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमरनाथ यात्रा के रूट पर होगी सीआरपीएफ की किलेबंदी, तैयार है 47 बटालियन

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अब केंद्रीय सुरक्षा बलों ने अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर फोकस कर दिया है। देश का सबसे बड़े केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ', जो लंबे समय से अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है, इस बार भी सीआरपीएफ द्वारा अमरनाथ यात्रा के रूट पर अचूक किलेबंदी की जाएगी। इसके लिए डीजी सीआरपीएफ जीपी सिंह अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ घाटी के तीन दिवसीय दौरे पर हैं।

उन्होंने घाटी में तैनात सीआरपीएफ की 47 बटालियनों के रेंज डीआईजी और कमांडिंग अधिकारियों के साथ तीन घंटे से अधिक समय तक चली कॉन्फ्रेंस में अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर बातचीत की है। सूत्रों का कहना है कि इस बार सुरक्षा बलों का विशेष फोकस फिदायीन अटैक और आईईडी 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) के हमलों को रोकना है। सीआरपीएफ की '1000 मीटर' की थ्योरी, आतंकियों को यात्रा रूट के निकट तक नहीं फटकने देगी। सूत्रों का कहना है कि अमरनाथ यात्रा के रूट पर श्रद्धालुओं को अचूक सुरक्षा प्रदान करने के लिए 'सीआरपीएफ' ने कमर कस ली है। जिन मार्गों से अमरनाथ यात्रा गुजरेगी, वहां की अचूक किलेबंदी की जाएगी। सीआरपीएफ की '1000 मीटर' की थ्योरी, आतंकियों को यात्रा रूट के निकट तक नहीं पहुंचने देगी। उक्त दूरी पर पर्याप्त संख्या में जवान मौजूद रहेंगे। भले ही सरकारी कर्मियों के लिए रोजाना आठ घंटे की ड्यूटी तय होती है, लेकिन सीआरपीएफ के जवान, अमरनाथ यात्रा के दौरान 14 से 16 घंटे तक तैनात रहते हैं। यात्रा रूट पर श्रद्धालुओं के काफिले पूरी तरह महफूज रहेंगे। इन्हें बल के वाहन एस्कॉर्ट करेंगे। रास्ते में कोई खतरा न हो, इसके लिए सीआरपीएफ की 'रोड ओपनिंग पार्टी' 24 घंटे गश्त पर रहेगी।

अमरनाथ यात्रा के रूट को सुरक्षित बनाने के लिए सीआरपीएफ द्वारा विशेष मोर्चाबंदी की जाएगी। यात्रा के दौरान लगभग एक किलोमीटर के अंतराल पर रूट को सेनेटाइज किया जाएगा। यानी इतनी दूरी पर सीआरपीएफ का एक मोर्चा रहेगा। मोर्चों की इतनी कम दूरी इसलिए रखी गई है कि किसी दूसरे मोर्चे पर कोई घटना हो तो पहले मोर्चे से बिना कोई देरी किए जवान, वहां पहुंच सकते हैं। खास बात है कि जवानों द्वारा खुद ही अपने मोर्चे तैयार किए जाएंगे। यात्रा रूट पर पर्याप्त संख्या में 'आरओपी' तैनात रहेंगी। यात्रियों को फुलप्रूफ सुरक्षा प्रदान करने के लिए रूट पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे भी लगेंगे।

साल 2017 के दौरान अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं पर हुए आतंकवादी हमले के बाद से यात्रा की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ को सौंपी गई थी। श्रद्धालुओं के काफिलों को जम्मू बेस कैम्प से बालटाल/पहलगाम तक के लगभग 300 किलोमीटर लंबे सफर में सीआरपीएफ एस्कार्ट में लाया जाता है। सुबह से शाम तक इस यात्रा रुट को सुरक्षित बनाए रखने के लिए जवानों को तैनात किया जाता है। ये जवान अल सुबह ही अपने हथियार एवं गोला बारूद व दूसरे उपकरणों को लेकर कैम्प से निकलते हैं। 14 घंटे से अधिक समय तक जवानों को अपने साजो-सामान के वजन के साथ खड़े रहना पड़ता है।

'अवैध घुसपैठिए संरक्षित इलाकों में कर रहे अतिक्रमण नशे की खेती से फंडिंग'

इंफाल, 28 मई (एजेंसियां)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा है कि अवैध अप्रवासियों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ स्थानीय लोगों की पहचान और अस्तित्व के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि अनिगमित अवैध घुसपैठ से राज्य में नए गांव और कालोनियों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। यह स्थानीय लोगों के अस्तित्व के लिए खतरा है। पूर्व सीएम ने इस पर चिंता जताते हुए राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को चिट्ठी लिखी है। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा नीत सरकार के दौरान साल 2017 से ही मणिपुर में सैंकड़ों अवैध अप्रवासियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित किया गया। उन्होंने मांग की कि कैबिनेट उप-समिति का गठन किया जाए, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर, सैटेलाइट मैपिंग करके और जमीनी स्तर पर खुफिया तंत्र को मजबूत किया जाए ताकि अवैध घुसपैठ को रोका जा सके। एन बीरेन सिंह ने चिट्ठी में दावा किया कि 2023 में तीन सदस्यों वाली समिति बनाकर 5,457 अवैध अप्रवासियों की पहचान की गई, जिनमें अधिकतर म्यांमार के निवासी थे।

पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच को लोकपाल ने दी क्लीन चिट

> आरोपों को बताया अप्रमाणित और तुच्छ

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल ने सेबी की पूर्व प्रमुख माधबी पुरी बुच को राहत दे दी है। लोकपाल ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच के खिलाफ लगाई गई शिकायतों का निपटारा करते हुए उनपर लगे आरोपों को अप्रमाणित और तुच्छ बताया। साथ ही कहा कि ये आरोप बिना सत्यापन योग्य साक्ष्य के अनुमान पर आधारित थे। इन्हें लेकर किसी जांच की आवश्यकता नहीं है।

लोकपाल ने बुधवार को कहा कि माधबी पुरी बुच के खिलाफ बीते साल दर्ज की गई सभी शिकायतें मूल रूप से एक शॉर्ट सेलर ट्रेडर की रिपोर्ट पर आधारित थीं। जिसका उद्देश्य अडानी ग्रुप ऑफ कंपनीज को बेनकाब करना या उन्हें घेरना था। बता दें कि पूर्व सेबी प्रमुख के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा ने बीते साल 13 सितंबर को लोकपाल के पास शिकायत दर्ज कराई थी। साथ ही यह मांग की थी कि इस मामले की प्रारंभिक जांच के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को भेजा जाएगा। महुआ मोइत्रा के अलावा कुछ अन्य लोगों ने भी इस मामले में शिकायत की थी। 10 अगस्त, 2024 को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया था कि माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की मॉरीशस की ऑफशोर कंपनी 'ग्लोबल डायनामिक ऑपर्चुनिटी फंड' में हिस्सेदारी है। हिंडनबर्ग ने दावा किया था कि इसी कंपनी में गौतम अदाणी के भाई विनोद अदाणी ने अरबों डॉलर का निवेश किया है। आरोप था कि इस पैसे का इस्तेमाल ही शेयरों के दामों में तेजी लाने के लिए किया गया।

थीम पार्क में टला हादसा

तकनीकी खराबी की वजह से 36 लोग हवा में फंसे, बाल-बाल बचे

चेन्नई, 28 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में बीती रात बड़ा हादसा टल गया। चेन्नई के पास एक मनोरंजन पार्क में एक रोमांचक शाम 36 लोगों के के लिए भयावह अनुभव में बदल गई। इसमें कई मासूम बच्चे भी शामिल थे। उनकी सवारी कथित तौर पर तकनीकी खराबी के कारण हवा में फंस गई। मंगलवार रात डेढ़ घंटे के बचाव अभियान के बाद सभी 36 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। यह जानकारी अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। जिला अग्निशमन अधिकारी लोगनाथन ने बताया कि हम दो स्काई लिफ्टों का उपयोग करके 20 पुरुषों और 16 महिलाओं सहित सभी 36 लोगों को बचाने में सफल रहे। वे सभी सुरक्षित हैं। स्थानीय पुलिस के साथ-साथ अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के लगभग 35 कर्मियों ने फंसे हुए लोगों को नीचे उतारा। बाद में बचाई गई एक महिला ने बताया कि थीम पार्क में जब पूरी तरह से चक्कर लगा सकने वाली सवारी अचानक फंस गई। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों के लिए राहत की बात यह रही कि सवारी का ऊपरी हिस्सा ऊपर की ओर था, जिससे उनके नीचे गिरने का खतरा नहीं था। फिर भी सभी घबरा गए। लगभग दो घंटे तक उन्हें सांत्वना देने या बचाने वाला कोई नहीं था। एक व्यक्ति जो बहुत ही सहमा हुआ था, उसने पुलिस की मदद लेने के लिए अपने मोबाइल फोन और इंस्टाग्राम अकाउंट का इस्तेमाल किया। लोगनाथन ने संवाददाताओं को बताया कि हमें शाम 7।20 बजे एक कॉल आया कि 36 लोग 'टॉप गन' नामक एक राइड में फंस गए हैं। सीढ़ी से उन्हें बचाने के हमारे शुरुआती प्रयास विफल होने के बाद हमने उन्हें एक-एक करके सुरक्षित रूप से नीचे लाने के लिए दो स्काई लिफ्ट लगाईं।

प्रो.अली खान को 'सुप्रीम' राहत रहेगी बरकरार

हरियाणा सरकार के जवाब पर सिब्बल ने दी ये दलील

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोनीपत के निजी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि महमूदाबाद को दी गई अंतरिम राहत जारी रहेगी। यह याचिका महमूदाबाद ने हरियाणा पुलिस की ओर से ऑपरेशन सिंदूर पर उनके सोशल मीडिया पोस्ट के लिए दर्ज की गई एफआईआर के खिलाफ दायर की है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर असिस्टेंट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद ने आपत्तिजनक पोस्ट किया था, जिसे लेकर 18 मई को उनकी गिरफ्तारी हुई थी। जिसके बाद 21 मई को महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। हरियाणा सरकार ने कोर्ट को बताया कि एसआईटी का गठन कर दिया गया है और वह जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने क्या कहा?

जस्टिस कांत ने कहा कि क्या एसआईटी ने मामले की जांच की है? जब आपकी जांच पूरी हो जाए तो पहले रिकॉर्ड हमारे सामने रखें। कोर्ट ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा होगी। साथ ही कहा गया कि एसआईटी केवल सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़े विवाद मामले की जांच करेगी और अली खान की अंतरिम जमानत जारी रहेगी। हरियाणा के एडवोकेट जनरल ने सुप्रीम कोर्ट की पीठ को बताया कि पिछले आदेश के अनुसार एसआईटी का गठन कर दिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। इसपर जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि अपने जिस ढंग से अली खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है, मानवाधिकार आयोग ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है। एनएचआरसी के सवाल का भी जवाब देना है।

सिब्बल ने जताई ये आशंका

वहीं, महमूदाबाद की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि वे इस अवसर का लाभ उठाएंगे। सिब्बल ने आशंका जताई कि इस जांच के बहाने एसआईटी और भी पता नहीं क्या-क्या जांच करने लगेगी? इस पर कोर्ट ने कहा कि एसआईटी केवल इस मामले से जुड़े आरोप की जांच करेगी।

सोशल मीडिया बैन हटाने की मांग

सिब्बल मे कहा कि अदालत इस मामले में लगाई गई शर्तों (सोशल मीडिया पोस्ट करने पर रोक) पर पुनर्विचार कर सकती है। इस पर जस्टिस कांत ने कहा कि इन शर्तों का मतलब यह है याचिकाकर्ता के लिए यह समय शांत रहने का है। इसपर सिब्बल ने कहा कि वह कुछ नहीं करेंगे, न्यायाधीश मुझसे यह आश्वासन ले सकते हैं, लेकिन यह आदेश जारी नहीं रखा जा सकता। ये परिपक्व लोग हैं। विश्वविद्यालयों में पढ़ाते हैं। हम आपकी भावना समझते हैं। इस पर जस्टिस कांत ने कहा कि हम हर चीज पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

मानसून की पहली ही बारिश में बेहाल हुई मुंबई

आदित्य ठाकरे ने देवेंद्र फडणवीस सरकार और बीएमसी पर बोला हमला

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह और विशेष रूप से कल हुई मूसलाधार बारिश के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है और शहर को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। कई घरों और दुकानों में पानी घुस गया है। इस पृष्ठभूमि में शिवसेना-यूबीटी नेता आदित्य ठाकरे ने राज्य सरकार और मुंबई महानगरपालिका पर तीखे शब्दों में हमला बोला है। उन्होंने कहा, "सरकार और पालिका अस्तित्व में हैं भी या नहीं, यह ही समझ में नहीं आ रहा था। कल की बारिश के दौरान जो विफलता सामने आई, उसका पूरा दोष उन्होंने सरकार पर मढ़ा। उनका कहना था कि सड़कों पर गड्ढों और चल रहे निर्माण कार्यों के कारण हालात और भी बदतर हो गए। आदित्य ठाकरे ने कहा, "सड़क घोटाले का कल लोगों को अनुभव हो गया होगा।" ऐसा कहते हुए उन्होंने हर तरफ खुदी हुई सड़कों और पालिका की लाचारी पर सवाल उठाए। उन्होंने मंत्रालय में पहली बार पानी घुसने की बात और केम्स कॉर्नर पर सड़क धंसने की घटनाओं को भी उजागर किया। सरकार को 'मौज-मस्ती में व्यस्त' बताते हुए, उन्होंने इस स्थिति के लिए एकनाथ शिंदे को जिम्मेदार ठहराया। जिनके घरों और दुकानों में पानी घुसा है, उनके लिए तुरंत पंचनामा कर मुआवजा देने की मांग आदित्य ठाकरे ने की। उन्होंने मेट्रो-3 में पानी भरने के मुद्दे को भी उठाया। कुछ पत्रकारों के साथ हुई धक्का-मुक्की का हवाला देते हुए, मेट्रो का काम कर रही तुर्की की कंपनी पर भी उन्होंने सवाल खड़ा किया।

दिल्ली दंगों में आरोपी गुलफिशा फातिमा ने कोर्ट में किया बड़ा दावा, दंगे में उनका हाथ नहीं

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों के पीछे कथित साजिश को लेकर गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) कानून (यूएपीए) मामले की आरोपी गुलफिशा फातिमा ने हाई कोर्ट के समक्ष दलील दी कि वह एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का हिस्सा थी और दंगों से संबंधित हिंसा में उसकी संलिप्तता दिखाने के लिए कोई सबूत नहीं है। फातिमा के वकील ने दिल्ली हाई कोर्ट के समक्ष अपनी दलीलों में यह दावा किया। जस्टिस नवीन चावला और जस्टिस शालिंदर कौर की पीठ फातिमा की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। वकील ने अभियोजन पक्ष के उन आरोपों पर आपत्ति जताई कि उनकी मुवक्किल ने स्थानीय महिलाओं को लाल मिर्च पाउडर, बोतलें और डंडे इकट्ठा करने के लिए उकसाया। वकील ने इस बात पर जोर दिया कि फातिमा के कब्जे से कुछ भी बरामद नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि फातिमा ने सीलमपुर में भले ही प्रदर्शन स्थल को संगठित किया था, लेकिन जिस समय वह जाफराबाद में आयोजित चक्का जाम में मौजूद थी, उस समय माहौल शांतिपूर्ण था। उन्होंने कहा कि वह सीलमपुर की स्थायी निवासी है।

मामले की अगली सुनवाई 1 जुलाई को होगी

वकील ने गवाहों के बयानों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि अभियोजन पक्ष ने 'तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने' की कोशिश की है। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए एक जुलाई की तारीख निर्धारित की है। उमर खालिद, शरजील इमाम और कई और लोगों पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत फरवरी 2020 के दंगों के कथित तौर पर 'मुख्य साजिशकर्ता' होने का मामला दर्ज किया गया है। इस घटना में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। शरजील इमाम और और सह-आरोपियों- खालिद सैफी, फातिमा और और- की जमानत याचिकाएं 2022 से हाई कोर्ट में लंबित हैं और समय-समय पर अलग-अलग पीठों द्वारा सुनवाई की गई है।

एमपी में लागू हुई राहवीर योजना, घायलों को बचाने पर 25000 इनाम

भोपाल, 28 मई (एजेंसियां)। देश में सड़क हादसों में हर साल हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं। अक्सर ऐसा देखा गया है कि लोग घायलों की मदद करने से सिर्फ इस डर से पीछे हट जाते हैं कि कहीं पुलिस या कानूनी कार्रवाई में न उलझ जाएं। इसी सोच को बदलने और मदद करने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार ने 'राहवीर योजना' शुरू की थी। 'राहवीर योजना' को अब मध्य प्रदेश में भी लागू कर दिया गया है। इस योजना के तहत यदि कोई नागरिक गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की समय रहते मदद करता है और उसे अस्पताल तक पहुंचाकर उसकी जान बचाने में योगदान देता है, तो उसे सरकार की ओर से 25000 का नकद इनाम और प्रशंसा-पत्र दिया जाएगा।

सावरकर को भारत रत्न क्यों नहीं मिला

इसका जवाब किसी के पास नहीं, संजय राउत ने उठाए सवाल

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने वीर सावरकर की बैरिस्टर डिग्री बहाल करवाने की सरकार की पहल का स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने कई सवाल भी खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को अब भारत रत्न मिलना चाहिए। राउत का बयान ऐसे समय में आया है जब 27 मई को भारत सरकार नें 139 लोगों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए। आज यानी 28 मई को विनायक दामोदर सावरकर की जयंती है। राउत ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय अंग्रेजों ने वीर सावरकर की बैरिस्टर डिग्री जब्त कर ली थी, फिर भी देश उन्हें "बैरिस्टर सावरकर" कहता है। हम सब उनका सम्मान करते हैं। अगर सरकार 10 साल बाद उनकी डिग्री बहाल करवाने जा रही है, तो यह अच्छी बात है। हम इसका स्वागत करते हैं, लेकिन यह भी पूछा जाना चाहिए कि अभी तक उनको भारत रत्न क्यों नहीं दिया गया जबकि ये सम्मान देश के कई लोगों को मिल चुका है। उन्होंने कहा कि इसका जवाब न देवेंद्र फडणवीस के पास है, न अमित शाह के पास और न ही प्रधानमंत्री मोदी के पास है।

शिवाजी के वाघनख असली हैं या नकली पता नहीं...

वहीं ऐतिहासिक चीजों की भारत वापसी का सिलसिला जारी है। इस पर राउत ने हाल ही में महाराष्ट्र लाए गए शिवाजी के वाघनख पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने अफजल खान का वध किया था। उन्होंने जिस वाघनख से अफजल को मारा था, उसे करोड़ों रुपये में लंदन से लाया गया, चुनाव से पहले ये वाघनख महाराष्ट्र में गांव-गांव घुमाए गए थे, लेकिन ये असली हैं या नकली इसका किसी को पता नहीं है। वाघनख अभी कहां हैं, इसका भी कुछ पता नहीं है। उन्होंने कहा कि अब सरकार नागपुर के राजा भोसले की तलवार को 70 से 80 लाख रुपये में लाने वाली है। संजय राउत ने एक बार फिर न केवल वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग की है बल्कि सरकार से कुछ गंभीर सवाल भी किए हैं।सरकार इन सवालों को कितना गंभीरता से लेती है ये देखने वाली बात होगी।

कोंडली नहर में नहाने गए दो सगे भाई डूबे, एक की मौत दूसरे की तलाश

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। यमुनापार के कोंडली नहर में नहाने गए दो सगे भाईयों में डूबने से एक की मौत हो गई। वहीं दूसरे भाई की तलाश जारी है।

पुलिस को घटना की जानकारी देने वाले ने बताया कि तीन लड़के नहाने गए थे। जिसमें तीसरा बाहर ही इंतजार करने के चलते बच गया।

कॉल करने वाले ने बताया कि रवि (15 साल), भीम (13 साल) और देव (11 साल) सुबह घर से टहलने के लिए निकले थे। वे कोंडली नहर में नहाने लगे। जिनमें से दो लड़के रवि और भीम नहर में नहा रहे थे और देव बाहर ही बैठा था। नहाते हुए दोनों लड़के नहर में डूब गए। फिलहाल, पुलिस और गोताखोरों की टीम एक किशोर की नहर में तलाश कर रही है।

कर्नल सोफिया पर टिप्पणी करने वाले मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी

कोर्ट ने एसआईटी को जांच के लिए समय दिया

भोपाल, 28 मई (एजेंसियां)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के खिलाफ जांच कर रही एसआईटी ने आज सील बंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा करा दिया। सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच अभी शुरूआती दौर में है, इसलिए कुछ और वक्त चाहिए होगा। एसआईटी ने कहा कि बयानों के वीडियो भोपाल एफएसएल को भेजे थे लेकिन संसाधन की कमी के चलते वापस आ गए। एक पत्रकार का मोबाइल सीएफएसएल को भेजा गया है। अभी तक 7 गवाहों के बयान हुए हैं। घटना से संबंधित वीडियो और मीडिया रिपोर्टस का अध्ययन किया गया है। मंत्री के माफी वाले बयान की भी जांच जारी है।

जुलाई में होगी अगली सुनवाई

आज की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को जांच के लिए समय दे दिया। साथ ही, कहा कि विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक जारी रहेगी। बता दें कि मध्य प्रदेश के मोहन यादव सरकार में मंत्री विजय शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी मीडिया के सामने रखने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान दिया था। कोर्ट ने आज के अपने आदेश में दर्ज किया कि इस मामले में डीआईजी ने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल किया था। इसमें कहा गया कि तीन आईपीएस अधिकारियों की एसआईटी गठित की गई है और 21 मई को जांच की गई। इस मामले में भाषण की स्क्रिप्ट तैयार की गई और मोबाइल फोन जब्त किया गया। गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच प्रारंभिक चरण में है, समय मांगा गया है। इस तरह, सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को जांच के लिए समय दे दिया है। साथ नही कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में चल रही सुनवाई को बंद करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि एक ही मामले में समानांतर सुनवाई नही हो सकती है। अब इस मामले में अगली सुनवाई जुलाई के तीसरे सप्ताह में होगी।

मां नहीं हैवान है! बॉयफ्रेंड से रेप करवाया, फिर ट्रक से कुचलवा दिया

गुरुग्राम, 28 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में एक ऐसी घटना हुई है, जिसने मां-बेटी के रिश्ते के साथ-साथ मानवता को शर्मसार कर दिया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ क्राइम की ऐसी कहानी लिखी कि पुलिस भी हैरान रह गई। दरअसल, हरियाणा के कैथल जिले में 21 मई को एक 15 साल की किशोरी की मौत हो गई थी। पुलिस इसे ट्रक के टक्कर से हुई मौत मान रही थी, लेकिन पुलिस ने अब इस मामले का खुलासा किया है। एक अधिकारी के मुताबिक, लड़की की रेप के बाद हत्या की गई थी।

जानकारी के अनुसार, 21 मई को कैथल जिले के रादौर क्षेत्र के धौलरा गांव के पास सड़क क्रॉस करते हुए 15 साल की किशोरी को ट्रक के टक्कर मार देने और टक्कर में मौत हो जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। फिर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। बाद में पता चला कि और किशोरी को ट्रक ने टक्कर नहीं मारी थी, बल्कि किशोरी की मां ने अपने प्रेमी से बेटी का रेप करवाया और फिर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद इसे हादसे का रूप देने के लिए शव को सड़क पर फेंक दिया गया। इस मौत को हादसा दिखाने के लिए ट्रक चालक की भी मदद ली गई। बेटी के श्राद्ध के दिन आरोपी महिला ने खुद ही अपने पति को घटना की सारी सच्चाई बता दी। उसने बताया कि बेटी की मौत रोड एक्सीडेंट में नहीं हुई थी, बल्कि उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर बेटी का रेप करवाया था।

इस दौरान बेहोशी के लिए दी गई दवा के ओवरडोज से उसकी मौत हुई थी। अपनी पत्नी की घिनौनी करतूत सुनकर पति के होश उड़ गए और उसके पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। वहीं पुलिस भी पूरे मामले के बारे में जानकर हैरन रह गई। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर उसकी पत्नी यानी किशोरी की मां, उसकी सहेली रेखा, प्रेमी कैथल के गांव हंसुमाजरा गुहला का रहने वाला लाडी, उसके भाई रणजीत, पड़ोसी मिट्ठू, डॉक्टर राजेश और ड्राइवर रणजीत सरदार के विरुद्ध हत्या और पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

महाराष्ट्र में कहीं येलो तो कहीं ऑरेंज अलर्ट जारी

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। केरल में बीते दिनों मॉनसून की एंट्री हो चुकी है। ऐसे में देशभर में अगले कुछ दिनों में सुहाना मौसम देखने को मिल सकता है। इस बीच महाराष्ट्र के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। फिलहाल मुंबई में बारिश बंद है। कहीं भी जलजमाव जैसी स्थिति नहीं है। फिलहाल कोल्हापुर के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पुणे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा मुंबई के आसपास के जिले जैसे वसई विरार, पालघर, कल्याण, डोंबिवली के आसपास भी स्थिति सामान्य है। इसके अलावा रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग और सतारा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र के इलाकों में मौसम विभाग ने बारिश की आशंका जाहिर की है। वहीं सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ग्रामीण क्षेत्रों में हुए किसानों के नुकसानों का पंचनामा करने का आदेश दिया है। सरकार किसान के नुकसान की भरपाई करेगी।

दिल्ली का मौसम

देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। ऐसे में दिल्ली-एनसीआर के मौसम की अगर बात करें तो यहां उमस भरी गर्मी एक बार फिर लौट आई है। हालांकि मौसम विभाग की मानें तो आगामी कुछ दिनों में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इसके अलावा गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं 30 और 31 मई को तेज हवाएं 50-60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से चल सकती है। साथ ही 1 जून को मौसम शुष्क रहेगा, इसके अलावा 2 जून से फिर से बारिश होने की संभावना जताई गई है।

बिहार का मौसम

बिहार के मौसम की अगर बात करें तो यहां 27 जिलों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया गया है, जिनमें से 12 जिलों में बारिश की संभावना जताई गई है। पटना सहित राज्य के कई हिस्सों में तापमान 39 डिग्री तक पहुंच चुका है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि मॉनसून 15 जून तक बिहार में पहुंच सकता है। वहीं राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर, जयपुर और कोटा संभाग में 29 मई तक आंधी और हल्की बारिश देखने को मिल सकती है।

चंडीगढ़ में कोरोना से पहली मौत, चार दिन पहले आई थी पॉजिटिव रिपोर्ट अस्पतालों में अलर्ट जारी

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। शहर में कोविड-19 संक्रमण से पहली मौत का मामला सामने आया है। सेक्टर-32 स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच-32) में भर्ती लुधियाना निवासी 40 वर्षीय व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मरीज को चार दिन पहले सांस लेने में परेशानी के चलते अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों द्वारा हालत में सुधार न होने पर कोविड टेस्ट किया गया, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। इसके एक दिन बाद ही बुधवार को उसकी मौत हो गई। जीएमसीएच-32 के डायरेक्टर डॉ. ए.के. अत्रे ने पुष्टि की कि संक्रमित मरीज को तत्काल आइसोलेट कर इलाज शुरू किया गया था, लेकिन गंभीर लक्षणों के चलते उसे बचाया नहीं जा सका। अस्पताल ने कोरोना की आशंका को देखते हुए 10 बिस्तरों की एक विशेष आइसोलेशन यूनिट तैयार कर ली है।

अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले में ज्ञानसेकरन दोषी करार; अदालत का फैसला

चेन्नई, 28 मई (एजेंसियां)। अन्ना विश्वविद्यालय यौन उत्पीड़न मामले में बुधवार को महिला कोर्ट ने आरोपी ज्ञानसेकरन को दोषी करार दिया। चेन्नई की कोर्ट ने कहा कि गनाशेखरन के खिलाफ सभी आरोप साबित हो चुके हैं। महिला अदालत की न्यायाधीश राजलक्ष्मी ने कहा कि वह इस मामले में 2 जून को सजा सुनाएंगी। घटना पिछले साल 23 दिसंबर को रात करीब 8 बजे हुई थी, जब कोट्टूर निवासी ज्ञानसेकरन कथित तौर पर यूनिवर्सिटी परिसर में घुसा और एक सुनसान इलाके में छात्रा का यौन उत्पीड़न किया। उसने छात्रा के पुरुष मित्र पर हमला भी किया। ज्ञानसेकरन कैंपस के पास बिरयानी की दुकान चलाता था। इस सनसनीखेज मामले ने आरोपी के तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के साथ कथित संबंधों को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था। हालांकि, पार्टी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जनवरी में कहा था कि ज्ञानसेकरन केवल एक हमदर्द और समर्थक था। वह द्रमुक का सदस्य नहीं था।

क्या है मामला?

चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में 23 दिसंबर को इंजीनियरिंग की एक छात्रा का यौन उत्पीड़न किया गया। मामला तब सामने आया, जब छात्रा ने इसकी पुलिस से खुद शिकायत की थी। शुरू में पुलिस ने केस को हल्के में लिया और कोई कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर केस उछला तब पुलिस हरकत में आई। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। 37 वर्षीय आरोपी यूनिवर्सिटी परिसर के पास में बिरयानी बेचता है। इस घटना ने पूरे चेन्नई को हिलाकर रख दिया है। तमिलनाडु की राजनीति गरमाने लगी है।

मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ा था

विश्वविद्यालय परिसर में इंजीनियरिंग छात्रा के यौन शोषण मामले ने राजनीतिक रंग भी लिया था। तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में दावा किया गया था कि छात्रा के यौन शोषण का आरोपी ज्ञानसेकरन सत्ताधारी डीएमके से जुड़ा है। भाजपा नेता ने आरोपी की डीएमके नेता और सीएम के बेटे उदयनिधि स्टालिन के साथ तस्वीर भी साझा की थी। तमिलनाडु की विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने भी अन्ना विश्वविद्यालय की घटना को लेकर डीएमके को आड़े हाथों लिया था।

पूर्व सीएम और एआईएडीएमके के नेता ई पलानीस्वामी ने कहा था कि कब तक तमिलनाडु के लोग इस स्थिति को झेलेंगे? क्या तमिलनाडु में कोई कानून है कि अगर आप सत्ताधारी पार्टी के सदस्य हैं तो अपराध करने पर आपके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी?

सुविचार: कार्य अपने किरदार पर करो की कोई आपके बिना नहीं रह सके ।

कांग्रेस सरकार जनता के लिए समर्पित, सामंतों व भ्रष्ट ताकतों के लिए नहीं : भट्टी

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण तेलंगाना के निर्माण की दृष्टि से काम कर रही है, जहां लोग सम्मान के साथ रहेंगे और राज्य का व्यापक विकास होगा, यह लक्ष्य सोनिया गांधी ने तेलंगाना को अलग राज्य का दर्जा देते समय देखा था। वे बुधवार को बंजारा भवन में अनुसूचित जाति कल्याण आवासीय विद्यालयों के छात्रों के लिए आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, "यह सरकार सत्ता को जिम्मेदारी मानती है।

राजस्व और व्यय के हर एक रुपये की सावधानीपूर्वक गणना और योजना बनाई जा रही है। और भी पहल की जा रही हैं।" मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह सरकार सामंती शक्तियों या बुरी ताकतों की सेवा के लिए नहीं बनी है, बल्कि पूरी तरह से जनता के लिए समर्पित है। एससी/एसटी उप-योजना के अनुसार, न केवल धन आवंटित किया गया है, बल्कि उसका सावधानीपूर्वक उपयोग भी किया जा रहा है।

उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछले प्रशासन द्वारा छोड़ी गई अव्ययित उप-योजना निधि को आगे बढ़ाया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि संयुक्त आंध्र प्रदेश और पिछले दस वर्षों के शासन सहित पिछले शासनों के विपरीत, जहां उप-योजना निधि की उपेक्षा की गई थी, वर्तमान सरकार पूर्ण व्यय सुनिश्चित कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एससी उप-योजना के तहत 40,232 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, और पहले से अव्ययित 13,223 करोड़ रुपये की निधि को भी आगे बढ़ाया गया है।

एसटी उप-योजना के तहत, 17,169 करोड़ रुपये आवंटित किए गए, साथ ही अतीत से अव्ययित 1,296 करोड़ रुपये का अतिरिक्त उपयोग किया जा रहा है, ताकि कोई दुरुपयोग या डायवर्जन न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सरकार स्टेटस सिंबल के रूप में सत्ता का आनंद लेने में विश्वास नहीं करती है। यह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए जन-केंद्रित सरकार की चिंता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरा मंत्रिमंडल इस राज्य के बच्चों को न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए पथप्रदर्शक बनाने का सपना देखता है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार छात्रावास के छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कोई भी राशि खर्च करने को तैयार है ताकि वे न केवल अपने परिवारों बल्कि पूरे राज्य को गौरवान्वित कर सकें।

उप मुख्यमंत्री ने 4.75 करोड़ की लागत से मंदिर के विकास कार्यों की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार जनता का भला करने के उद्देश्य से काम कर रही जनता की सरकार पर भगवान की कृपा भरपूर है। मानसून का समय से पहले आना इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मैंने अपने परिवार के साथ मुदिगोंडा मंडल के एडावेली गांव में श्री योगानंद लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में दर्शन किए, विशेष पूजा-अर्चना की तथा मंदिर के पुजारियों द्वारा आयोजित होम में भाग लिया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने 4.75 करोड़ की लागत से मंदिर के राजगोपुरम, मुख मंडपम तथा विश्राम गृह के निर्माण की आधारशिला रखी। मेरी कृतज्ञता की अभिव्यक्ति इस मंदिर को और विकसित करने के लिए है, जो भक्तों की आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा की सरकार लोगों के कल्याण के लिए कई कल्याणकारी कार्यक्रम लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि हम इन अच्छे इरादों को आगे बढ़ा रहे हैं और लोगों की जरूरतों पर हर रुपया खर्च कर रहे हैं। एडावेली श्री योगानंद लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के आशीर्वाद से यहां से हर चुनाव अभियान की शुरुआत करना मेरे लिए गर्व की बात है। आपके आशीर्वाद और सहयोग से ही मैं आज इन जिम्मेदारियों तक पहुंच पाया हूं। मैं आपके प्यार और आशीर्वाद का हमेशा ऋणी रहूंगा।

यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजीडेंशियल स्कूल की लागत कमीशन कमाने के लिए बढ़ाई गई : हरीश राव

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव ने आज यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजीडेंशियल स्कूल पर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने इसे अपने एक्स प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया और आरोप लगाया कि परियोजना से कमीशन कमाने के लिए निर्माण की लागत बढ़ाई गई। हरीश राव ने आरोप लगाया, ''शिलान्यास नहीं किया गया, मिट्टी नहीं उठाई गई, लेकिन कांग्रेस पार्टी द्वारा निर्माण लागत में करोड़ों-करोड़ की बढ़ोतरी की गई। यह एक और नाटक है जो कांग्रेस यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल के नाम पर हजारों करोड़ रुपये इकट्ठा करने के लिए खेल रही है।'' राव ने 24 जुलाई 2024 को आदिलाबाद में डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क द्वारा कहे गए शब्दों को याद किया।

'भट्टी विक्रमार्क ने घोषणा की कि एकीकृत आवासीय विद्यालय 80-100 करोड़ रुपये से बनाए जाएंगे। उसके बाद 11 अक्टूबर 2024 को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने 125 करोड़ रुपये की लागत से रंगारेड्डी जिले के शादनगर निर्वाचन क्षेत्र में एक एकीकृत आवासीय विद्यालय के निर्माण की आधारशिला रखी। मई 2025 के दूसरे सप्ताह में 135-150 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न जिलों में स्थापित किए जाने वाले एकीकृत आवासीय विद्यालयों की निविदाएं भी अंतिम रूप दे दी गईं जी.ओ. संख्या 96 जारी की गई, जिसमें 4,000 करोड़ रुपये की लागत से 20 स्कूलों के निर्माण के लिए प्रशासनिक अनुमति दी गई। इसका मतलब यह है कि किसी भी काम को शुरू करने से पहले प्रत्येक स्कूल के अनुमान को लगभग तीन गुना बढ़ाकर 200 करोड़ रुपये कर दिया गया," उन्होंने आलोचना की। उन्होंने आश्चर्य जताया कि जलयाग्रम से लेकर आवासीय विद्यालयों तक, अनुमान बढ़ाकर कमीशन कमाया जा रहा है। क्या यह कांग्रेस की लोक शासन की पहचान नहीं थी?' हरीश राव ने तीखी टिप्पणी की।

घातक दुर्घटनाओं के लिए सड़कों पर सूख रहे धान को ठहराया गया जिम्मेदार

सिद्दीपेट, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती मेदक जिले के किसान सार्वजनिक सड़कों पर धान सुखाना जारी रखते हैं, जिसके कारण कई दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें से अकेले सोमवार को दो घातक दुर्घटनाएं हुईं। उचित सुखाने के प्लेटफॉर्म की कमी के कारण किसानों द्वारा अपनाई जा रही यह प्रथा धान की कटाई के मौसम के दौरान सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए बार-बार खतरा बन गई है।

सोमवार को शिवमपेट मंडल के पेड्डा गोट्टीमुक्कला के एक किशोर, भानपुरम कृतिक (16) की मौत हो गई, जब वह दोपहिया वाहन पर सवार था और गोमाराम में धान के ढेर से टकरा गया। कृतिक ने एक घंटे बाद दम तोड़ दिया। उसके साथी और पीछे बैठे यशवंत को गंभीर चोटें आईं और उसे नरसापुर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

उसी दिन एक अलग घटना में, कोंडा पोचम्मा मंदिर के चौकीदार एरोला बालानारसैया (53) को जगदेवपुर मंडल के इटिक्याला में सड़क किनारे धान के ढेर से मोटरसाइकिल टकराने के बाद घातक चोटें आईं। मंगलवार को अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

सोमवार रात को एक और दुर्घटना में, दसारी किरण (30) को गंभीर चोटें आईं, जब उनकी बाइक वेल्दुरथी-मेल्लुरु रोड पर धान के ढेर से टकरा गई। वह फिलहाल तूप्रान के सरकारी अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है।

मेदक के एसपी डी उदय कुमार रेड्डी ने कहा कि किसानों को बार-बार सलाह दी गई है कि वे धान को सड़कों पर न छोड़ें क्योंकि इससे वाहन चालकों को खतरा हो सकता है। जागरूकता अभियानों के बावजूद, कुछ किसान विभिन्न बाधाओं का हवाला देते हुए ऐसा करना जारी रखते हैं। तूप्रान के डीएसपी नरेंद्र जव्वाजी ने सार्वजनिक सड़कों पर धान सुखाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

किसान सरकार पर आरोप लगाते हैं कि वह खरीद केंद्रों पर पर्याप्त सुखाने के प्लेटफॉर्म और सीमित जगह उपलब्ध कराने में विफल रही है। उन्होंने धान की खरीद में देरी का भी हवाला दिया, जिसके कारण उन्हें अपनी उपज को लंबे समय तक सड़कों पर रखना पड़ता है। इस बीच, सड़क उपयोगकर्ताओं ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने और इस जानलेवा प्रथा को समाप्त करने का आग्रह किया है। उन्होंने स्थायी समाधान निकालने के लिए संबंधित विभागों और किसान संगठनों के अधिकारियों की एक समिति के गठन की मांग की है।

फसल नुकसान के मुआवजे के लिए तत्काल कदम उठाएं: तुम्मला

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तेलंगाना में पिछले दो महीनों में ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों के खातों में तुरंत धनराशि जमा कराएं। बुधवार को जारी एक बयान में, मंत्री ने कहा कि 51,528 एकड़ फसलें प्रभावित हुई हैं, जिससे 29 जिलों के 41,361 किसान प्रभावित हुए हैं, और राज्य सरकार ने सहायता के लिए 51.52 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि नुकसान में तेलंगाना राज्य में 36,424 एकड़ धान, 3,266 एकड़ मक्का, 470 एकड़ ज्वार, 6,589 एकड़ बागवानी फसलें, 4,753 एकड़ कपास और 477 एकड़ अन्य फसलें शामिल हैं।

बालानगर में ड्रग्स के साथ युवक गिरफ्तार

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी विभाग के विशेष कार्य बल ने मंगलवार रात बालानगर में मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में एक युवक को पकड़ा और उसके पास से 19 ग्राम कोकीन, 7 ग्राम मारिजुआना और 60,000 रुपये नकद जब्त किए। अधिकारियों ने बताया कि किरण कुमार ने गोवा में सक्रिय स्थानीय मादक पदार्थ विक्रेता संतोष जाधव से मादक पदार्थ खरीदा था। वह उन्हें कम कीमत पर खरीदता था और निजी बसों और कारों में भरकर हैदराबाद में तस्करी करता था और यहां उपभोक्ताओं को ऊंची कीमत पर बेचता था। अधिकारियों ने बताया कि सूचना के आधार पर किरण को पकड़ लिया गया और उसके पास से ड्रग्स जब्त कर ली गई। ड्रग्स के स्रोत का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

छात्रों को शौचालय साफ करने के लिए मजबूर करने का आरोप

बीआरएस एमएलसी कविता ने कांग्रेस सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए इसे गरीब विरोधी और दलित विरोधी नीतियां बताया। वह तेलंगाना समाज कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थानों के एक वरिष्ठ अधिकारी के कथित ऑडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया दे रही थीं, जिसमें उन्हें शिक्षकों और कर्मचारियों से छात्रों से शौचालय साफ करवाने और रसोई संभालने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने अधिकारी को तत्काल हटाने तथा समाज कल्याण विद्यालयों को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए हर माह आवश्यक धनराशि जारी करने की मांग की।

एक्स पर ऑडियो क्लिप शेयर करते हुए बीआरएस एमएलसी के कविता ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस तरह का व्यवहार भेदभावपूर्ण, शोषणकारी है और बाल अधिकारों और सम्मान के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा, 'यह केवल रेवंत रेड्डी सरकार की हाशिए पर पड़े लोगों के प्रति अवमानना को दर्शाता है।'

बीआरएस एमएलसी ने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान, प्रत्येक गुरुकुल स्कूल को चार सफाई कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए 40,000 रुपये प्रति माह आवंटित किए गए थे। अगस्त 2023 में कांग्रेस सरकार ने इन पदों को खत्म कर दिया। इसके अलावा, 240 स्कूलों में सहायक देखभालकर्ताओं की भूमिका कथित तौर पर समाप्त कर दी गई है, जिससे छात्रों पर झाड़ू लगाने, शौचालय की सफाई और छात्रावास के रख-रखाव का बोझ आ गया है।

उन्होंने कहा, 'अब अधिकारी बच्चों को स्कूलों में शौचालय साफ करने के लिए मजबूर कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि आईएएस अधिकारी द्वारा कथित तौर पर दिए गए बयान, हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों को जाति और वर्ग के पूर्वाग्रह से बचाने के लिए गुरुकुल स्थापित करने की अवधारणा के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, 'यह श्रम की गरिमा नहीं सिखा रहा है, बल्कि बच्चों को मजदूर के रूप में काम करने और जाति-आधारित शोषण में लिप्त कर रहा है।'

कविता ने हाल ही में कामारेड्डी जिले के भिक्कनूर में हुई एक त्रासदी की याद दिलाई, जहां एक चौकीदार पानी की टंकी साफ करते समय मर गया और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने कहा, 'आवश्यक कर्मचारियों को नियुक्त करने के बजाय, सरकार खतरनाक और अपमानजनक ज़िम्मेदारियों को

बच्चों पर डाल रही है।' उन्होंने ऑडियो क्लिप में अधिकारी की टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि गुरुकुल स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे पॉश परिवारों से नहीं आते, इसलिए उनके साथ अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। उन्होंने पूछा, 'कक्षाओं में ब्लैकबोर्ड और कॉमन टॉयलेट साफ करना एक जैसा नहीं है। क्या उक्त अधिकारी अपने बच्चों से स्कूल के कॉमन टॉयलेट साफ करवाएंगे?'

कविता ने तर्क दिया कि गुरुकुल स्कूल, जो एससी/एसटी छात्रों को सशक्त बनाने और उन्हें जातिगत भेदभाव से बचाने के लिए स्थापित किए गए थे, अब कांग्रेस सरकार के तहत जबरन मजदूरी और अपमान के केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हम सामाजिक न्याय के लिए बने संस्थानों को उत्पीड़न के मंच में बदलने की अनुमति नहीं दे सकते।'

आदिलाबाद में युवक के नदी में डूबने की आशंका

आदिलाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को भोरज मंडल के थारनम गांव में पुल पार करते समय एक युवक के बाढ़ की धारा में डूब जाने की आशंका है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि लक्ष्मीपुर गांव के लाडे दत्तू के नदी में डूबने की आशंका है। बचाव दल ने युवक के शव को खोजने के लिए अभियान शुरू किया। घटना के समय वह आदिलाबाद से लक्ष्मीपुर जा रहा था। दोपहर तक शव बरामद नहीं हो सका। इस बीच, आदिलाबाद के पूर्व विधायक जोगु रमन्ना ने पुल का निरीक्षण किया और पुल के निर्माण में धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पुल के निर्माण में राज्य और केंद्र सरकार दोनों की लापरवाही के कारण लोगों की जान जा रही है। उन्होंने सरकार से काम में तेजी लाने की मांग की।

5 जून को न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग के समक्ष पेश होंगे केसीआर

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव 5 जून को न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग के समक्ष पेश होंगे। पूर्व सांसद बी विनोद कुमार ने पुष्टि की कि आयोग का नोटिस चंद्रशेखर राव तक पहुंच गया है और वह अपने पास उपलब्ध सभी सूचनाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयारी कर रहे हैं। विनोद कुमार ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि चंद्रशेखर राव कालेश्वरम परियोजना के बारे में आयोग के किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं। उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और तथ्यों को आयोग के सामने पूरी तरह से प्रस्तुत किया जाएगा।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए गठित आयोग ने हाल ही में चंद्रशेखर राव के साथ-साथ पूर्व मंत्री टी हरीश राव और भाजपा सांसद एटाला राजेंद्र को नोटिस जारी किया है। कांग्रेस सरकार ने कहा है कि यह जांच भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों को दूर करने के लिए उठाया गया कदम है, वहीं बीआरएस ने इस कदम को पिछली सरकार की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के उद्देश्य से किया गया राजनीतिक षडयंत्र करार दिया है।

सूत्रों ने बताया कि चंद्रशेखर राव अविभाजित आंध्र प्रदेश के समय से ही ऐतिहासिक संदर्भ के साथ परियोजना की योजना, क्रियान्वयन और लाभों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करके आरोपों का जवाब देने की तैयारी कर रहे थे। कानूनी विशेषज्ञों और सेवानिवृत्त इंजीनियरों के साथ परामर्श चल रहा था, और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश राव के साथ पहले ही कई रणनीतिक बैठकें कर चुके हैं, जो 9 जून को पेश होने वाले हैं।

इस बीच, विनोद कुमार ने पूर्व केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष एबी पंड्या की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति के गठन का स्वागत किया। उन्होंने राज्य सरकार से मेदिगड्डा बैराज पर मरम्मत कार्य में देरी न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस सत्ता में आई है, बीआरएस सरकार से कह रही है कि मेदिगड्डा में मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए एनडीएसए (राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण) की रिपोर्ट का इंतजार न किया जाए। चूंकि शेष संरचनाएं बरकरार हैं, इसलिए सरकार को मेदिगड्डा बैराज की मरम्मत तत्काल शुरू कर देनी चाहिए।

आदिलाबाद, निर्मल के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश

आदिलाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद और निर्मल जिलों के कुछ हिस्सों में मंगलवार सुबह से बुधवार सुबह तक हल्की से मध्यम बारिश हुई। तेलंगाना राज्य योजना विकास सोसाइटी की वेबसाइट पर प्रकाशित मौसम रिपोर्ट के अनुसार, आदिलाबाद जिले में औसत वर्षा 31.3 मिमी दर्ज की गई। उत्नूर मंडल में सबसे अधिक 80 मिमी बारिश हुई, उसके बाद आदिलाबाद शहरी मंडल में 50.6 मिमी बारिश हुई। भीमपुर मावला, जैनाद, गुडीहथनूर, आदिलाबाद ग्रामीण, तामसी और इचोदा मंडलों में 30 से 45 मिमी के बीच बारिश देखी गई।

इस बीच, निर्मल जिले में औसत बारिश 19.8 मिमी मापी गई। मुधोले मंडल में सबसे अधिक 59.2 मिमी बारिश हुई, उसके बाद दिलावरपुर मंडल में 57.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। तनूर, कुंतला, बसर , लोकेश्वरम, लक्ष्मणचंदा और ममदा मंडलों में 20 से 40 मिमी के बीच बारिश दर्ज की गई। समय से पहले हुई बारिश के कारण आदिलाबाद और निर्मल जिलों के कई हिस्सों में खरीद केंद्रों पर रखे धान और ज्वार के दाने भीग गए, जिससे किसानों को नुकसान हुआ। निर्मल और आदिलाबाद कस्बों के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बारिश का पानी जमा होने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ा।

हाइड्रा ने 40 करोड़ रुपये की पार्क भूमि को भू-माफियाओं से कराया मुक्त

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रजावाणी में प्राप्त एक शिकायत के जवाब में, हाइड्रा अधिकारियों ने चंदनगर के मैत्रेयी नगर में 40 करोड़ रुपये की कीमत वाली एक एकड़ पार्क भूमि को अपने पास रख लिया। मैत्रेयी नगर के निवासियों ने हाइड्रा से संपर्क किया और शिकायत की कि पार्क की भूमि पर अतिक्रमण किया गया है, उसे भूखंडों में बदल दिया गया है और बेच दिया गया है। चूंकि यह मामला अदालती मुकदमे में था, इसलिए पार्क की भूमि झाड़ियों से भर गई थी, जिसके परिणामस्वरूप जहरीले सांप कॉलोनी में प्रवेश कर रहे थे।

हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ ने लेआउट के सत्यापन के बाद पार्क के लिए निर्धारित एक एकड़ भूमि की पहचान की, लोगों और मशीनरी की तैनाती की तथा पार्क की भूमि को अपने पास रख लिया। एक अन्य मामले में, हाइड्रा ने घाटकेसर में जयापुरी कॉलोनी में सार्वजनिक सड़कों पर अतिक्रमण करके बनाए गए एक अनधिकृत ढांचे को ध्वस्त कर दिया। 1968 में, सर्वे संख्या: 559, 563, 566 में जयापुरी कॉलोनी के लिए लेआउट तैयार किया गया था और सड़कें बिछाई गई थीं, लेकिन भू-माफियाओं ने उन पर अतिक्रमण करके अनधिकृत संरचनाएं बना लीं।

किसानों से बागवानी की खेती के लिए सब्सिडी का लाभ उठाने का किया आग्रह

संगारेड्डी, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला बागवानी अधिकारी पी उमामहेश्वर राव ने किसानों से इस मौसम में बागवानी फसलों की खेती के लिए उपलब्ध सरकारी सब्सिडी का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया है।

लाभों पर प्रकाश डालते हुए, राव ने कहा कि सरकार विभिन्न श्रेणियों के किसानों के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली पर 80 से 100 प्रतिशत तक की सब्सिडी दे रही है। इस योजना में चालू सीजन के दौरान 2,155 एकड़ तक की भूमि को कवर किया जाएगा। ड्रिप सिंचाई के अलावा, स्प्रिंकलर, तेल ताड़ की खेती, अन्य बागवानी फसलों, पंडाल प्रणाली, बांस की खेती आदि के लिए भी सब्सिडी उपलब्ध है। अधिक जानकारी चाहने वाले किसान 89777 14260 पर संपर्क कर सकते हैं या अपने संबंधित मंडल के बागवानी अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-North-WAT-17-2025
दिनांक: 20.05.2025
कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता / रायगड़ा के अधीन बोब्बिलि - सालुरु लाइन में KM 413/5S-6S में VS-1, KM 418/14S-15S में VS-8, KM 426/3S-4S में VS-17 एवं KM 428/12S-13S में VS-21 लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर 4 संख्यक सीमित ऊंचाई वाले उपमार्ग (कास्ट-इंसीटू द्वारा) का निर्माण।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 11,97,09,956.76, EMD : ₹ 7,48,600/-
कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने ।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 17.06.2025 को 1500 बजे ।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-172/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे
सूचना सं. eT-WAT-SOUTH-09-2025
दिनांक: 22.05.2025
कार्य का नाम : निम्नलिखित P.WAY कार्य का निष्पादन: (1)वाल्टियर मण्डल के वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता / साउथ/ वाल्टियर के अधीन 6.228 KM (पैच में) की लंबाई के लिए नए 60KG 110 UTS रेल के साथ PSC-14 स्लीपर के अधीन बिछाई गई मौजूदा 60KG 90 UTS रेल की TRR (प्राथमिक), (2)वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता /साउथ/वाल्टियर के अधीन टर्नआउट नवीनीकरण (CMSC) के माध्यम से - 50 सेट (12-30 सेट में 1 एवं 8 ½ - 20 सेट में 1), (3)वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता /साउथ/वाल्टियर के अधीन 60KG 110 UTS ग्लूड (Glued) जोड़ों का नवीनीकरण - 200 संख्यक, (4)वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता /साउथ/वाल्टियर के अधीन टर्नआउट नवीनीकरण (TFR) के माध्यम से - 200 सेट (12-125 सेट में 1 एवं 8 ½ -75 सेट में 1)।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 83,84,931.90, EMD : ₹ 1,67,700/-
कार्य पुरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने ।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 13.06.2025 को 1500 बजे।
ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।
मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-173/Q/25-26

दरभंगा में मधुबनी के टीचर की हत्या

दरभंगा, 28 मई (एजेंसियां)। दरभंगा के सिंघवाड़ा इलाके में अपराधियों ने एक टीचर की गोली मारकर हत्या कर दी। सुबह करीब 6 बजे साइकिल से स्कूल जा रहे थे। इस दौरान भरवाड़ा-कमतौल मार्ग पर स्कूल से 500 मीटर पहले गोली मार दी। मृतक मंसूर आलम(49) मधुबनी के तीसी परसौनी गांव के रहने वाले थे। पिछले 15 साल से नासीरगंज प्राथमिक स्कूल में पोस्टिंग थी। परिवार के साथ शंकरपुर इलाके में किराए के घर में रहते थे। घटना के विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दिया। मामले की सूचना पर एसडीपीओ सदर-2 कमतौल ज्योति कुमारी घटनास्थल पर पहुंची। जांच के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। इलाके में तनाव का माहौल है। एसडीपीओ कमतौल ज्योति कुमारी ने बताया कि शिक्षक मंसूर आलम को एक गोली सिर में और दूसरी पीठ में लगी है। लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवा दिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेजा गया है।

कानपुर मेट्रो प्रोजेक्ट का 80 करोड़ लेकर भागी तुर्की की कंपनी, मचा हड़कंप

कानपुर, 28 मई (एजेंसियां)। कानपुर मेट्रो परियोजना के चार भूमिगत स्टेशनों के निर्माण कार्य से जुड़ी तुर्की कंपनी गुलेरमक के शहर छोड़कर भागने से स्थानीय ठेकेदारों के लगभग 80 करोड़ रुपये का भुगतान बीच अधर में लटक गया है। कानपुर मेट्रो परियोजना के भूमिगत स्टेशनों के निर्माण में संलग्न तुर्की कंपनी गुलेरमैक सैम इंडिया के शहर छोड़कर भागने की घटना ने स्थानीय ठेकेदारों और प्रशासन में हड़कंप मचा दिया है। कंपनी पर 40 ठेकेदारों के करीब 80 करोड़ रुपये के बकाया भुगतान को लंबित रखने का आरोप है। ठेकेदारों का दावा है कि पिछले दस महीनों से भुगतान नहीं किया गया, और भारत-पाकिस्तान युद्ध में तुर्की की कथित भूमिका को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के बाद कंपनी ने भुगतान में जानबूझकर देरी की।

नरेंद्र मोदी के करीब आने वालों की होगी कोरोना जांच

रोड शो के दौरान हाई अलर्ट

पटना, 28 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय बिहार दौरे पर आ रहे हैं। वह 29 मई की शाम आएंगे और 30 मई को ब्रिकमगंज में जनसभा को संबोधित तक वापस जाएंगे। पीएम के कारण को लेकर बिहार सरकार पूरी तरह अलर्ट है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते कोरोना केस को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के करीब आने वाले लोगों का कोविड टेस्ट कराने का सलाह दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि पीएम के 100 मीटर के दायरे में आने वालों सभी लोगों की जांच अनिवार्य है।

पटना के इन अस्पतालों में कोरोना जांच

स्वास्थ्य विभाग ने पटना के सिविल सर्जन को जांच सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। सिविल सर्जन डॉ। अविनाश कुमार सिंह ने पटना के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में जांच का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम के करीब आने वाले लोगों की रैपिड किट से जांच होगी। पटना के पीएमसीएच, एनएमसीएच, न्यू गार्डिनर रोड अस्पताल, एलएनजेपी अस्पताल, सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और अनुमंडलीय अस्पतालों में जांच के निर्देश दिए हैं। इन सभी जगह कोविट जांच के केंद्र बनाए गए हैं। यहां पर रैपिड किट भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

पटना में छह कोविड पॉजिटिव मरीज

पटना में पिछले 24 घंटे में छह लोग कोविड पॉजिटिव मिले। इसमें एक महिला डॉक्टर और दो नर्स शामिल हैं। यह तीनों पटना एम्स में कार्यरत हैं। आरपीएस मोड़ के पास भी 41 साल के एक युवक भी कोविड संक्रमित हो गया है। वहीं एनएमसीएच में दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे लक्षण दिखे। डॉक्टरों ने इन्हें कोरोना जांच की सलाल दी। जांच करवाने पर सभी कोविड पॉजिटिव पांए गए। मामले में सिविल सर्जन डॉ। अविनाश कुमार सिंह ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पैनिक न हो, कोविड गाइडलाइन का पालन करें। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बाकी को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है।

इन इलाकों में होगा पीएम का रोड शो

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ। दिलीप जायसवाल ने पीएम मोदी के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री बिहार की धरती पर आने के साथ ही बिहार के लोगों को कई बड़ी सौगात देंगे। वह पटना पहुंचने के बाद पटना हवाई अड्डे के विश्वस्तरीय, भव्य नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे और साथ ही साथ बिहटा हवाई अड्डे के शिलान्यास भी करेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ। दिलीप जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री भव्य रोड शो में शामिल होंगे। यह रोड शो पटना हवाई अड्डे से प्रारंभ होगा और शेखपुरा, पटेल भवन, राजवंशीनगर, पुनाईचौक, हड़ताली मोड़, हाई कोर्ट होते हुए आयकर गोलंबर पहुंचेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे। इस दौरान सड़कों के किनारे 32 स्थानों पर प्रधानमंत्री का अभिवादन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन स्थानों पर विभिन्न संस्थानों, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा स्टेज बनाए जा रहे हैं।

एफआईआर रद करने की हाई कोर्ट की अधिकारिता का मामला

नौ जजों की वृहद पीठ को संदर्भित

प्रयागराज, 28 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की एकल न्यायपीठ ने धारा 482 सीआरपीसी (अब 528 बीएनएसएस) में दाखिल अर्जी पर प्राथमिकी रद करने की उच्च न्यायालय की अधिकारिता का मामला नौ जजों की वृहद पीठ को संदर्भित करने के लिए मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रेषित करने को कहा है। कोर्ट ने विधिक प्रश्न उठाया है कि क्या हाई कोर्ट धारा 482 के तहत अपनी विवेकाधीन शक्ति का प्रयोग प्राथमिकी रद करने के लिए कर सकता है या नहीं। यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण सिंह देशवाल ने चित्रकूट के शशांक गुप्ता की 482 की अर्जी पर सुनवाई के दौरान दिया है। मामले के अनुसार याची के खिलाफ सीजेएम ने पुलिस को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। इस मुकदमे को रद करने के लिए उसने हाई कोर्ट में धारा 482 के तहत याचिका दाखिल की। अपर शासकीय अधिवक्ता ने इस पर आपत्ति की। उनका कहना था कि प्राथमिकी रद करने की अधिकारिता अनुच्छेद 226 के तहत रिट याचिका में हाई कोर्ट को प्राप्त है न कि 482 सीआरपीसी में। उन्होंने राम लाल यादव केस में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की पीठ के फैसले का हवाला दिया। याची के अधिवक्ता का कहना था कि राम लाल केस के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बाद में स्टेट ऑफ हरियाणा बनाम भजन लाल और कई अन्य फैसलों में पलट दिया है। कोर्ट ने इस प्रश्न पर व्यापक विचार के बाद मामले को तय करने के लिए नौ जजों की पीठ को संदर्भित कर दिया है।

न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ

संसद में महाभियोग प्रस्ताव ला सकती है सरकार, घर पर कैश मिलने का मामला

प्रयागराज, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने पर विचार कर रही है। बता दें कि दिल्ली में स्थित आधिकारिक आवास पर भारी मात्रा में जले हुए कैश मिलने के बाद से ही जज यशवंत वर्मा विवाद में थे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति ने न्यायाधीश यशवंत वर्मा को इस मामले में दोषी ठहराया था। अब सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर सामने आई है कि अगर न्यायाधीश यशवंत वर्मा खुद से इस्तीफी नहीं देते हैं तो उनके खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने के विकल्प पर विचार किया जाएगा।

मॉनसून सत्र में प्रस्ताव की संभावना

ऐसा माना जा रहा है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव संसद के आगामी मॉनसून सत्र में लाए जाने पर विचार किया जा सकता है। बता दें कि इस साल संसद के मॉनसून सत्र के जुलाई के दूसरे पखवाड़े में शुरू होने की संभावना है। सरकारी सूत्रों की मानें तो अगर न्यायाधीश यशवंत वर्मा अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं तो महाभियोग प्रस्ताव को लाना एक स्पष्ट विकल्प होगा।

यहां समझें पूरा केस

दरअसल कुछ ही महीने पहले दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास पर भारी मात्रा में जले हुए कैश बरामद किए गए थे। तब वह दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे। इसके बाद उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया गया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट की जांच समिति ने जज न्यायाधीश यशवंत वर्मा को दोषी ठहराया था। सूत्रों के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने जज यशवंत वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। इसके बाद जस्टिस संजीव खन्ना ने भारत की राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था और न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई करने की सिफारिश की थी।

बेटी को एक और बच्ची हुई तो मां ने अस्पताल में ही मार डाला

बुलंदशहर, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले की एक अदालत ने अपनी नवजात नातिन की गला दबाकर हत्या करने के जघन्य अपराध में एक महिला को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक अदालत- तृतीय) शिवानंद ने आरोपी नानी मीना को दोषी करार देते हुए उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ध्रुव कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हृदय विदारक घटना स्याना कस्बे के कैथवाला मोहल्ले में 13 जुलाई 2023 को हुई थी। दानिश की सास मीना ने 11 जुलाई 2023 को जन्मी अपनी नवजात नातिन की अस्पताल में ही गला दबाकर हत्या कर दी थी। पूछताछ के दौरान मीना ने पुलिस को बताया था कि उसकी बेटी को एक और पुत्री पैदा होने की वजह से उसे यह डर सता रहा था कि कहीं इसकी वजह से उसका दामाद दूसरी शादी न कर ले। इसी आशंका के चलते उसने अपनी ही नातिन की हत्या जैसा क्रूर कदम उठाया। इस संबंध में स्याना थाने में तत्काल मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की सुनवाई के दौरान अपर जिला न्यायाधीश शिवानंद ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मीना को अपनी नातिन की हत्या का दोषी पाया।

यूपी में 24 घंटे में 10 एनकाउंटर, थर-थर कांपे हिस्ट्रीशीटर, 8 शहरों में कार्रवाई

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। यूपी पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ तगड़ा एक्शन लिया है। पुलिस ने 24 घंटे में ताबड़तोड़ 10 एनकाउंटर किए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से हिस्ट्रीशीटरों में डर का माहौल है। अपराधियों को यूपी पुलिस में अपना काल दिखाई देने लगा है। उत्तर प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का ऑपरेशन एनकाउंटर जारी है। राज्य में क्राइम क्रंटोल के लिए यूपी पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। यही वजह है कि पुलिस ताबड़तोड़ एनकाउंटर कर रही है। यूपी पुलिस ने प्रदेश में 24 घंटे में 10 शहरों में एनकाउंटर किया। इस मुठभेड़ में कई बड़े-बड़े बदमाश पकड़े गए। ये सभी ऐसे क्रिमिनल्स हैं, जिनकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। लखनऊ में जहां पुलिस ने रेप के आरोपी को मुठभेड़ के बाद अरेस्ट किया, वहीं गाजियाबाद में सिपाही की हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया। शामली में 25 हजार का इनामी बदमाश पकड़ा गया। वहीं झांसी में भी पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। बुलंदशहर, बागपत, आगरा, जालौन, बलिया और उन्नाव में भी एनकाउंटर के बाद पुलिस ने कई क्रिमिनल्स को अरेस्ट किया है। ऑपरेशन लंगड़ा उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ चलाया जा रहा एक अभियान है, जिसमें अपराधियों को गिरफ्तार करने और अपराध को नियंत्रित करने के लिए पुलिस मुठभेड़ों के दौरान अपराधियों को पकड़ने की कोशिश करती है। इस दौरान अगर अपराधी भागने या जवाबी कार्रवाई करने की कोशिश करते हैं, तो पुलिस अक्सर उनके पैरों में गोली मारकर उन्हें लंगड़ा कर देती है, ताकि वे भविष्य में अपराध करने में असमर्थ हो जाएं। इस रणनीति को अनौपचारिक रूप से ऑपरेशन लंगड़ा कहा जाता है, क्योंकि इसका फोकस अपराधियों को शारीरिक रूप से अक्षम करने पर होता है,

कोरोना से आगरा में पहली मौत

आगरा, 28 मई (एजेंसियां)। फिरोजाबाद के मरीज की कोरोना संक्रमण के बाद हुई मौत के बाद भी स्वास्थ्य विभाग में कोई हलचल नहीं हुई है। अभी तक जांच केंद्र और आइसोलेशन वार्ड तक नहीं बनाए गए हैं। सीएमओ का कहना है कि कोई गाइड लाइन नहीं आई है। एहतियात बरती जा रही है। प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, जालौन के बाद फिरोजाबाद के संक्रमित की मौत से कोरोना के फैलने का खतरा फिर से बढ़ने लगा है। कोरोना महामारी के दौरान जहां स्वास्थ्य विभाग ने व्यापक इंतजाम किए थे, वहीं अब आगरा में पहला संक्रमित केस मिलने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की तैयारियां लचर हैं। महामारी के दौरान एसएन मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्रों पर आइसोलेशन वार्ड बनाए गए थे। यह सभी वार्ड अब सामान्य वार्ड में तब्दील हो चुके हैं। ऑक्सीजन प्लांट केवल एसएन और जिला अस्पताल में ही संचालित हो रहे हैं। कोरोना संक्रमण की जांच की सुविधा भी एसएन अस्पताल के वायरोलॉजी लैब में ही उपलब्ध है।

अभी तक कहीं भी अलग से कोरोना संक्रमण की जांच के केंद्र नहीं बनाए गए हैं। ऐसे में सामान्य लक्षण होने पर मरीज जांच भी नहीं करा पाएंगे। यहां तक कि ओपीडी में आने वाले खांसी, जुकाम बुखार के मरीजों के लिए फ्लू वार्ड भी शुरू किया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अभी संक्रमण को लेकर कोई गाइड लाइन जारी नहीं की गई है। एहतियात बरती जा रही है। अगर किसी को लक्षण महसूस हों तो उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज में जांच करानी चाहिए। सीएमओ अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि फिरोजाबाद का संक्रमित मरीज मिलने के बाद अब अस्पतालों में एहतियात बरती जाएगी।

जिन्हें गाली दे रहे हैं, आपकी दादी ने उन्हें सम्मानित किया था

सावरकर पर टिप्पणी को लेकर गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को घेरा

पटना, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने वीडी सावरकर के खिलाफ अक्सर तीखी टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी और देश की पूर्व प्रधानमंत्री ने हिंदुत्व विचारक का सम्मान किया था और उनके नाम पर एक डाक टिकट भी जारी किया था। विनायक दामोदर सावरकर जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सावरकर एक महान आत्मा थे जो देश के लिए जिए। उन्होंने लोगों से सावरकर के पदचिन्हों पर चलने और देश को कभी मरने नहीं देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं टीवी पर मरे हुए लोगों को बहस करते हुए देखता हूं जो देश के खिलाफ बोलते हैं और सावरकर जी की आलोचना करते हैं।

गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं राहुल गांधी और कांग्रेसियों से कहना चाहता हूं कि आप उन्हें गाली दे सकते हैं लेकिन आपकी दादी ने 70 के दशक में उन्हें सम्मानित किया था, उनके नाम पर एक डाक टिकट जारी किया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की अवधारणा देश की अवधारणा से अलग है। उन्होंने कहा कि देश एक जीता जागता भौगोलिक किला है, लेकिन राष्ट्र इस देश से जुड़े हुए लोगों की एक भावना है। उन्होंने कहा कि इजराइल अतीत में कुछ समय के लिए अस्तित्व में नहीं था, लेकिन इजरायलियों के दिल और दिमाग में राष्ट्र कभी नहीं मरा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जाति, महिलाओं, सामाजिक सद्भाव और कई अन्य चीजों के बारे में बात की है, लेकिन उन्होंने हमेशा राष्ट्र को केंद्र में रखा है। भले ही जाति जनगणना हो, जातियों को लेकर सामाजिक चिंता है, लेकिन राष्ट्रीय चिंता को कभी नहीं भूलना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय सचिव सुनील देवधर ने भी हिंदुत्व विचारक के बारे में गांधी की टिप्पणी की आलोचना की। देवधर ने कहा कि सावरकर ने अंग्रेजों से कभी माफी नहीं मांगी। उन्होंने राहुल गांधी को बेहद मूर्ख व्यक्ति बताया और आरोप लगाया कि वह सावरकर को बदनाम करने के लिए उनके बारे में झूठे दावे कर रहे हैं।

यूपी को मिलेगा दलित डीजीपी या महिला के हाथों में होगी पुलिस की कमान

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस का नया मुखिया कौन होगा, इस बात को लेकर कयासों और अटकलों का दौर जारी है। इस बीच दो ऐसे नामों की चर्चा हो रही है जिनको डीजीपी बनाया जा सकता है। ये दो नाम हैं- आईपीएस मनमोहन कुमार बशाल और आईपीएस तिलोत्तमा वर्मा। अगर बशाल डीजीपी बनाए जाते हैं तो लंबे अंतराल के बाद ऐसा होगा कि कोई दलित अफसर, राज्य की पुलिस का मुखिया होगा। वहीं तिलोत्तमा को जिम्मेदारी सौंपी जाती है तो वह पहली महिला अफसर होंगी जो देश के सबसे बड़े राज्य की पुलिस की कमान संभालेंगी। आइए आपको बताते हैं कि मनमोहन कुमार बशाल और तिलोत्तमा वर्मा का अब तक का करियर कैसा रहा है और उन्होंने कहां-कहां अपनी सेवाएं दी हैं। सबसे पहले बात करते हैं एमके बशाल की। साल 1990 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बशाल, दिल्ली के रहने वाले हैं। वर्ष 1966 में जन्में बशाल ने बीटेक की डिग्री ली है। सेवा में आने के बाद वर्ष 1992 में उनको कंफर्मेशन मिला और वह फिलहाल डीजी रैंक पर सेवारत हैं। आईपीएस बशाल डीआईजी रैंक पर वर्ष 2005, वर्ष 2010 में आईजी रैंक पर प्रमोट किए गए। फिर वर्ष 2014 में वह एडीजी पद के लिए प्रमोट किए गए।

यूपी पंचायत चुनाव को लेकर शिवपाल सिंह यादव का बड़ा बयान, अकेले लड़ेगी सपा

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। यूपी में 2026 में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर सभी पार्टियों ने अभी से ही अपनी तैयारी शुरू कर दी है। जिसमें सभी राजनीतिक दल अकेले लड़ने का दावा ठोक रहे हैं। इसमें इंडिया गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी भी शामिल है, जी हां पार्टी महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि पंचायत चुनाव में पार्टी पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। वहीं कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ने पर उन्होंने कहा कि ये जनता का चुनाव है, इसे सपा हमेशा से मजबूती से लड़ती आई है और अलग ही लड़ेगी। शिवपाल सिंह यादव ने ये बात इटावा में कही। उन्होंने ओम प्रकाश राजभर को लेकर कहा कि पूरा प्रदेश उन्हें समझ चुका है, वो क्या बोलते हैं। साथ ही हालिया डीएनए विवाद पर उन्होंने कहा कि सभी को संयम की जरूरत है।

उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव में सपा की रणनीति

शिवपाल सिंह यादव ने अगले साल होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कहा कि सपा हमेशा से जनता के भरोसे पर चुनाव लड़ती है। उनके मुताबिक जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत चुनावों में सपा सक्रिय रूप से हिस्सा लेती है और हर बार भारी बहुमत से जीत हासिल करती है। विश्वास जताया कि आगे भी सपा की जीत का सिलसिला जारी रहेगा। वहीं जिम्मेदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसे पूरी ताकत और शिद्दत से निभाएंगे।

कांग्रेस से अलग लड़ने पर जोर

उन्होंने सपा की संगठनात्मक ताकत पर भरोसा जताते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और जनता के समर्थन से हर चुनौती का सामना करने को तैयार है। उन्होंने कांग्रेस और अन्य दलों से अलग लड़ने की रणनीति की बात कही। जिससे सपा और मजबूत होगी।

ओम प्रकाश राजभर पर तंज

उधर ओम प्रकाश राजभर के बीजेपी से अलग होकर चुनाव लड़ने की चर्चा पर शिवपाल ने तंज कसते हुए कहा कि उनकी बात अब सब समझ चुके हैं। पूरा प्रदेश जानता है कि वे कब और कहां जाते हैं कोई भरोसा नहीं। उन्होंने राजभर की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कि अब उन्हें कोई गंभीरता से नहीं लेता।

दो ग्रामीणों की जान लेने वाली बाघिन का नया ठिकाना पिंजरे से हुई आजाद

पीलीभीत, 28 मई (एजेंसियां)। खुटार रेंज के सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र से पकड़ी गई आदमखोर बाघिन का नया ठिकाना पीलीभीत टाइगर रिजर्व के महोफ का जंगल बन गया। मुख्यालय से मिले आदेश के बाद विभागीय अफसरों की मौजूदगी में बाघिन को महोफ रेंज के जंगल में ले जाकर पिंजरे से आजाद कर दिया गया। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र में पिछले छह माह से बाघिन की दहशत थी। दस दिन पूर्व बाघिन ने दो ग्रामीणों को मार दिया था। इसके बाद लोगों में आक्रोश बढ़ा तो विभागीय अफसर भी हरकत में आए थे। रविवार शाम को बाघिन को मैलानी के जंगल के दो सौ मीटर अंदर से बेहोश कर पकड़ा गया था। पिंजरे में कैद करने के बाद बाघिन को किशनपुर और फिर सोमवार सुबह तड़के पीटीआर मुख्यालय लाया गया था। पशु चिकित्सकों की टीम ने नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसमें बाघिन पूरी तरह स्वस्थ पाई गई। इसके बाद उसको छोड़े जाने वाले मंथन शुरू किया। मंगलवार को मुख्यालय के अधिकारियों को बाघिन को चिड़ियाघर आदि में न भेजने के बाद जंगल में ही छोड़ने के आदेश जारी किए।

एक आधार पर 100 लोगों को बांटा राशन, बरेली-आगरा और मेरठ में कैसे हुआ खाद्यान्न घोटाला

बरेली, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली, आगरा और मेरठ मंडलों में बहुचर्चित खाद्यान्न घोटाले की परतें अब खुलने लगी हैं। इस घोटाले की जांच कर रही सीआईडी ने सनसनीखेज खुलासे किए हैं। इसमें बताया है कि यह जालसाजी राशन डीलरों से लेकर डीएसओ और एडीएम रैंक तक के अधिकारियों की मिलीभगत से अंजाम दी गई है। यही नहीं, एक-एक आधार कार्ड पर 90 से 100 लोगों को राशन बांटने की बात भी सामने आई है। सीआईडी ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करते हुए कहा है कि इस घोटाले में नाबालिग बच्चों को भी लाभार्थी बनाकर गरीबों का हक छीना गया है। इसी क्रम में सीआईडी ने मेरठ के डीएसओ के खिलाफ कच्चा चिट्ठा पेश करते हुए विभागीय कार्रवाई तक की सिफारिश कर दी है। बता दें कि यह धांधली पहली बार साल 2018 में सामने आई थी। इसमें कहा गया था कि 2015 से 2018 के बीच इन तीनों मंडलों में बड़े स्तर पर अनियमितता बरती गई है। इसमें अधिकारियों-कर्मचारियों ने राशन डीलरों की मिली भगत से गरीब परिवारों (बीपीएल) का राशन खा लिया है। इस संबंध में 134 से अधिक मुकदमे भी दर्ज किए गए। उस समय मामले की जांच पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को दी गई थी, लेकिन 5 साल की जांच के बाद भी कुछ खास प्रगति नहीं हुई तो मामला फरवरी 2024 में सीआईडी को सौंप दिया गया। अब सीआईडी ने मामले की जांच करते हुए 110 मुकदमों का निस्तारण कर दिया है। इन सभी मामलों में मेरठ के तत्कालीन डीएसओ विकास गौतम समेत अन्य संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश भी कर दी है। सीआईडी की जांच में घोटाले की जड़ का खुलासा हुआ है। इसमें पता चला है कि यह सारी धांधली आधार कार्ड के दुरुपयोग से हुई है। अधिकारियों और कर्मचारियों ने कोटेदारों से मिलीभगत कर वास्तविक लाभार्थियों के आधार नंबर को एडिट कर दिया। इसके बाद पात्रों के नाम से अपात्रों के नाम से राशन रिलीज किया गया। अपनी चार्जशीट में सीआईडी ने कई जिला पूर्ति निरीक्षक, राशन डीलर, सेल्समैन और कंप्यूटर ऑपरेटरों को नामजद किया है। इनके अलावा कुछ अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) और डीएसओ के खिलाफ भी कार्रवाई की सिफारिश की है।

लिफ्ट में फंसा था बेटा, बचाने दौड़े पिता को आ गया हार्ट अटैक; मौत से मचा हड़कंप

भोपाल, 28 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक हैरान करने वाली घटना हुई है। यहां अपने बेटे को लिफ्ट में फंसे देखकर एक व्यक्ति को ऐसा सदमा लगा कि उन्हें मौके पर ही हार्ट अटैक आ गया और जमीन पर गिर कर उनकी मौत हो गई। घटना भोपाल में मिसरोद जाट खेड़ी स्थित पॉस कॉलोनी निरुपम रॉयल पॉम विला का है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक इस कॉलोनी के फ्लैट नंबर 307 में रहने वाले ऋषिराज भटनागर (51) के घर में पत्नी और दो बेटे हैं। वह खुद बीमा और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। वहीं उनकी पत्नी एक निजी स्कूल में टीचर हैं। बड़ा बेटा हर्षित इसी साल 12वीं पास किया है, जबकि छोटा बेटा देवांश 8 साल का है। सोमवार की रात खाना खाने के बाद ऋषिराज बिल्डिंग के पास लॉन में टहल रहे थे। यहीं पर उनका छोटा बेटा देवांश भी खेल रहा था। थोड़ी देर बाद ऋषिराज ने बेटे को घर जाने के लिए कहा। इसके बाद देवांश जैसे ही अपने फ्लैट में जाने के लिए लिफ्ट में घुसा अचानक से लाइट चली गई और वह अंदर फंस गया। उसे फंसा देखकर ऋषिराज दौड़ कर गार्डरूम में गए और जेनरेटर चलवाया। इतने में उन्हें झटका लगा और जमीन पर गिर गए। संयोग से इतने में लाइट भी आ गई और लिफ्ट का दरवाजा खुल गया। उनका बेटा तो सुरक्षित बाहर आ गया, लेकिन इतने समय में खुद ऋषिराज की मौत हो चुकी थी। आनन फानन में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

राज्यसभा में एंट्री करेंगे अभिनेता कमल हासन, डीएमके ने चुनाव में दी एक सीट

बेंगलूरू, 28 मई (एजेंसियां)। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन संसद के ऊपरी सदन राज्यसभा में एंट्री ले सकते हैं। दरअसल, तमिलनाडु में सत्ताधारी दल डीएमके ने बुधवार को खुलासा किया है कि उसने राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव में 4 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने कहा है कि उसने एक सीट कमल हासन की पार्टी मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) को दे दी है। बता दें कि आगामी 19 जून को राज्यसभा के लिए द्विवार्षिक चुनाव होने वाले हैं। डीएमके ने राज्यसभा चुनाव के लिए 3 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान भी कर दिया है। पार्टी ने वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन को फिर से नामांकित किया है। इसके अलावा डीएमके के दो अन्य उम्मीदवार सलेम से पार्टी के नेता एसआर शिवलिंगम तथा कवि, लेखक और पार्टी पदाधिकारी रुकय्या मलिक उर्फ कविगनर सलमा होंगे। बता दें कि तमिलनाडु से आने वाले 6 राज्यसभा सांसद आगामी 24 जुलाई 2025 को रिटायर हो जाएंगे। रिटायर होने वाले नेताओं में डीएमके के अंबुमणि रामदास और एमडीएमके के शीर्ष नेता वाइको भी शामिल हैं।

क्या है चुनाव का समीकरण?

डीएमके पार्टी के प्रमुख और तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले हुए समझौते के तहत कमल हासन की पार्टी को द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव में एक सीट दी गई है। विधानसभा में अपने और सहयोगियों के संख्याबल की मदद से डीएमके द्विवार्षिक राज्यसभा चुनाव में 6 में से 4 सीटों को जीत सकती है। वहीं, विपक्षी दल एआईएडीएमके भाजपा और अन्य सहयोगियों की मदद से दो सीटें जीत सकती है।

कमल हासन की पार्टी का आया बयान

कमल हासन की पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) ने भी इशारा किया है कि अभिनेता राज्यसभा जा सकते हैं। पार्टी के नेता मुरली अप्पास ने कहा- हमने कमल हासन को मक्कल नीधि मय्यम पार्टी से राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया है।

भाजपा विधायक बोले- सिंधिया जी के खिलाफ बोला तो जुबान काट लेंगे, वीडियो वायरल

अशोकनगर, 28 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले के चंदेरी से भाजपा विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विधायक रघुवंशी कथित तौर पर वीडियो कॉल पर किसी व्यक्ति से बात करते हुए नजर आ रहे हैं, जिसमें वे ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ बोलने वालों की 'जुबान काटने' की धमकी देते हुए नजर आ रहे हैं। यह वीडियो उस समय सामने आया है, जब हाल ही में ग्राम पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों की बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ राजेश जैन द्वारा जनप्रतिनिधियों के खिलाफ की गई कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के संदर्भ में विधायक ने जुबान काटने की धमकी दी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को ईसागढ़ जनपद पंचायत में सचिवों और रोजगार सहायकों की बैठक चल रही थी। इस दौरान जनपद सीईओ के पास जिला पंचायत सीईओ राजेश जैन का कॉल आया, इस दौरान कॉल को स्पीकर पर रखकर सांसद-विधायकों के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे। पंचायत सचिवों का आरोप है कि जैन ने फोन पर सचिवों को अपमानजनक भाषा में जूते मारने की धमकी दी, कहा इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किसके आदमी हैं। इससे गुस्साए सचिवों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था। इस मामले को लेकर चंदेरी विधायक जगन्नाथ सिंह रघुवंशी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव से मुलाकात की और उन्हें एक लिखित शिकायत सौंपी।

गेस्ट हाउस में चल रहे अवैध गर्भपात रैकेट का भंडाफोड़, पुलिस ने मारा छापा, एक गिरफ्तार

अहमदाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। अक्सर होटल और गेस्ट हाउस की आड़ में अवैध धंधा चलाने की खबर सामने आती रहती है। गुजरात के अहमदाबाद से भी एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां अहमदाबाद ग्रामीण विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने बावला तालुका स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर गुजरात के बावला शहर में एक गेस्ट हाउस में चल रहे अवैध गर्भपात रैकेट का पर्दाफाश किया। यह छापेमारी एसओजी कर्मियों को नियमित गश्त के दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने पनामा गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 105 पर छापा मारा, जहां कथित तौर पर बिना लाइसेंस के चिकित्सा प्रक्रियाएं की जा रही थीं। मुख्य आरोपी की पहचान धोलका निवासी हेमलता दर्जी के रूप में हुई है, जो बिना किसी वैध मेडिकल डिग्री के गर्भपात कराती पाई गई। अधिकारियों के मुताबिक, हेमलता ने केवल नर्सिंग कोर्स पूरा किया था और इससे पहले वह धोलका के संतोकबा अस्पताल में काम करती थी। अपने उस अनुभव का उपयोग करते हुए, उसने गर्भपात किया और गर्भपात कराने वाली गर्भवती महिलाओं से भारी रकम वसूली। टीम ने बताया कि वह इन प्रक्रियाओं को गुप्त रूप से करने के लिए गेस्ट हाउस में कमरे किराए पर लेती थी। छापे के दौरान, उस स्थान पर तीन महिलाएं पाई गईं, जिनमें से एक ने हाल ही में गर्भपात करवाया था। परिसर से एक भ्रूण भी बरामद किया गया। स्वास्थ्य अधिकारियों ने गर्भपात प्रक्रियाओं के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चिकित्सा उपकरण जब्त कर लिए। भारतीय न्याय संहिता और मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम, 1971 की संबंधित धाराओं के तहत बावला पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। घटनास्थल पर मौजूद तीन महिलाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई ग्रामीण क्षेत्रों में काम कर रहे अपंजीकृत चिकित्सकों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के बड़े अभियान का हिस्सा है। एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे अवैध कृत्य न केवल महिलाओं के जीवन को खतरे में डालते हैं, बल्कि कानून का गंभीर उल्लंघन भी हैं।

आवारा कुत्तों के पुनर्वास के लिए हाई कोर्ट का अहम निर्देश, 'सरकार करे स्थाई समाधान'

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने आवारा कुत्तों के पुनर्वास के लिए नीति बनाने को लेकर दिल्ली सरकार समेत अन्य एजेंसियों को विचार करने का आदेश दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह राजधानी में आवारा कुत्तों के पुनर्वास के स्थायी समाधान करें। हाई कोर्ट ने आवारा कुत्तों से हो रहे लोगों की परेशानी को देखते हुए इस मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने इस मामले को दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव के पास भेज दिया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यह मामला केवल नगर निगम तक सीमित नहीं है बल्कि अहम प्रशासनिक और सामाजिक मुद्दा है। कोर्ट ने कहा कि मामले को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और इस दिशा में किसी भी प्रकार की करवाई तभी प्रभावी हो सकती है जब प्रशासनिक स्तर पर इसमें गंभीरता से कदम उठाया जाए। कोर्ट ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव से कहा कि वह इस मामले में जुड़े हुए संबंधित एजेंसियों और हित धारकों की एक बैठक बुलाए। साथ ही एक नीतिगत फैसला लिया जा सके की सड़कों और पार्कों में घूमने वाले आवारों कुत्तों को आखिरकार कैसे हटाया जाए और इसके साथ-साथ उनके पुनर्वास की व्यवस्था कैसे की जाए। हाई कोर्ट में दाखिल याचिका में याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि आवारा पशुओं से विकलांग व्यक्तियों की चिकित्सा या सेवा के लिए सक्षम ढांचे में बहुत कमी है। कोर्ट में वकील ने दलील देते हुए कहा कि पशु जन्म नियंत्रण नियम विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों के अधिनियम का उल्लंघन करते है,

वाहन से 4 टन विस्फोटक की लूट, माओवादियों पर संदेह; सीमावर्ती इलाकों में जारी हुआ हाई अलर्ट

राउरकेला, 28 मई (एजेंसियां)। सुंदरगढ़ जिले के केबलांग थाना अंतर्गत बांको पत्थर खदान के लिए बड़गांव से विस्फोटक लेकर जा रहे एक वाहन का अपहरण करने के बाद चार टन विस्फोटक लूट लिया गया है। शाम को पिक अप वाहन में विस्फोटक लेकर चालक खदान की ओर जा रहा था तभी 30-40 लोगों ने उसे रोका एवं चालक समेत वाहन का अपहरण कर लिया। घटना के बाद पुलिस एवं सीआरपीएफ सक्रिय हुई एवं उसकी तलाश शुरु की गई। कांबिंग आपरेशन में देर शाम को वाहन सारंडा जंगल में मिला। वाहन से विस्फोटक गायब था। इसमें माओवादियों का हाथ होने की आशंका है। इसे लेकर सीमावर्ती क्षेत्रों में हाई अलर्ट है। ओडिशा पुलिस आइजी आपरेशन दीपक कुमार, डीआइजी ब्रजेश राय बणई मौके पर पहुंच कर इस तलाशी अभियान पर नजर रख रहे हैं। जानकारी के अनुसार बड़गांव गोदाम का विस्फोटक आमोनियम नाइट्रेट लेकर पिकअप वाहन से झारखंड-ओडिशा सीमा क्षेत्र में स्थित बांको पत्थर खदान के लिए निकला था। खदान तक पहुंचने से पहले ही करीब 30-40 लोगों ने वाहन को रोक लिया एवं वाहन समेत चालक का अपहरण कर लिया।

कुछ दूरी पर वाहन से विस्फोटक उतारा गया एवं उसे जंगल की ओर ले गए। इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम गठित की गई तथा सीआरपीएफ के साथ जंगल में आपरेशन शुरु किया गया। देर शाम को वाहन को सारंडा जंगल से बरामद किया गया। चालक को भी पुलिस हिरासत में रखा गया है एवं उससे पूछताछ की जा रही है। इस घटना में माओवादियों का हाथ होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। डीआइजी ब्रजेश राय, एसपी नितेश वाधवानी समेत पुलिस टीम क्षेत्र में पहुंच कर आपरेशन पर नजर रख रहे हैं। विस्फोटक के लूट की इस घटना के बाद जराईकेला सीमा पर हाई अलर्ट है। सारंडा जंगल में जराईकेला, दीघा, थोलकोबाद सीआर छोटानागरा सीआरपीएफ कैंप से पेट्रोलिंग के साथ कांबिंग भी की जा रही है। माओवादी नेता मिसिर बेसरा के सारंडा में होने तथा उसके नेतृत्व में ही इस घटना को अंजाम देने की आशंका है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन तेज होने से माओवादी अंतिम लड़ाई लड़ने की तैयारी में हैं। भारी मात्रा में विस्फोटक बगैर सुरक्षा के लेकर जाने की खबर माओवादियों को थी एवं इस घटना को अंजाम देने में सफल हुए हैं।

बटन 100 रुपये निकालने के लिए दबाया, निकले 500 एटीएम से लग गई 8 लाख की चपत

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में एटीएम से धांधली का मामला सामने आया है। यह धांधली एटीएम में कैश लोड करते समय की गई। एटीएम में कैश लोड करते समय 100 रुपये की नोट की ट्रे में 500 के नोट रख दिए। इसका लाभ 112 एटीएम कार्डधारकों ने उठाया और आठ लाख रुपये अतिरिक्त निकाल लिए। ऑडिट के समय रुपये निकालने का पता चला। इसके बाद एटीएम में कैश लोड करने वाली कंपनी ने बुधवार को अपने दो कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। दोनों पर जान-बुझकर नोटों की ट्रे की अदला-बदली करने और कार्डधारकों की सहायता से रुपये निकलवाकर गबन करने का आरोप है।

प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन अमेरिका में लॉबिंग में जुटा; पन्नू के नेतृत्व वाले एसजेएफ की नई साजिश

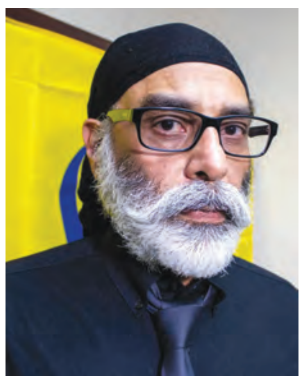

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। भारत में प्रतिबंधित संगठनों की सूची में शामिल खालिस्तान समर्थक समूह सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) अमेरिका में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने के लिए फिर से सक्रिय हो गया है। गुरपतवंत सिंह पन्नू के नेतृत्व वाले अलगाववादी समूह एसजेएफ ने चार साल के अंतराल के बाद अमेरिका में पेशेवर लॉबिंग गतिविधियां फिर से शुरू कर दी है।

संघीय दस्तावेज में यह खुलासा हुआ है। इससे पता चलता है कि ट्रंप प्रशासन के सत्ता में आने साथ ही एसजेएफ न औपचारिक ढंग से लॉबिंग के प्रयास शुरू कर दिए हैं। अमेरिका में रणनीतिक लॉबिंग के जरिये विशेष समूह अपने हितों को साधने के लिए सरकार को प्रभावित करने और सार्वजनिक तौर पर अभियान चलाने जैसे तरीके अपनाते हैं। अमेरिकी सीनेट के समक्ष रखे गए लॉबिंग संबंधी संघीय दस्तावेज बताते हैं कि वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए सिख फॉर जस्टिस ने लिविंगस्टन ग्रुप के साथ पंजीकरण कराया है, जो व्हाइट हाउस, विदेश विभाग, रक्षा विभाग और अन्य प्रमुख संघीय एजेंसियों के समक्ष इस प्रतिबंधित संगठन के पक्ष में लॉबिंग करेगा। इस तरह की लॉबिंग के जरिये एसजेएफ अपनी गतिविधियों के पक्ष में समर्थन जुटाना चाहता है। ब्यूरो

ताकि बाहर से न पड़ सके किसी तरह का दबाव

10 अप्रैल, 2025 को दायर संघीय दस्तावेज बताते हैं कि लिविंगस्टन समूह ने जिन मुद्दों को लेकर एसजेएफ का पक्ष रखने के लिए पंजीकरण कराया है, उसमें सबसे अहम यही है कि अमेरिका में बसे सिख समुदाय के लोगों को अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक विचारों को व्यक्त करने के लिए अमेरिका के बाहर के लोगों और संस्थाओं की तरफ से किसी तरह का दबाव न झेलना पड़े। उन्हें किसी तरह से डराया-धमकाया न सके। विभिन्न मंचों पर एसजेएफ के पक्ष में लामबंदी की जिम्मेदारी संभालने वाले प्रमुख लॉबिस्ट में पूर्व कांग्रेस सदस्य रॉबर्ट एल लिविंगस्टन, उनके पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ जे। एलन मार्टिन और कैथरीन किंग्सबरी शामिल हैं।

भारत के लिए चिंता का विषय

ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल में ऐसी लॉबिंग गतिविधियां फिर से शुरू होना भारत के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने की कोशिशों के रूप में गंभीर चिंताएं उत्पन्न करती हैं। माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस, विदेश विभाग और रक्षा विभाग तक एसजेएफ की लॉबिंग से अमेरिकी धरती पर सक्रिय पाकिस्तान समर्थित अलगाववादी तत्वों का खतरा भी बढ़ सकता है।

पहले भी कर चुका है कोशिश

मार्च 2020 में ग्रेटर अमेरिका एलएलसी नामक एक इकाई ने एसजेएफ के लिए लॉबिंग की जिम्मेदारी संभाली, जिसके तहत व्हाइट हाउस कार्यालय को प्रभावित किया जाना था। फर्म में पहली तिमाही के लिए 10,000 डॉलर की आय का खुलासा किया लेकिन 17 अप्रैल 2020 को ही पंजीकरण खत्म करने की सूचना दी। इसके बाद 2021 ब्लू स्टार स्ट्रैटेजीज एलएलसी की सेवाएं ली गईं, जिसने एसजेएफ को पंजाब को खालिस्तान बनाने का समर्थन करने वाला अमेरिका स्थित एनजीओ बताया। 12 मार्च 2021 से लागू इस लॉबिंग पंजीकरण दस्तावेज को 31 मई 2021 को खत्म घोषित कर दिया गया। अब इसने तीसरी बार ऐसी कोशिश शुरू की है।

एसएसपी सस्पेंड: भ्रष्टाचार के मामले में पुलिस के खिलाफ बड़ा एक्शन

फाजिल्का, 28 मई (एजेंसियां)। पंजाब के फाजिल्का के एसएसपी वरिंदर सिंह बराड़ को सस्पेंड कर दिया गया है। भ्रष्टाचार के मामले में ये बड़ी कार्रवाई हुई है। दरअसल कल फाजिल्का थाने के चार पुलिस कर्मियों पर भ्रष्टाचार के मामले में एक्शन हुआ था। एक लाख की रिश्वत लेते विजिलेंस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। गौरतलब है कि मान सरकार का भ्रष्टाचार पर वार लगातार जारी है। आप मंत्री हरपाल सिंह चीमा का कहना है कि भ्रष्टाचार के मामले में छोटा हो या बड़ा, अपना हो या पराया, कोई भी नहीं बख्शा जाएगा। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मंगलवार को बताया था कि पंजाब के फाजिल्का में एक थानाध्यक्ष और तीन अन्य पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर एक लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

दरअसल मामला 17 साल के एक युवक दिलराज सिंह से जुड़ा हुआ है। दिलराज सिंह के पिता धर्मेंद्र सिंह ने साइबर अपराध पुलिस थाना, फाजिल्का द्वारा रिश्वत मांगे जाने के सबूत के साथ मुख्यमंत्री भगवंत मान से शिकायत की थी। दरअसल एक शिकायत के बाद पुलिस ने दिलराज का मोबाइल फोन जब्त कर लिया था। इसके बाद युवक के परिवार ने पुलिस पर आरोप लगाया कि उन्हें रिश्वत देने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, ''यह मामला भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के पंजाब सरकार के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुणे की छात्रा की गिरफ्तारी को बताया 'कट्टर प्रतिक्रिया'

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। पुणे की 19 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्रा को सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में लिखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के समय हुई, जब छात्रा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में पाकिस्तानी अकाउंट्स से जुड़े स्क्रीनशॉट साझा किए थे, जिनमें हिंदुत्व विचारधारा की आलोचना भी शामिल थी। पुलिस ने छात्रा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया, जिसमें देश की संप्रभुता को खतरे में डालने, विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने जैसी गंभीर धाराएं शामिल थीं। बॉम्बे हाईकोर्ट की वैकेशन बेंच ने मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करते हुए महाराष्ट्र सरकार की तीखी आलोचना की। न्यायमूर्ति गौरी गोडसे और न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरसन ने कहा कि छात्रा कि गिरफ्तारी 'अत्यधिक और कट्टर प्रतिक्रिया' थी, जो उसे अपराधी बना सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि छात्रा ने पोस्ट को तुरंत हटा दिया था, पश्चाताप किया और माफी भी मांगी, इसलिए उसे गिरफ्तार नहीं किया जाना चाहिए था। अदालत ने सरकार और कॉलेज के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या किसी की राय व्यक्त करने पर जीवन बर्बाद कर देंगे? अदालत ने सरकार और कॉलेज के व्यवहार पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, क्या कोई अपनी राय व्यक्त कर रहा है और आप इस तरह से उसका जीवन बर्बाद कर रहे हैं? एक छात्रा का जीवन दांव पर लगा है। अतिरिक्त सरकारी वकील पी पी काकड़े के इस दावे पर कि किशोरी का पोस्ट राष्ट्रीय हित के खिलाफ था, इस पर अदालत ने असहमति जताई। अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि छात्रा द्वारा अपलोड की गई पोस्ट से राष्ट्रीय हित को कोई नुकसान नहीं हुआ है, खासकर तब जब उसने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और माफी मांग ली है। अदालत ने आगे सवाल किया कि राज्य किसी छात्रा को इस तरह कैसे गिरफ्तार कर सकता है? क्या राज्य यह चाहता है कि छात्र अपनी राय व्यक्त करना ही बंद कर दें? अदालत ने चेतावनी दी कि राज्य की इस तरह की अति-उत्साही प्रतिक्रिया किसी भी व्यक्ति को और अधिक कट्टरपंथी बना सकती है। बेंच ने कॉलेज द्वारा लड़की को निष्कासित करने के फैसले की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि एक शैक्षणिक संस्थान का उद्देश्य सुधार करना होना चाहिए, न कि दंडित करना। अदालत ने जोर देकर कहा कि किसी शैक्षणिक संस्थान का कार्य केवल अकादमिक शिक्षा प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि छात्रों को सुधारने में मदद करना भी है।

सिद्धू मूसेवाला के पिता के चुनाव लड़ने से कितनी बदल जाएगी पंजाब की सियासत?

चंडीगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। पंजाब के मशहूर सिंगर रहे सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह ने सियासत में उतरने का ऐलान कर दिया है। मंगलवार को मनसा में कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' में बलकौर सिंह ने कहा कि वह अपने बेटे को इंसाफ दिलाने के लिए 2027 में पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। साथ ही उन्होंने मानसा विधानसभा सीट से अपनी किस्मत आजमाने की घोषणा भी कर दी है। मानसा में 29 मई 2022 को सिद्धू मूसेवाला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना ने दुनिया भर के उनके प्रशंसकों, शुभचिंतकों को झकझोर दिया था। सिद्धू मसेवाला की हत्या का असर साफतौर पर पंजाब की सियासत पर दिखाई दिया था। मूसेवाला हत्याकांड के एक महीने के बाद 23 जून, 2022 को संगरूर संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में आम आदमी पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा था। सिद्धू मूसेवाला की तीसरी बरसी से ठीक पहले उनके पिता बलकौर सिंह ने आगामी विधानसभा चुनाव में मानसा सीट से उतरने का ऐलान करके पंजाब की सियासी तपिश को बढ़ा दिया है। मूसेवाला के पिता के चुनाव लड़ने से सिर्फ मानसा ही नहीं बल्कि मालवा बेल्ट में भी सियासी प्रभाव पड़ेगा? कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी मौजूदगी में बलकौर सिंह ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया, जिसका उन्होंने स्वागत किया। बलकौर सिंह ने कहा कि वह अपने बेटे सिद्धू मूसेवाला की हत्या के लिए न्याय की मांग को और मजबूत करने के लिए यह कदम उठा रहे हैं। बलकौर सिंह ने भगवंत मान के अगुवाई वाली आप की सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि पंजाब में हर रोज हत्या, लूट हो रही है। अपराधी बिना किसी डर के घूम रहे हैं।

पति ने पत्नी को दिया तीन तलाक, दूसरी महिला के साथ संबंध होने की कही बात

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के वसंत कुंज इलाके से तीन तलाक से जुड़ा एक नया मामला सामने आया है, जिसने राजधानी में हलचल मचा दी है। एक 34 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने न केवल उसके साथ मारपीट की, बल्कि तीन बार 'तलाक' बोलकर संबंध तोड़ दिए। महिला का आरोप है कि यह घटना उसके साथ पहले से चल रही घरेलू हिंसा की एक कड़ी है। यह मामला सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और केस की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि वसंत कुंज (दक्षिण) थाने में इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 12 अक्टूबर 2014 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी के बाद से ही पति का व्यवहार हिंसक रहा है और कई बार वह उसके साथ मारपीट कर चुका है। यह हिंसा समय-समय पर होती रही लेकिन इस बार मामला गंभीर हो गया, जब पति 2 अज्ञात महिलाओं को लेकर उसके फ्लैट में घुस आया। प्राथमिकी में दर्ज बयान के अनुसार, 26 मई को आरोपी पति दो महिलाओं के साथ फ्लैट में आया और महिला को धमकाने लगा। इसी दौरान उसने स्वीकार किया कि उसका एक महिला के साथ संबंध है और दूसरी महिला की मौजूदगी में उसने तीन बार 'तलाक' बोलकर शादी तोड़ने की घोषणा कर दी। पीड़िता का कहना है कि यह सब कुछ जान-बूझकर और साजिश के तहत किया गया। महिला ने डर और अपमान की भावना के साथ पुलिस से मदद मांगी और तुरंत कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई।

इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 115(2) (जान-बूझकर चोट पहुंचाना), 351(3) (आपराधिक धमकी) और मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। जांच अधिकारी मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपी पति ने पहले से किसी महिला के साथ विवाह कर रखा है या नहीं। तीन तलाक कानून के तहत यह एक आपराधिक मामला है और दोषी पाए जाने पर आरोपी को जेल हो सकती है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 29 मई - 2025

आतंकवाद को आतंकित करने की मोदी नीति

राजेश कुमार पासी

सैन्य नीति में कहा जाता है, आक्रमण ही सबसे बढ़िया रक्षा है । अब ऐसा लगता है कि मोदी सरकार इस नीति पर चल पड़ी है । पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ हम पिछले 45 सालों से बचाव की नीति पर चल रहे थे । इसका नतीजा यह था कि आतंकवादी पूरे देश में दनदनाते घूम रहे थे । इतने बड़े देश में सभी को सुरक्षा देना संभव नहीं है, इसलिए गुप्तचर एजेंसियों और सुरक्षा बलों की भरपूर कोशिशों के बावजूद भारत लगातार आतंकवादी हमले झेल रहा था । आतंकवाद के कारण भारत के 20000 निर्दोष नागरिकों को असमय अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है । इसके अलावा भारत की जो आर्थिक हानि हुई है और उसके विकास को चोट पहुंची है, इसका अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। आतंकवाद के बारे में कहा भी जाता है कि आतंकवादी हमले से बचने के लिए सुरक्षाबलों को हर बार कामयाब होना पड़ता है लेकिन आतंकवादियों को सिर्फ एक बार कामयाब होने की जरूरत होती है । 1980 से लेकर अब तक भारत के कोने-कोने में आतंकवादी हमले होते रहे हैं । 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद आतंकवाद के खिलाफ बड़ी कार्यवाही शुरू की गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवाद को जम्मू-कश्मीर तक सीमित कर दिया गया । पिछले दस सालों से जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश का शेष हिस्सा आतंकवाद की मार से बचा रहा है । इसके बावजूद जम्मू-कश्मीर में आज भी आतंकवादी हमले जारी हैं । अब मोदी सरकार ने तय कर लिया है कि आतंकवाद को पूरे देश से समाप्त कर देना है और इसके लिए आतंकवादियों के आका पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही करने का मन बना लिया गया है । पाकिस्तान बड़े-बड़े आतंकवादी हमलों के बाद भारत की प्रतिक्रिया से ये मान चुका था कि भारत एक कमजोर राज्य है । इसके खिलाफ बड़े से बड़ा हमला कर दो लेकिन वो कुछ करने वाला नहीं है ।

आतंकवाद के इतिहास में दो बार ऐसा हुआ है जब पाकिस्तान ने भारत पर सीधा हमला किया है। एक बार लोकतंत्र के मंदिर संसद को निशाना बनाया गया और दूसरी बार देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में बड़ा आतंकवादी हमला करके 166 भारतीय नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया गया । ये ऐसे दो मौके थे जब पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की जरूरत थी लेकिन तत्कालीन सरकारें इसमें नाकामयाब रही । 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद 2016 में उरी में हुए आतंकवादी हमले के बाद पहली बार भारत सरकार ने पाकिस्तान को जवाब दिया । पीओके में भारतीय सेना ने घुसकर आतंकवादी कैंप को उड़ा दिया । दूसरी बार 2019 में पुलवामा में बड़ा आतंकवादी हमला करके 40 सीआरपीएफ जवानों को शहीद कर दिया गया । मोदी सरकार ने इसके जवाब में पाकिस्तान स्थित बालाकोट में आतंकवादी कैंप पर हवाई हमला करके आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिया । इन दो कार्यवाहियों से भारत ने पाकिस्तान को बताया कि हम अब आतंकवादी हमलों पर चुप नहीं बैठेंगे बल्कि उसका जवाब देंगे । आतंकवादियों को पाकिस्तान में घुसकर मारा जायेगा । पाकिस्तान ने इसे गंभीरता से नहीं लिया और 22 अप्रैल 2025 में कश्मीर घाटी के पहलगाम में बड़ा आतंकवादी हमला करके 26 निर्दोष लोगों की हत्या करवा दी । इस हमले के बाद भारत सरकार ने जो कार्यवाही की है, उसने बता दिया है कि अब जवाब बड़ा होगा और कितना बड़ा होगा, ये हम तय करेंगे । 26 लोगों के बदले 9 आतंकवादी ठिकानों को मिट्टी में मिला दिया गया । इसके जवाब में जब पाकिस्तानी सेना ने भारत के 26 शहरों पर हमला किया तो पाकिस्तानी सेना के 11 सैन्य हवाई अड्डों को तबाह कर दिया गया । इसके अलावा पाकिस्तानी सेना को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है ।

भारत ने 2025 में आतंकवाद के खिलाफ नई नीति बना ली है। 2016 और 2019 में की गई कार्यवाही आतंकवादी हमले का बदला लेने की कार्यवाही प्रतीत होती है लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत की गई कार्यवाही को आतंकवादी हमले का बदला नहीं कहा जा सकता बल्कि ये कार्यवाही पाकिस्तान को दंड देने की कार्यवाही है। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी है कि अब वो आतंकवादी और उनके नेता, पाकिस्तान की सेना और सरकार को एक मानते हैं। अब अगर भारत पर आतंकवादी हमला होगा तो भारत उसका दंड सिर्फ आतंकवादियो को नहीं देगा बल्कि पाकिस्तान की सेना और सरकार को भी उसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी । ऑपरेशन सिंदूर ने पहली बार आतंकवादियो, पाकिस्तान की सेना और सरकार को आतंकित कर दिया है। अब भारत पर आतंकवादी हमले का डर भारत से ज्यादा पाकिस्तान को हो रहा है। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अब आतंकवाद के खिलाफ आतंक का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वास्तव में आतंकवादी और उनके आका पाकिस्तान को यही भाषा समझ आती है। जैसे पहले भारत सरकार हर समय आतंकवादी हमले से डरी रहती थी अब आतंकवादी हमले का डर पाकिस्तान के आतंकियों और उसकी सेना एवं सरकार को सता रहा है । मोदी सरकार ने घोषणा कर दी है कि अब वो आतंकवादी हमले को एक्ट ऑफ वॉर की नजर से देखेगी और उसका जवाब सैन्य कार्यवाही के रूप में देगी । कार्यवाही की मात्रा और तरीका भारतीय सेना तय करेगी । वैसे मोदी सरकार को पाकिस्तान पर पूरा भरोसा है कि वो फिर आतंकवादी हमला करवा सकता है । यही कारण है कि भारत सरकार ने घोषणा की है कि ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ रोका गया है । ऑपरेशन सिंदूर को जारी रखने की बात कहकर पाकिस्तान को संदेश दे दिया गया है कि इस बार आतंकवादी हमले का बड़ा जवाब दिया जाएगा । भारत जैसे बड़े देश के लिए पाकिस्तान जैसे छोटे देश से बदला लेने की बात करना सही नहीं लगता है । इसलिए भारत दुनिया को संदेश देना चाहता है कि अब वो बदला नहीं लेगा बल्कि पाकिस्तान को ऐसा दंड देगा कि वो भविष्य में भारत पर हमला करने से पहले सौ बार सोचे ।

वास्तव में भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और पाकिस्तान के साथ अपनी तुलना नहीं चाहता है । भारत पाकिस्तान सहित अपने दुश्मनों के मन में ऐसा खौफ पैदा करना चाहता है कि वो भारत की तरफ आंख उठाकर देखने की हिम्मत ही न कर सकें । सिर्फ तीन दिन के युद्ध में भारत ने पाकिस्तानी सेना की रक्षा और आक्रमण करने की क्षमता ही खत्म कर दी । 10 मई को पाकिस्तान ऐसी हालत में पहुंच गया था कि वो न तो भारत पर हमला कर सकता था न ही भारतीय हमले को रोक सकता था । सिर्फ कुछ घंटो में पाकिस्तानी सेना की ऐसी हालत करके भारत ने संदेश दिया है कि अब भी वक्त है रूक जाओ अन्यथा अगली कार्यवाही कई गुना बड़ी हो सकती है । इस बार तो भारत ने युद्ध-विराम कर लिया लेकिन अगली बार हो सकता है कि युद्ध-विराम तक पाकिस्तान की पूरी सेना बर्बाद कर दी जाये । सिंधू जल समझौता भी निलंबित रखा गया है ताकि पाकिस्तान को सुधरने का मौका दिया जाए । भारत ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की सरकार आतंकवाद के खिलाफ ऐसी कार्यवाही करती है जिसका बड़ा असर हो तो भारत इस समझौते पर बात करने को तैयार है । मोदी ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि आतंकवाद रोकने तक पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी । भारत ने तय कर लिया है कि अब आतंकवाद को जड़ से खत्म करना है और ऐसा सिर्फ पाकिस्तान के द्वारा आतंकवाद की नीति को छोड़ने पर ही होगा । नक्सलवाद के खिलाफ भारत ने आक्रामक कार्यवाही करके उसको जड़ से उखाड़ने का फैसला कर लिया है और उसका परिणाम सामने है । अब भारत आतंकवाद के खिलाफ भी पूरी तरह से आक्रामक हो गया है । पीएम मोदी ने पाकिस्तानी जनता को सम्बोधित करते हुआ कहा है कि सुख-चैन की रोटी खाओ अन्यथा मेरी गोली तो है । इसका सीधा मतलब है कि अब भारत आतंकवाद से अपने देश की रक्षा नहीं करेगा बल्कि आतंकवाद पर आक्रमण करेगा और उसको जड़ से मिटा देगा । अगर पाकिस्तान नहीं सुधरा तो उसके अस्तित्व को खतरा पैदा हो सकता है ।

जमात के कब्जे में बांग्लादेश

पडोसी देश बांग्लादेश में राजनीतिक हालात बेकाबू हो चले हैं। सरकार समर्थक कट्टरपंथी कुछ भी करने के लिए आजाद हैं। सुप्रीम कोर्ट भी ऐसी ताकतों के सामने सरेंडर करता दिखाई देने लगा है, क्योंकि कट्टरपंथियों के हिसाब से फैसले लिए जा रहे हैं। युद्ध अपराध और नरसंहार जैसे अपराध के दोषियों को बरी किया जा रहा है। मोहम्मद यूनुस कुर्सी के मजे ले रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों का पूरे सिस्टम पर कब्जा दिखाई देने लगा है। वहां की सुप्रीम अदालत ने एक बड़े सरगना एटीएम अजहरुल इस्लाम को पूरे सम्मान के साथ रिहा कर दिया है। वह 1971 के मुक्ति आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराध का दोषी था और उसे सजा-ए-मौत सुनाई गई थी। अजहरुल इस्लाम मंगलवार की सुबह केरानीगंज स्थित ढाका सेंट्रल जेल से बाहर आ गया। इसके पहले वह इलाज के नाम पर बांग्लादेश मेडिकल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में महीनों से दाखिल था। अजहरुल इस्लाम कोई आम अपराधी नहीं है। उसे इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 6 दोषों नरसंहार, हत्या, अपहरण, प्रताड़ना और अन्य मामलों में मौत की सजा सुनाई गई थी। ऐसे कुख्यात अपराधी को वहां की सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय बेंच ने आईसीटी के फैसले को पलटते हुए, सर्वसम्मति से सभी आरोपों से बरी कर रिहाई का आदेश दे दिया। इस बेंच की अगुवाई खुद चीफ जस्टिस सैयद रेफात अहमद कर रहे थे। इस चौंकाने वाले फैसले के बाद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की ओर से जो प्रतिक्रिया आई है, वह इशारा करती है कि सुप्रीम कोर्ट ऐसी कट्टरपंथी ताकतों के सामने सरेंडर कर चुका है। बीएसएस न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी के अमीर डॉ शफीकुर रहमान ने इसके लिए अल्लाह को शुक्रिया करते हुए कहा, 'आज हम उन लोगों को याद करते हैं, जिन्होंने जुलाई क्रांति में अपनी जान दी थी। हम उन लोगों को भी याद करते हैं, जो घायल हुए या अपंग हो गए। यह उन लोगों के बलिदान का नतीजा है कि आज न्याय मिलना आसान हो गया है। साफ तौर पर इसमें शेख हसीना की लोकतांत्रिक सरकार को सत्ता से जबरन बेदखल किए जाने और अंतरिम सरकार के रूप में मोहम्मद यूनुस को थोपे जाने से न्यायपालिका पर कायम हुए कट्टरपंथियों के दबदबे की ओर इशारा किया गया है। बांग्लादेश के कट्टरपंथियों की गिरफ्त में जाने का आरोप कुछ छात्र संगठन भी लगा रहे हैं। इसमें ढाका यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भी शामिल हैं। एटीएम अजहरुल इस्लाम को बरी किए जाने के खिलाफ इन्होंने तत्काल प्रदर्शन भी किए हैं। बांग्लादेश छात्र यूनियन के महासचिव शिमुल कुंभकार ने रैली में कहा, 'हमने देखा कि सरकार ने एटीएम अजहरुल को बरी कर दिया है। कहा जा रहा था कि वह मुक्ति युद्ध के दौरान अल-बद्र बल का कमांडर था। अब सरकार का कहना है कि उसने बांग्लादेश के पक्ष में काम किया था। 1971 के कुछ पाकिस्तान समर्थक राजनीतिक तत्व जमात, शिबिर और इसी तरह के ग्रुप, अचानक राजनीतिक मंच पर फिर से एक्टिव हो गए हैं। अंतरिम सरकार कुछ लोगों को जेल से छोड़ रही है। इनमें रजाकार और अल-बद्र के सदस्य भी शामिल हैं। सरकार उनके अपराधों को पूरी तरह से माफ कर रही है। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो उनका हाल भी हसीना सरकार जैसा होगा। बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन के दौरान पाकिस्तानी सेना ने एक अर्धसैनिक बल का गठन किया था, जो अपनी क्रूरता के लिए आज भी कुख्यात हैं। इन्हें रजाकार कहा जाता था। बांग्लादेश बनने के बाद यही रजाकार वहां अत्याचारियों और देशद्रोहियों का पर्याय बन गया है।

अमेरिका के टैक्स से भारतीय प्रवासियों पर पड़ेगा असर

संजय सिन्हा

अमेरिका ने रेमिटेंस टैक्स लागू कर दिया है। दरअसल अमेरिका में भारतीयों सहित अमेरिकी गैर नागरिकों के धन विदेश भेजे जाने पर राशि पर प्रस्तावित शुल्क 5 प्रतिशत से घटाकर 3.5 प्रतिशत करने की योजना पेश की गई है। इससे अमेरिका में रह रहे भारतीयों को आंशिक राहत मिल सकती है। अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' को संशोधित कर पारित किया है। अमेरिका के गैर भारतीय नागरिकों में एच-1बी, एल-1 और एफ-1 वीजा धारक के साथ-साथ ग्रीन कार्ड धारक हैं। हालांकि इस विधेयक में शुल्क से अमेरिकी नागरिकों और नैशनल्स को छूट दी गई है। आपको बता दूं कि अमेरिका से अब घर पर पैसे भेजना भारतीयों को महंगा पड़ेगा। ट्रंप प्रशासन ने विदेश में भेजे जाने वाले धन पर पांच फीसदी टैक्स लगा दिया है। एक अनुमान के मुताबिक इस टैक्स के कारण अमेरिका में रहने वाले भारतीयों पर सालाना 1.6 अरब डॉलर से अधिक का बोझ पड़ सकता है। यह अनुमानित राशि आरबीआई के हालिया लेख में प्रकाशित 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'बिग प्रयोरिटी बिल' में रेमिटेंस (धन प्रेषण) पर पांच फीसदी उत्पाद शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है। यह ग्रीन कार्ड और एच1बी वीजा रखने वालों सहित चार करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करेगा। प्रस्तावित शुल्क अमेरिकी नागरिकों पर लागू नहीं होगा। आरबीआई के मार्च बुलेटिन के प्रकाशित लेख के मुताबिक, विदेश में रहने वाले भारतीयों ने 2023-24 में 118.7 अरब डॉलर की राशि भारत भेजी है। यह आंकड़ा 2010-11 में भेजे गए 55.6 अरब डॉलर से दोगुना है। भारत भेजी गई कुल राशि में अमेरिका की हिस्सेदारी 2023-24 में बढ़कर 27.7 फीसदी पहुंच गई जबकि 2020-21 में यह 23.4 फीसदी रही थी। इस आधार पर अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने कुल 32.9 अरब डॉलर का राशि घर भेजी है। इसका पांच फीसदी 1.64 अरब डॉलर होगा।

लेख के मुताबिक, रेमिटेंस से मिली राशि का इस्तेमाल मुख्य रूप से परिवार के भरण-पोषण के लिए होता है। इसलिए, इसकी लागत बढ़ने का सामाजिक-आर्थिक प्रभाव होता है। इस लागत को कम करना वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण नीतिगत एजेंडा रहा है। विश्व बैंक के मुताबिक, भारत 2008 से ही रेमिटेंस प्राप्त करने वाला शीर्ष देश बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर धन प्रेषण में भारत की हिस्सेदारी 2001 के 11 फीसदी से बढ़कर 2024 में करीब 14 फीसदी पहुंच गई है। 2024 में जिन पांच देशों में विदेश से सबसे ज्यादा धन आया, उनमें 129 अरब डॉलर के साथ भारत शीर्ष पर रहा। अन्य देशों में मेक्सिको (68 अरब डॉलर), चीन (48 अरब डॉलर), फिलिपीन (40 अरब डॉलर) और पाकिस्तान (33 अरब डॉलर) शामिल हैं। ऐसा अनुमान है कि इस टैक्स से अमेरिका में रहने वाले भारतीयों पर हर साल 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का बोझ पड़ेगा। आरबीआई के अनुसार, रेमिटेंस के तौर पर भारत में आने वाला पैसा 2010-11 में 55.6 अरब डॉलर था जो 2023-24 में बढ़कर 118.7 अरब डॉलर हो गया। भारत को मिलने वाले कुल पैसे में अमेरिका का हिस्सा 2020-21 में 23.4% था, जो 2023-24 में बढ़कर 27.7% हो गया।

सेना अलग-सरकार अलग

वीरेन्द्र सिंह परिहार

दिनांक 6-7 मई की रात्रि पाकिस्तानी आतंकी अड्डो पर एयर स्ट्राइक किये जाने और बाद में पाकिस्तान के साथ खुले युद्ध में भारतीय सेना ने अनुपम शौर्य और कुशल रणनीति का परिचय दिया जिसके चलते पाकिस्तान में अधिकांश हवाई अड्डे तबाह हो गये, उसकी रक्षा प्रणाली एक तरह से ध्वस्त हो गई। दूसरी तरफ उसकी तरह से किये गये ड्रोन और मिसाइल हमलों को बेकार कर दिया गया। इसे लेकर सेना के समर्थन में कांग्रेस पार्टी एक तरफ जयहिंद यात्रा निकाल रही है तो दूसरी तरफ मोदी सरकार पर हमले कर रही है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी आये दिन सरकार से इस सम्बन्ध में तरह-तरह के सवाल पूछ रहे हैं। कह रहे हैं कि बताओं कितने लड़ाकू विमान नष्ट हुये जबकि दुनिया भर के विशेषज्ञ यह कह रहे हैं कि इस छोटे से युद्ध में भारत ने जो कमाल दिखाया है तो उसकी शक्ति का लोहा पूरी दुनिया मान रही है। इसके पूर्व जब 2016 में भारतीय सेना ने उरी में स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट में एयर स्ट्राइक की, तब भी कांग्रेस समेत विपक्ष का रवैया यही था कि जो कुछ किया है, भारतीय सेना ने किया है, भला सरकार का इसमें क्या श्रेय। यह बात और है कि ये लोग तब भी सरकार से स्ट्राइक का प्रमाण भी माँग रहे थे।

ऐसी स्थिति में बड़ा सवाल यह कि क्या सेना और सरकार इस तरह से अलग है कि उनके बीच कोई सम्बन्ध ही नहीं है। वस्तुतः सेना सरकार का ही एक अंग है जो सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करती है। गौर करने की बात यह है कि क्या वगैर राजनीतिक नेतृत्व के सेना कोई बड़ा निर्णय या कदम उठा सकती है। यह इससे समझा जा सकता है कि जब वर्ष 2008 में मुम्बई में 26/11 हुआ, तब सेना पाकिस्तान से दो-दो हाथ करना चाहती थी जिसे लेकर अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने लिखा है कि मनमोहन सरकार ने सेना को पाकिस्तान के विरूद्ध कोई कदम उठाने की छूट इसलिये नहीं दी कि इससे हिन्दू राष्ट्रवाद की भावना का विस्तार होगा जिसका लाभ भाजपा को मिलेगा। यहाँ तक कि पाकिस्तानी भारतीय सैनिकों का सिर काट ले जाते थे पर भारत सरकार के रवैये के चलते यूपीए के दौर में सेना कुछ नहीं कर पाती थी. यदि सेना ही ऐसे मामलों में सब कुछ होती तो 1962 में जब चीन-भारत में युद्ध हुआ और भारतीय सेना के पास अस्त्रों का अभाव तो था ही, पैरों में पहनने के लिये सही जूते तक नहीं थे क्योंकि तब नेहरू सरकार सेना को मजबूत करने के बजाय पंचशील के कबूतर उड़ा रहे थे। सरकार के इस उदासीन रवैये के चलते भारतीय सेना को कितनी शर्मनाक पराजय मिली थी, यह सभी को पता है।

यूपीए शासन के दौर में सेना के पास बुलेट प्रूफ जैकेट तक नहीं होती थी। राफेल विमानों की खरीदी को लेकर तब के रक्षामंत्री एन्टोनी ने संसद में कह दिया था कि राफेल लड़ाकू विमानों के खरीदने के लिये सरकार के पास रूपये नहीं हैं। ऐसी स्थिति में सेना सफलतापूर्वक कैसे कोई अभियान चला सकती या युद्ध लड़ सकती थी। आखिर राफेल विमानों के दम पर ही पाकिस्तान की सीमा पर प्रवेश किये वगैर ही आतंकवादी अड्डो पर एयर स्ट्राइक कर दी गई। इस मामले में कांग्रेस पार्टी का रवैया पूरी तरह दोहरे मापदण्ड वाला है। 1971 में जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध हुआ और पूर्वी पाकिस्तान की जगह स्वतंत्र बांग्लादेश का निर्माण हुआ तो इस पैमाने के आधार पर कांग्रेस पार्टी को इसका श्रेय सेना को देना चाहिए था लेकिन तब इसका श्रेय न तो सेना को न तब के रक्षा मंत्री और यहाँ तक कि इंदिरा सरकार को भी नहीं दिया गया था। इसका एक मात्र श्रेय श्रीमती इंदिरा गांधी को दिया गया था और यह कहा गया कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने इतिहास का नहीं, भूगोल भी बदल दिया है। निश्चित रूप से ऐसे संवेदनशील एवं राष्ट्र से जुडे मामलों में भी कांग्रेस पार्टी का रवैया पूरी तरह से अंध विरोध का रहता है।

लोगो को यह भी पता होगा कि वर्ष 1999 में करगिल युद्ध के दौरान तब की कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी ने कहा था- ''वाजपेयी सेनाओं को कटवा रहा है। ऐसी बातों से जहाँ सेनाओं का मनोबल गिरता है तो दूसरी तरफ विश्व-फलक पर पाकिस्तान ऐसी बातों का उपयोग करता है।

बड़ी बात यह कि यूपीए शासन के दौर की तरह सेना को कोई छूट ही नहीं दी गई, उसके हाँथ बंद रखे गये तो सेना क्या कर लेगी जबकि मोदी सरकार ने सेना को हाथ खोलने की खुली छूट दी। दूसरी तरफ ऐसे मामले में भाजपा का रवैया पूरी तरह अलग रहता है। चाहे 1962 चीन के साथ युद्ध रहा हो, या 1965 एवं 1971 का पाकिस्तान के साथ युद्ध रहा हो, भाजपा जो तब जनसंघ पार्टी थी, वह पूरी तरह सरकार के साथ खड़ी थी।

प्रचार तो यहाँ तक किया जाता है कि तब जनसंघ के नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने इंदिरा गांधी को दुर्गा कहा था। हांलाकि इसमें कोई सच्चाई नहीं है लेकिन यह सच है कि उस दौर में वाजपेयी ने इंदिरा गांधी को देश का एकमात्र नेता बताया था। यानी देश के प्रधानमंत्री के साथ पूरा देश एकजुट है- ऐसा एहसास कराया था। लेकिन यह तब होता है जब राजनीति राष्ट्र के लिये होती है। निहित स्वार्थो एवं मात्र सत्ता की राजनीति करने वाले या तो अंध समर्थक हो सकते हैं, या अंध विरोधी। बड़ी बात यह भी कि देश में कोई भी बड़ा काम हो, उसमें सरकार की भूमिका किसी न किसी रूप में होगी ही।

शौर्य, स्वाभिमान और पराक्रम के प्रतीक: महाराणा प्रताप

संदीप सृजन

महाराणा प्रताप का जीवन एक ऐसी प्रेरक गाथा है जो हर भारतीय को गर्व से भर देती है। उन्होंने अपने जीवन में कभी हार नहीं मानी और स्वतंत्रता के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया। उनकी जयंती हमें न केवल उनके बलिदान को याद करने का अवसर देती है, बल्कि यह हमें अपने जीवन में साहस, स्वाभिमान और देशभक्ति के मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। महाराणा प्रताप का नाम हमेशा भारतीय इतिहास के पन्नों में अमर रहेगा, और उनकी गाथा आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेगी।

महाराणा प्रताप का जन्म जेष्ठ शुक्ला तृतीया, (9 मई 1540) को राजस्थान के कुम्भलगढ़ दुर्ग में हुआ था। उनके पिता महाराणा उदय सिंह द्वितीय मेवाड़ के शासक थे, और उनकी माता रानी जीवत कंवर थीं। प्रताप सिसोदिया राजवंश के गौरवशाली वंशज थे, जो अपनी वीरता और स्वतंत्रता की भावना के लिए प्रसिद्ध थे। बचपन से ही प्रताप में नेतृत्व, साहस और देशभक्ति के गुण दिखाई देने लगे थे। उन्हें युद्ध कला, घुड़सवारी, तलवारबाजी और धनुर्विद्या में प्रशिक्षित किया गया। उनके गुरुओं ने उन्हें न केवल शारीरिक बल, बल्कि मानसिक दृढ़ता और नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया।

प्रताप का बचपन उस समय बीता जब मेवाड़ मुगल शासक अकबर की बढ़ती शक्ति के साये में था। उनके पिता उदय सिंह ने चित्तौड़गढ़ को मुगलों के अधीन होने से बचाने के लिए कड़ा संघर्ष किया, लेकिन 1568 में चित्तौड़गढ़ मुगलों के हाथों में चला गया। इस घटना ने युवा प्रताप के मन पर गहरा प्रभाव डाला और उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए जीवन समर्पित करने का संकल्प लिया।

1572 में उदय सिंह की मृत्यु के बाद प्रताप मेवाड़ के महाराणा बने। उस समय मेवाड़ की स्थिति अत्यंत नाजुक थी। मुगल सम्राट अकबर ने अधिकांश राजपूत रियासतों को अपने अधीन कर लिया था, और मेवाड़ भी उनके निशाने पर था। अकबर ने मेवाड़ को अपने साम्राज्य में मिलाने के लिए कई बार राजनयिक प्रयास किए, लेकिन प्रताप ने मुगलों की अधीनता स्वीकार करने से स्पष्ट इनकार कर दिया। उनके लिए स्वाभिमान और स्वतंत्रता सर्वोपरि थी। प्रताप का यह निर्णय केवल एक राजनैतिक कदम नहीं था, बल्कि यह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और मातृभूमि के प्रति उनकी निष्ठा का प्रतीक था। उन्होंने कहा था, ₹मैं अपने पूर्वजों की स्वतंत्रता की विरासत को कभी नहीं छोड़ूंगा।₹ इस संकल्प ने उन्हें मुगल साम्राज्य के खिलाफ एक अडिग योद्धा के रूप में स्थापित किया।

महाराणा प्रताप की वीरता का सबसे प्रसिद्ध अध्याय है हल्दीघाटी का युद्ध, जो 18 जून 1576 को लड़ा गया। यह युद्ध मेवाड़ और मुगल सेना के बीच हुआ, जिसमें मुगल सेना का नेतृत्व मानसिंह और आसफ खान कर रहे थे। मुगल सेना की संख्या और संसाधन मेवाड़ की तुलना में कहीं अधिक थे। अनुमान के अनुसार, मुगल सेना में लगभग 80,000 सैनिक थे, जबकि प्रताप की सेना में केवल 20,000 योद्धा थे। फिर भी, प्रताप ने अपने साहस और रणनीति से इस युद्ध को इतिहास में अमर कर दिया।

हल्दीघाटी का युद्ध केवल एक सैन्य टकराव नहीं था, बल्कि यह स्वतंत्रता और स्वाभिमान की लड़ाई थी। प्रताप ने अपने प्रिय घोड़े चेतक के साथ युद्ध में अद्भुत पराक्रम दिखाया। चेतक ने अपने स्वामी को युद्ध के मैदान में सुरक्षित रखने के लिए अपनी जान तक न्यौछावर कर दी। एक प्रसिद्ध घटना में, चेतक ने घायल होने के बावजूद प्रताप को युद्धभूमि से सुरक्षित निकाला और एक नाले को पार करने के बाद दम तोड़ दिया। चेतक की यह वफादारी और बलिदान आज भी लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

हल्दीघाटी युद्ध का परिणाम विवादास्पद रहा। कुछ इतिहासकार इसे मुगलों की जीत मानते हैं, क्योंकि मेवाड़ की सेना को पीछे हटना पड़ा, लेकिन प्रताप की रणनीति और साहस ने मुगलों को मेवाड़ पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने से रोक दिया। युद्ध के बाद भी प्रताप ने हार नहीं मानी और गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाकर मुगलों को लगातार चुनौती दी। हल्दीघाटी युद्ध के बाद प्रताप ने मेवाड़ के जंगलों और पहाड़ों को अपना ठिकाना बनाया। उन्होंने गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई, जिसमें छोटी-छोटी टुकड़ियों के साथ मुगल सेना पर आकस्मिक हमले किए जाते थे। इस रणनीति ने मुगलों को मेवाड़ के अधिकांश हिस्सों पर कब्जा करने से रोका। प्रताप की सेना में भील और अन्य जनजातीय योद्धा भी शामिल थे, जिन्होंने अपनी स्थानीय जानकारी और युद्ध कौशल से मेवाड़ की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इस दौरान प्रताप को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उनके परिवार को जंगलों में भटकना पड़ा, और कई बार भोजन की कमी के कारण उन्हें घास की रोटियां खाकर गुजारा करना पड़ा। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, जब प्रताप की बेटी भूख से रो रही थी, तब उनकी पत्नी ने घास की रोटी बनाई, जिसे देखकर प्रताप की आंखें नम हो गईं। लेकिन इन कठिन परिस्थितियों में भी प्रताप का संकल्प कभी नहीं डगमगाया।

राष्ट्र निर्माण की एक हास्यगाथा

डॉ. सुरेश मिश्रा

अगर कोई पूछे कि लोकतंत्र क्या है, तो संविधान की मोटी किताब मत खोलिए—बस इस बस स्टॉप पर एक घंटे खड़े हो जाइए। लोकतंत्र वहाँ है जहाँ जनता धूल फाँक रही होती है और अफसर फाइलों में 'प्रगति' के नक्शे रंग रहा होता है। सुबह से लेकर शाम तक यहाँ आदमी सिर पर जूट का थैला लिए खड़ा रहता है, जैसे वह अपने ही जीवन का कुल जमा सामान ढो रहा हो। एक औरत जो अपने बच्चे को गोद में लेकर खड़ी है, उसकी निगाहें बस की राह नहीं, बल्कि उस वादे की राह देख रही हैं जो हर चुनाव में दोहराया गया—बेहतर सार्वजनिक परिवहन मिलेगा। उधर ठेकेदार अपने कर्मचारियों को चाय पिलाता है और कहता है, काम कल से शुरू करेंगे, और 'कल' कभी नहीं आता। मंत्रीजी जब उद्घाटन के लिए आते हैं तो उनके पीछे दस कैमरे होते हैं और पंद्रह चमचे, और सामने सिर्फ एक बेंच होती है, जो उद्घाटन से पहले ही टूट चुकी होती है। योजना सफल रही, यह घोषणा तब होती है जब बोर्ड टंग चुका होता है और धरातल पर कुछ नहीं बदला होता। सबसे मज़ेदार तो यह है कि फाइलों में यह बस स्टॉप अब 'मॉडल बस टर्मिनल' बन चुका है, जिसमें वाई-फाई से लेकर महिला विश्राम कक्ष तक की सुविधा दर्शाई गई है—पर असलियत में वहां सिर्फ दो गड्ढे, तीन झोपड़ीनुमा दुकानें और एक बोरिंग का पाइप दिखता है, जिससे कभी-कभी पानी नहीं, सिर्फ हिचकियाँ आती हैं। यह प्रतीक्षा कक्ष नहीं, लोकतंत्र का पोस्टर है—जिसे हम सब निहारते हैं, जीते हैं, और हर बार जब सरकार नया स्लोगन लांच करती है, तो हम उसे फोल्ड करके जेब में रख लेते हैं—इस उम्मीद के साथ कि अगली बार शायद वाकई कुछ बदलेगा। लेकिन यहाँ तो धूल तक को सरकारी पहचान मिल चुकी है—"सांस्कृतिक धरोहर" के नाम पर। बस स्टॉप पर प्रतीक्षा केवल बस की नहीं होती—वो प्रतीक्षा होती है अच्छे दिनों की, सुविधाओं की, और उस इंसानियत की जो सरकारी घोषणाओं में तो दिखती है, पर ज़मीन पर गायब रहती है। जैसे ही कोई नेता जनता की सेवा में कहकर माइक थामता है, उसी समय एक गरीब बच्चा माँ का पल्लू पकड़कर कहता है, माँ, आज भी स्कूल की बस नहीं आई। माँ कुछ नहीं कहती—क्योंकि उसे पता है कि स्कूल की बस से ज़्यादा ज़रूरी है घर की रसोई। उधर घोषणाओं की लिस्ट में अब 'ग्रीन एनर्जी से चलने वाली बसें' भी शामिल हैं, लेकिन जनता अब भी पैदल चलती है—क्योंकि सड़कों पर बसें कम, गड्ढे ज़्यादा हैं। हर साल एक नया टेंडर पास होता है, और हर साल वही पुराना ठेकेदार कम दाम में अधूरा काम करता है—क्योंकि ₹कमीशन₹ लोकतंत्र की वो गूंगी जुबान है, जो हर निर्माण में बोलती है। अफसर की गाड़ी धूल उड़ाते हुए निकलती है, और जनता मुंह ढँककर खुद को समझाती है— कम से कम गाड़ी आई तो सही! ये आशावादिता नहीं, बल्कि अभाव में जीने की आदत है। किसी कवि ने कहा था, "हम इंतज़ार में भी जिए, और उसी में मर गए।" और ये बस स्टॉप उसी भावना का जीवित चित्र है—जहाँ जनता खड़ी है, नारे हवा में हैं, योजनाएँ कागज़ पर हैं, और वक़्त धूल के कणों में उलझा पड़ा है। पोस्टमास्टर, रिक्शेवाला, पेंशनभोगी, बेरोज़गार—सब यहाँ एक जैसी उम्मीद लेकर खड़े हैं। यहाँ हर प्रतीक्षा एक भाषण है, और हर भाषण एक प्रतीक्षा में बदल जाता है। बस आए न आए, लोकतंत्र जरूर आता है—हर चुनाव के समय, हाथ जोड़कर, वादा करके, और फिर भूलकर। लेकिन बस स्टॉप वही रहता है—अडिग, धूलभरा, और उम्मीद से भरा हुआ। अभी हाल में सरकार ने घोषणा की कि इस बस स्टॉप पर स्मार्ट शेल्टर बनेगा—माने ऐसा शेल्टर जो दिखे नहीं, लेकिन उसकी योजना की फ़ाइलें 300 पेज की हों। इंजीनियर साहब आए, चार बार सर्वे हुआ, ठेकेदार ने तीन बार मिट्टी उठवाई, लेकिन बेंच वहीं की वहीं रही—जिस पर बैठना उतना ही साहसिक है जितना चुनाव में खड़े होना। छत का क्या पूछना!

अब पक्षियों का रिसॉर्ट बन चुका है—कबूतरों की मीटिंग वहीं होती है, और चिड़ियों ने वहाँ क्लासिक मल्टीस्टोरी बर्ड हाउस बसा लिया है। जनता पूछती है— कहाँ गया पैसा? तो अफसर मुस्कुराकर कहते हैं, "जनता के कल्याण में लगा है"—और जनता समझ लेती है कि कल्याण अब किसी मंत्री के दामाद का नाम है।

कौन थी महाभारत के विलेन शकुनि की पत्नी

अगर आपसे पूछें कि शकुनि कौन था तो हर कोई उसके बारे में जानता होगा, लेकिन अगर पूछा जाए कि उसकी बीवी कौन थी, वो कहां रहती थी। उसके बच्चे कौन थे। महाभारत के बाद वो जिंदा बची कि नहीं बची, तो शायद आपके पास उसका कोई जवाब नहीं होगा। शकुनि तो गांधारी के शादी के बाद ही अपना राज्य गांधार छोड़कर हस्तिनापुर में ही पड़ा रहता था। ऐसा उसने क्यों किया, ये भी एक सवाल तो है ही शकुनि मूल रूप से गांधार के राजकुमार था। बाद में वहां का राजा बना। लेकिन अपनी बहन गांधारी का समर्थन करने के लिए उसने हस्तिनापुर में रहना ज्यादा चुना। उसके अपने भांजे दुर्योधन के साथ बहुत घनिष्ठ संबंध थे। हालांकि उसका गांधार छोड़कर लगातार हस्तिनापुर में बने रहना भी एक रहस्य तो है ही।

महाभारत कहती है कि शकुनि ने ठान लिया था कि वो इस वंश का नाश करके रहेगा। इसलिए शकुनि ने कौरवों के बचपन से ही साजिश के बीच इस तरह बोने शुरू किये कि उनकी कभी पांडवों ने नहीं बनी। पांडवों ने जितने भी कष्ट उठाए, उसके पीछे शकुनि की साजिशें ही थीं। जिसके लिए वह धृतराष्ट्र को हमेशा उकसाता था। महाभारत का युद्ध भी इसी साजिश की पराकाष्ठा थी। पहले उसकी बीवी के बारे में जानते हैं कि वो कौन थी। उसके कितने बच्चे थे। महाभारत में शकुनि की पत्नी का नाम आरशी था। उनके तीन बेटे थे – उलूक, वृकासुर और विप्रचित्ती। उलूक की महाभारत के युद्ध में मृत्यु हो गई थी।

शकुनि की बीवी गांधार में ही रहती थी

महाभारत के मूल ग्रंथ में आरशी के जीवन या उसके अंत के बारे में ज्यादा विवरण नहीं मिलता। चूंकि शकुनि गांधार (आधुनिक अफगानिस्तान और उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान का क्षेत्र) का राजकुमार था। गांधार से हस्तिनापुर आया था, यह अनुमान लगाया जा सकता है कि आरशी शायद गांधार में ही रहती थी। वहां अपने बेटों के साथ वहां का राजकाज संभालती थी।

महाभारत में आरशी के जीवन के बारे में नहीं के बराबर मिलता है लेकिन ये बात लाजिमी है कि उसका जीवन ज्यादा कठिन और चुनौतीपूर्ण रहा होगा। उसने बगैर शकुनि के ही तीन बेटों को शुरू से पाला। ऐसा लगता है कि वह कभी हस्तिनापुर भी नहीं आई। उसके रिश्ते कौरवों से वैसे बिल्कुल नहीं थे, जिस तरह उसके पति के।

बेटे के साथ मिलकर शासन संभालती थी

जब शकुनि हस्तिनापुर में रहते थे, तब उनके गांधार राज्य का प्रबंधन उनके परिवार द्वारा किया जाता था। अपने पिता राजा सुबाला की मृत्यु के बाद शकुनि गांधार के राजा बन गया लेकिन इसके बाद भी वह लंबे लंबे अंतराल के बाद गांधार जाता था। कुछ स्रोतों में कहा जाता है कि शकुनि का एक बेटा मां आरशी के साथ मिलकर गांधार पर शासन करते थे।

महाभारत के कई संस्करणों से पता चलता है कि शकुनि ने अपने परिवार पर हुए कष्टों के कारण कुरु वंश के प्रति गहरी नाराजगी जताई, जिससे वह वहीं रहने और उनके पतन की योजना बनाने में जुटा रहता था। कुछ स्रोतों में ये भी कहा गया कि शकुनि को उनके मरते हुए पिता ने गांधारी और उनके बेटों की देखभाल करने का काम सौंपा था, जो हस्तिनापुर में उनकी उपस्थिति को और भी उचित ठहराता है।

क्या है शकुनि का अर्थ

"शकुनि" एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ है "शकुन" से संबंधित व्यक्ति या वह जो शकुन को पढ़ने या समझने में निपुण हो। "शकुन" का तात्पर्य उन संकेतों से है जो भविष्य की घटनाओं का संकेत देते हैं। महाभारत के संदर्भ में शकुनि एक पात्र का नाम है, जो गांधार का राजकुमार और कौरवों का मामा था। शकुनि का नाम उनके चालाक और धूर्त स्वभाव को दर्शाता है, क्योंकि वह अपनी योजनाओं और चालों के लिए प्रसिद्ध था। इसीलिए लोग आमतौर पर शकुनि नाम नहीं रखते हैं।

पासों के खेल का उस्ताद था

शकुनि को धूर्त, बुद्धिमान, और कपटी व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है। वह अपने पासों के खेल का उस्ताद माना जाता था। उसके बारे में कहा जाता था कि उसके पासे हमेशा उसकी इच्छानुसार परिणाम देते थे। लोककथाओं में कहा जाता है कि शकुनि के पासे उसके पिता सुबल की हड्डियों से बने थे। उनमें तांत्रिक शक्तियां थीं। कुरुक्षेत्र युद्ध के 17वें दिन शकुनि की मृत्यु पांडवों के सबसे छोटे भाई सहदेव के हाथों हुई।

गांधारी ने कई बार भाई को सावधान किया गांधारी को मालूम था कि किस तरह उसका भाई दुर्योधन को भड़काता रहता है और उसने उसे बचपन से इस तरह तैयार किया कि उसने पांडवों को अपना दुश्मन माना। इसके लिए गांधारी समय समय पर अपने भाई को बाज आने के लिए कहती थीं। गुस्सा करती थीं। लेकिन शकुनि पर कभी इसका असर नहीं हुआ।

तब वह शकुनि पर क्रोधित हो उठीं

महाभारत युद्ध के दिनों में ये नजर आने लगा कि सभी कौरव विनाश की ओर बढ़ रहे हैं। अंत में सभी खत्म हो गया। राजपाट खत्म हो गया। दुर्योधन को बुरी मौत मिली। महाभारत के आखिरी दिनों में गांधारी इस बुरी तरह अपने भाई पर क्रोधित हो उठीं कि उसे भयंकर श्राप दिया।

श्राप का असर कैसे शकुनि और उसके राज्य पर पड़ा गांधारी ने शकुनि को श्राप दिया कि जिस तरह उसने हस्तिनापुर में द्वेष और क्लेश फैलाया, उसका फल उसको मिलेगा। इस युद्ध में वह तो मारा ही जाएगा बल्कि उसके गांधार में भी कभी शांति नहीं रहेगी। गांधार में हमेशा गृह युद्ध चलता रहेगा। शांति और समृद्धि नहीं पनप सकेगी। ऐसा ही हुआ। वह अपने पुत्रों की मृत्यु का जिम्मेदार पांडवों से भी ज्यादा दो लोगों को मानती थी, जिसमें एक शकुनि था।

फिर नष्ट हो गया शकुनि का परिवार

गांधारी के श्राप के कारण शकुनि का परिवार भी फिर धीरे धीरे नष्ट हो गया। गांधार को दुश्मन राज्यों ने हड़प लिया। कोई बच नहीं पाया। मान्यताओं के अनुसार गांधारी के श्राप का प्रभाव आज तक गांधार प्रदेश (आधुनिक अफगानिस्तान) पर दिखाई देता है।

6 से 29 जून तक गुरु, शुक्र समेत कई बड़े ग्रहों का बदलाव

जून 2025 में एक या दो नहीं बल्कि 5 बड़े ग्रहों का राशि परिवर्तन होने वाला है. इस मास में बुध, गुरु, शुक्र, सूर्य, मंगल ग्रह का राशि परिवर्तन होने वाला है. वहीं मिथुन और सिंह राशि में कई ग्रहों की युति भी बनेगी, जो 4 राशियों के लिए बेहद फायदेमंद होने वाला है. इन राशियों को अचानक से धन की प्राप्ति हो सकती है और जीवन के हर क्षेत्र में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा. आइए जानते हैं ग्रहों के राशि परिवर्तन से किन किन राशियों को लाभ होगा.

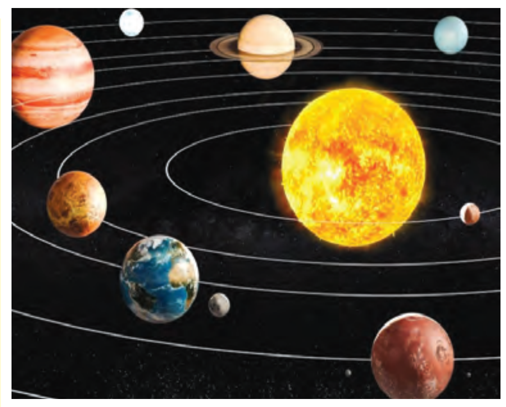

जून मास ग्रह-नक्षत्र के लिहाज से बेहद शुभ माना जा रहा है। इस मास में गुरु, शुक्र समेत कई बड़े ग्रह राशि और नक्षत्र परिवर्तन करने वाले हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, साल के छठवें माह जून में सूर्य ग्रह, बुध ग्रह, मंगल ग्रह, शुक्र ग्रह, बृहस्पति ग्रह का गोचर होने वाला है। साथ ही इस मास में मिथुन राशि में सूर्य, बुध और गुरु ग्रह की युति बनेगी और सिंह राशि में मंगल ग्रह और केतु की युति भी बनेगी।

जून मास में ग्रहों के संयोग से मिथुन राशि वालों को अच्छा फायदा होगा। इस राशि वाले नौकरी पेशा जातकों को ऑफिस में नई पहचान बनेगी और नई जॉब ऑफर या प्रमोशन की भी संभावना बन रही है। वहीं जो लोग बिजनस में हैं, उन्हें अच्छे लाभ के संकेत मिल रहे हैं और विदेश में बिजनस करने के योग भी बन रहे हैं। ग्रहों के शुभ प्रभाव से मिथुन राशि वालों की धन संपत्ति में अच्छी वृद्धि होगी और किसी पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिलने के संकेत मिल रहे हैं। पारिवारिक जीवन की बात करें तो परिवार में खुशहाली रहेगी और जीवनसाथी का भी हर कदम पर सहयोग मिलेगा।

जून मास में सूर्य, शुक्र समेत ग्रहों के संयोद से सिंह राशि वालों को भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और अचानक धन की प्राप्ति भी हो सकती है। अगर आप स्वास्थ्य संबंधी समस्या से पीड़ित हैं तो इस मास में आपको फायदा मिलेगा और आप मानसिक व शारीरिक रूप से ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। अगर आप नया बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो जून का महीना आपके लिए लाभदायक रहेगा और नौकरी व कारोबार में जमकर फायदा भी मिलेगा। अगर आप कोई जमीन या मकान खरीदना चाहते हैं तो आपकी इच्छा पूरी हो सकती है और बच्चों की तरफ से भी अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है।

जून 2025 में शुक्र, बुध समेत बड़े ग्रहों के राशि परिवर्तन से धनु राशि वालों की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी और घर में सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी हो सकती है। इस राशि के जो छात्र सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं, उनको शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। वहीं प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता मिल सकती है। अगर आपके कोई कार्य अटके हुए हैं तो इस मास में आपको भाग्य का साथ मिलने से सभी कार्य सफल होंगे और धर्म कर्म के कार्यों में प्रगति बढ़ेगी। वहीं ग्रहों के शुभ प्रभाव से आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा और लंबी या विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं, जो आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

जून 2025 में मंगल, गुरु समेत कई ग्रहों के राशि परिवर्तन से कुंभ राशि वालों को अच्छा लाभ मिलने के योग बन रहे हैं और आप जिन चिंताओं से परेशान थे, वे भी दूर हो जाएंगी। आपके द्वारा किए जा रहे कार्यों से समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और लोग आपकी सलाह को महत्व भी देंगे। प्रॉपर्टी या शेयर बाज़ार में किया गया निवेश आपके लिए लाभदायक रहेगा और धर्म-कर्म में रुचि भी बढ़ेगी। नौकरी व कारोबार करने वालों को आर्थिक लाभ और करियर में तरक्की के नए अवसर मिल सकते हैं। साथ ही हर कार्य को आप समय पर पूरा कर पाएंगे और परिजनों की इच्छाओं का मान भी रखेंगे।

साउथ-ईस्ट में सही घड़ी लगाने से बढ़ेगी आमदनी, होगा तनाव कम

जब बात जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की होती है, तो हम बहुत कुछ अपनाते हैं मेहनत करते हैं, योजनाएं बनाते हैं और कई बार ज्योतिष या वास्तु की सलाह भी लेते हैं। इन्हीं उपायों में एक छोटा सा लेकिन असरदार उपाय है घर में घड़ी को सही दिशा में लगाना। जी हां, एक घड़ी अगर सही दिशा में लगाई जाए, तो वह समय के साथ-साथ पैसा भी ला सकती है।

कौन सी है वह दिशा?

यह दिशा है अग्नि कोण, जिसे दक्षिण-पूर्व या साउथ ईस्ट कहा जाता है। यह दिशा दक्षिण और पूर्व के बीच में आती है। वास्तु के अनुसार, यह दिशा ऊर्जा और गति की दिशा मानी जाती है। यानी अगर इस दिशा में सही चीजें रखी जाएं तो जीवन में रफ्तार आती है और साथ में आता है धन।

कैसी हो घड़ी?

अब सवाल यह उठता है कि इस दिशा में कैसी घड़ी लगानी चाहिए? वास्तु के जानकार मानते हैं कि इस दिशा में त्रिकोण आकार (ट्रायएंगल शेप) की घड़ी सबसे सही मानी जाती है। साथ ही इसके रंग भी खास मायने रखते हैं। लाल या भूरा (ब्राउन) रंग इस दिशा के लिए शुभ होता है, ये रंग ऊर्जा के प्रतीक हैं और आर्थिक मामलों में पॉजिटिव असर डालते हैं।

क्या फर्क पड़ता है?

अगर आपने अग्नि कोण में सही रंग और आकार की घड़ी लगा दी है, तो इसका असर धीरे-धीरे दिखने लगता है।

पैसों की आमद में सुधार आता है।

फालतू खर्चों में कमी होती है।

मानसिक तनाव कम होता है।

काम समय पर पूरे होते हैं।

और सबसे अच्छी बात ये कि इसमें कोई नुकसान नहीं है। ये एक बिल्कुल सीधा-सादा घरेलू उपाय है जिसे कोई भी अपना सकता है।

क्या रखें ध्यान?

जैसा कि हर उपाय के साथ होता है, इसमें भी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है:

घड़ी सही समय दिखा रही हो।

वह बंद न हो।

उसमें कोई टूट-फूट न हो।

अग्नि कोण में कोई वास्तु दोष न हो।

अगर इन बातों का ख्याल रखा जाए, तो यह छोटा सा बदलाव बड़ा असर ला सकता है।

नई-नई हुई है शादी या पति-पत्नी के बीच बना रहता है तनाव? तो जरूर जान लें महात्मा विदुर की ये खास बातें

अपने विचार और सपने

पति को अपनी पत्नी से अपने जीवन के सपने, लक्ष्य और सोच शेयर करनी चाहिए। इससे पत्नी को भी लगेगा कि वह उसके जीवन का अहम हिस्सा है और इससे दोनों के बीच विश्वास मजबूत होता है।

परिवार से जुड़ी योजनाएं

घर से जुड़े निर्णय जैसे बच्चों की पढ़ाई, भविष्य की प्लानिंग, निवेश आदि बातें पत्नी से साझा करनी चाहिए। इससे वह भी खुद को जिम्मेदार और जुड़ा हुआ महसूस करती है।

भावनाएं और परेशानियां

महात्मा विदुर मानते थे कि मन में भावनाएं दबाकर रखने से तनाव बढ़ता है। अगर पति अपनी भावनाएं और तकलीफें पत्नी से बांटता है, तो वह उसे बेहतर समझ सकती है और साथ दे सकती है।

किसी की बुराई या घर के झगड़े

महात्मा विदुर कहते हैं कि किसी तीसरे की बुराई या घर के पुराने झगड़े बार-बार बताने से रिश्तों में कड़वाहट आती है। इससे पत्नी का मन भी अशांत होता है।

काम की गोपनीय बातें

अगर कोई बात ऑफिस या व्यापार से जुड़ी गोपनीय है, तो उसे साझा करना सही नहीं। जरूरी नहीं कि हर बात घर में बताई जाए, खासकर अगर वह दूसरों को नुकसान पहुंचा सकती हो।

बीते हुए रिश्तों की बातें

विदुर नीति के अनुसार, बीते हुए समय की बातों को दोहराना वर्तमान को बिगाड़ सकता है। किसी पूर्व प्रेम या रिश्ते की बातें बताकर पत्नी को तकलीफ देने से बचना चाहिए।

कैसा व्यवहार रखना चाहिए?

सम्मान और प्रेम के साथ बात करें

विदुर मानते थे कि किसी भी रिश्ते में सम्मान सबसे जरूरी होता है।

पत्नी को ताना देने या उसकी बात को हल्के में लेने से रिश्ते कमजोर होते हैं। बात करते समय प्रेम और विनम्रता जरूरी है।

बराबरी का भाव रखें

पति को पत्नी को बराबर समझना चाहिए, न कि सिर्फ आदेश देने वाला। जब दोनों मिलकर फैसले लेते हैं, तो रिश्ता और भी मजबूत होता है।

समय देना और सुनना

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सबसे जरूरी है कि पति पत्नी को समय दे और उसकी बातें ध्यान से सुने। सिर्फ बोलना नहीं, सुनना भी उतना ही जरूरी है।

सरप्राइज और सराहना

विदुर नीति हमें सिखाती है कि छोटी-छोटी खुशियां रिश्ते को बड़ा बना देती हैं। पत्नी की छोटी कोशिशों की तारीफ करें और कभी-कभी बिना वजह सरप्राइज देकर उसे खास महसूस कराएं।

कब है ज्येष्ठ विनायक चतुर्थी? सर्वार्थ सिद्धि योग में बरसेगी कृपा

विनायक चतुर्थी का व्रत ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी तिथि को रखा जाएगा। यह ज्येष्ठ विनायक चतुर्थी व्रत है। इस बार विनायक चतुर्थी के दिन 2 शुभ योग बनेंगे और 2 प्रकार की भद्रा भी लगेगी। विनायक चतुर्थी की पूजा के समय सर्वार्थ सिद्धि योग बनेगा, जो व्यक्ति के मनोकामनाओं की पूर्ति में सहायक होगा। इस शुभ योग में प्रसन्न होकर गणपति बप्पा भक्तों पर कृपा बरसाएंगे। विनायक चतुर्थी को व्रत रखकर गणेश जी की पूजा करते हैं, लेकिन इसमें चंद्रमा का दर्शन करना वर्जित होता है। आइए जानते हैं कि ज्येष्ठ की विनायक चतुर्थी कब है? विनायक चतुर्थी पूजा का मुहूर्त, शुभ योग और भद्रा का समय क्या है?

ज्येष्ठ विनायक चतुर्थी 2025 तारीख

वैदिक पंचांग के अनुसार, विनायक चतुर्थी के लिए जरूरी ज्येष्ठ शुक्ल चतुर्थी तिथि 29 मई को रात 11 बजकर 18 मिनट से प्रारंभ होगी। यह तिथि 30 मई को रात 9 बजकर 22 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर विनायक चतुर्थी का व्रत 30 मई दिन शुक्रवार को रखा जाएगा।

इस बार ज्येष्ठ की विनायक चतुर्थी की पूजा का मुहूर्त सुबह 10 बजकर 56 मिनट से है, जो दोपहर 01 बजकर 42 मिनट तक है। इस समय में ही आपको ज्येष्ठ विनायक चतुर्थी की पूजा कर लेनी चाहिए।

सर्वार्थ सिद्धि योग में ज्येष्ठ विनायक चतुर्थी 2025

विनायक चतुर्थी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग बन रहा है। व्रत के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह में 05:24 ए एम से 09:29 पी एम तक है, वहीं रवि योग भी सुबह 05:24 ए एम से 09:29 पी एम तक है। चतुर्थी के दिन वृद्धि योग दोपहर में 12 बजकर 57 मिनट से बनेगा। ये तीनों ही योग शुभ फल प्रदान करने वाले माने गए हैं। इसके अलावा व्रत के दिन पुनर्वसु नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर रात 09 बजकर 29 मिनट तक है। उसके बाद से पुष्य नक्षत्र होगा।

विनायक चतुर्थी पर 2 तरह की भद्रा

30 मई को विनायक चतुर्थी व्रत पर दो तरह की भद्रा लग रही है। एक भद्रा स्वर्ग की लगेगी और दूसरी धरती पर लगेगी। उस दिन भद्रा का समय सुबह में 10:14 ए एम से रात 09:22 पी एम तक है। पहले स्वर्ग की भद्रा सुबह 10:14 ए एम से दोपहर 03:42 पी एम तक रहेगी। इस भद्रा में आप शुभ कार्य कर सकते हैं। उसके बाद से धरती की भद्रा लगेगी। यह भद्रा दोपहर में 03:42 पी एम से रात 09:22 पी एम तक है। इस भद्रा में आप कोई शुभ कार्य न करें।

विनायक चतुर्थी व्रत का महत्व

विनायक चतुर्थी का व्रत रखने से गणेश जी प्रसन्न होते हैं। उनकी कृपा से संकट, विघ्न और बाधाएं दूर होती हैं। जीवन में शुभता बढ़ती है और कार्य सफल होते हैं। जो व्यक्ति विनायक चतुर्थी का व्रत करता है, उसकी बुद्धि और ज्ञान में भी बढ़ोत्तरी होती है।

ऐश्वर्या राय से तुलना हुई तो भड़कीं उर्वशी रौतेला

कांस लुक पर कहा- मैं यहां किसी की डुप्लीकेट बनने नहीं आई हूं, मैं ब्लूप्रिंट हूं

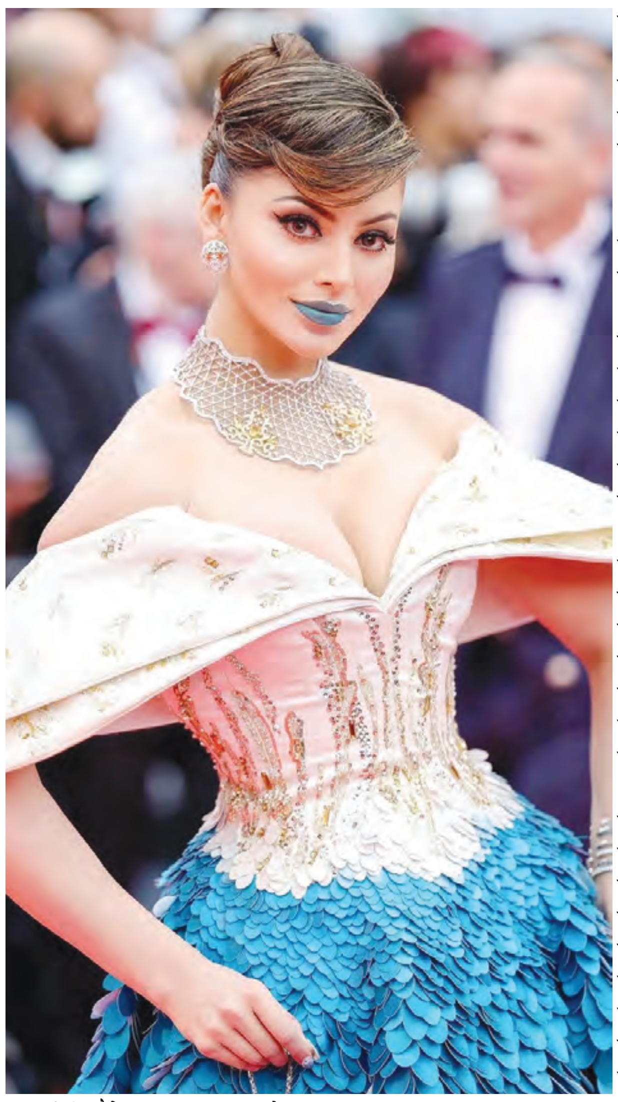

उर्वशी रौतेला लगातार अपने कांस फिल्म फेस्टिवल के लुक्स के चलते चर्चा में बनी हुई थीं। पहले दिन रेड कार्पेट से उर्वशी की तस्वीरें सामने आने पर लोग लगातार उनकी तुलना ऐश्वर्या राय से कर रहे थे। इस तरह की खबरों पर उर्वशी रौतेला की भी नजरें पड़ गईं, जिस पर उन्होंने भड़कते हुए कहा है कि वो किसी की डुप्लीकेट नहीं हैं बल्कि वो खुद ब्लूप्रिंट हैं।

उर्वशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वो न्यूज पोस्ट की है, जिसमें लिखा गया था कि उर्वशी ने जीरो करिज्मा के साथ ऐश्वर्या राय बनने की कोशिश की। इस पर एक्ट्रेस ने भड़ककर लिखा है, तो जाहिर है कि मैं 0 करिज्मा वाली ऐश्वर्या राय बनने की कोशिश कर रही हूं? डार्लिंग ऐश्वर्या आइकॉनिक है। लेकिन मैं यहां किसी की डुप्लीकेट बनने नहीं आई। मैं ही ब्लूप्रिंट हूं। कांस ने मुझे किसी में मिल जाने के लिए नहीं बुलाया गया, मैं यहां अलग दिखने आई हूं। अगर मेरा लुक, मेरा स्टाइल और मेरा कॉन्फिडेंस आपको असहज महसूस करवाता है तो शायद आपको एक गहरी सांस लेना चाहिए। मैं हर किसी को समझ नहीं आती। मैं फायरवर्क के साथ शैंपेन की तरह हूं।

इसके अलावा उर्वशी ने उन खबरों पर भी चुप्पी तोड़ी है, जिनमें कहा जा रहा है कि कांस के रेड कार्पेट पर उर्वशी को पोज देने से रोका गया। इस पर एक्ट्रेस ने लिखा है, मैं डाइट सब्या (फैशन वेबसाइट) के खिलाफ पूरी ताकत के साथ खड़ी हूं, एक फेसलेस पेज जो झूठा दावा करने की हिम्मत करता है कि मुझे सीढ़ियों पर ब्लॉक किया गया। सच्चाई को सामने आने दें। मेरी टीम ने सीढ़ियों पर फोटोशूट के परमिशन ली, जैसा कि दूसरों ने ली। मैं गौरवपूर्ण कांस के हर नियम का सख्ती से पालन करती हूं।

आगे एक्ट्रेस लिखती हैं, उनकी बेबुनियाद कहानी हम जैसों को निशाना बनाती हैं, जो एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म में भारत का गौरव बढ़ाते हैं। कोई डाइट सब्या या उनके झूठ मेरी रोशनी कम नहीं कर सकते। चाहे आप मुझे कितना भी ट्रोल करें, हम आपको दूसरों की तरह पैसे नहीं देंगे। पेड ट्रोल्स।

बताते चलें कि इस साल उर्वशी रौतेला कांस के रेड कार्पेट पर पहुंची थीं। पहले दिन उनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्हें पोज देने से रोका जा रहा था। एक्ट्रेस सीढ़ियों पर खड़ी थीं और सिक्योरिटी टीम उन्हें वहां से

'लाल परी' बन दीपिका पादुकोण ने बिखेरा ग्लैमर रेड ड्रेस में हीरा पहन दिखीं रॉयल क्वीन

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस और इंटरनेशनल ब्रांड एंबेसडर दीपिका पादुकोण एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक और शाही अंदाज से चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में आयोजित हुए कार्टियर के हाई ज्वेलरी इवेंट में दीपिका का रेड कारपेट लुक सबका दिल जीत ले गया। इस इवेंट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैन्स दीपिका की तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे।

दीपिका ने पहना गले में रॉयल हार

रेड कलर की एलीगेंट ड्रेस और कार्टियर की शानदार ज्वेलरी में सजी दीपिका ने जैसे ही इवेंट में एंट्री ली, कैमरे खुद-ब-खुद उनकी ओर घूम गए। बालों को सिंपल लेकिन स्टाइलिश अंदाज में सेट कर उन्होंने अपने लुक को और भी रॉयल टच दिया। इस हाई प्रोफाइल गाला में हॉलीवुड की अभिनेत्री जोई सल्डाना समेत कई बड़े सितारे भी मौजूद थे, लेकिन दीपिका का जलवा सबसे अलग और दमदार रहा।

दीपिका ने क्या पहना?

दीपिका ने आशी स्टूडियो का 2 साल पुराना फ्लोर लेंथ अटायर पहना। उन्होंने ओवर साइज जैकेट कैरी की, जिसका ड्रैमेटिक और ओवरसाइज स्टाइल परफेक्ट नजर आया। स्टाइल के साथ अटायर का रेड कलर भी उनके एलिगेंस को डबल कर गया। उनके 58 कैरेट के हार ने भी सभी का ध्यान खींचा।

इंटरनेशनल लग्जरी ब्रांड का चेहरा बनीं एक्ट्रेस

दीपिका पादुकोण सिर्फ एक एक्ट्रेस नहीं, बल्कि एक ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं। उन्होंने साल 2017 में एक बड़ी छलांग लगाते हुए एक इंटरनेशनल लग्जरी ब्रांड का पहला भारतीय चेहरा बनने का गौरव हासिल किया था। इसके बाद से ही उन्होंने भारत को फैशन और लग्जरी की दुनिया में एक अलग मुकाम दिलाया है। आज वो न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति और स्टाइल की पहचान बन चुकी हैं।

दीपिका के लुक पर फैंस का रिएक्शन

फैंस का कहना है कि दीपिका पादुकोण सिर्फ एक अभिनेत्री नहीं बल्कि एक ट्रेंडसेटर हैं, जो हर बार अपने अंदाज से फैशन वर्ल्ड में नया स्टैंडर्ड सेट करती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरों पर लोग कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- 'ये है असली रॉयल लुक!', वहीं दूसरे ने लिखा, 'हर बार दीपिका खुद को ही पीछे छोड़ देती हैं।'

अक्षय कुमार ने 130 फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर की 9000 करोड़ रुपये की कमाई

बॉलीवुड का वो आउटसाइडर जिसने अकेले तोड़ा है तीनों खान्स का रिकॉर्ड

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में पिछले तीन दशक से ज्यादा समय से शाहरुख खान, सलमान खान और आमिर खान की फिल्मों का दबदबा रहा है। मगर एक एक्टर ऐसा है जिसने इन तीनों का रिकॉर्ड तोड़ा है। तीनों खान ने मिलकर 80 से ज्यादा हिट फिल्में दी हैं। 1994 से लेकर अब तक लगभग हर साल, किसी ना किसी खान की फिल्म ही बॉक्स ऑफिस पर कमाल करती रही है, लेकिन एक वक्त ऐसा भी आया था जब इनकी जगह बॉक्स ऑफिस पर चौथे एक्टर का कमाल देखने को मिला। उनकी फिल्मों ने न केवल शाहरुख, सलमान, आमिर से ज्यादा फिल्में दी, बल्कि हिट और ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में दी थी।

हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के खिलाड़ी यानी अक्षय कुमार की। जिन्होंने 2007 से लेकर 2019 तक बॉक्स ऑफिस पर राज किया और भारतीय सिनेमा के इतिहास में अलग जगह बनाई। अभिनेता ने अपने करियर में करीब 130 फिल्मों में काम किया है और उनकी फिल्मों ने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर कुल मिलाकर 9000 करोड़ रुपये की कमाई की है। जो तीनों खान की कमाई से भी ज्यादा है। शाहरुख की फिल्मों ने दुनिया भर में 8000 करोड़ रुपये से कुछ ज्यादा की कमाई की है, जबकि सलमान खुद 8000 करोड़ रुपये की कमाई के साथ दूसरे नंबर पर हैं। आमिर की फिल्म दुनिया भर में 6500 करोड़ रुपये की कमाई के साथ चौथे नंबर पर हैं।

अक्षय कुमार की फिल्मों का हिसाब

अक्षय को लेकर कहा जाता है कि वो बैक टू बैक एक साथ कई फिल्मों में काम करते हैं, ये ही कारण है कि अक्षय ने बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफलता का स्वाद चखा है। अक्षय ने कुल 130 फिल्मों में काम किया, जिसमें से 40 फिल्में हिट, 14 सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में भी शामिल हैं। उनकी फिल्मों के आगे अगल सलमान खान की मूवीज की बात की जाए तो सलमान ने 38 हिट फिल्में की हैं, शाहरुख ने 34 हिट फिल्में दी हैं, जिनमें हाल ही में आई उनकी फिल्में 'पठान' और 'जवान' शामिल हैं। जबकि आमिर ने कुल 21 हिट फिल्में हैं। जिसमें सबसे बड़ी हिट 'दंगल' रही।

अक्षय से पहले बॉलीवुड के तीनों खान उनसे काफी आगे थे। 1999 तक उनकी फिल्मों ने दुनिया भर में 253 करोड़ रुपये कमाए। लेकिन सलमान खान (751 करोड़ रुपये), शाहरुख खान (740 करोड़ रुपये) और आमिर खान (360 करोड़ रुपये) उनसे काफी आगे थे। अक्षय कुमार का बॉक्स ऑफिस पर गोल्डन पीरियड 2007 से 2019 के बीच रहा, जब उन्होंने हर साल कई हिट फिल्में दीं। ये वो वक्त था जब उनकी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर 6400 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। इसी पीरियड में खान्स की कमाई लगभग 4500-5500 करोड़ थी। 2018 से 2019 में अक्षय ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई की, जो एक बड़ी सफलता है।

मगर एक वक्त ऐसा आया जब अक्षय कुमार के करियर ग्राफ पर अंधेरा छा गया। कोविड के बाद अक्षय ने जितनी फिल्में की, सब एक के बाद एक फ्लॉप होती गईं। फिर चाहे उसमें 'रक्षाबंधन' हो, 'सम्राट पृथ्वीराज' हो या फिर OMG 2। उनकी सभी फिल्में फ्लॉप रहीं। मगर 2025 उनके लिए लकी साबित हो रहा है, इस साल आई उनकी फिल्में 'स्काई फोर्स' और 'केसरी चैप्टर 2' ने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है।

'कुबेर' स्टार धनुष ने की नागार्जुन की तारीफ, बोले- 'मैंने उनके अभिनय और व्यवहार से बहुत कुछ सीखा'

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कॉलीवुड अभिनेता धनुष जल्द ही शेखर कम्मुला की सामाजिक ड्रामा फिल्म 'कुबेर' में दिखाई देंगे। यह फिल्म 20 जून, 2025 को रिलीज होगी। हाल ही में रिलीज हुए कुबेर के ट्रेलर ने सबका ध्यान खींचा। फिल्म में नागार्जुन भी अहम भूमिका में नजर आए। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान धनुष ने एक्टर नागार्जुन की तारीफ की और उन्हें लीजेंड बताया।

धनुष ने की नागार्जुन की तारीफ

एक खबर के मुताबिक, फिल्म 'कुबेर' में धनुष, टॉलीवुड स्टार नागार्जुन के साथ काम कर रहे हैं, जो एक महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। धनुष ने नागार्जुन के साथ काम करने की खुशी जताई और उन्हें एक इंटरव्यू में लीजेंड बताया। धनुष ने कहा, नागार्जुन सर की फिल्में आज भी प्रशंसकों को बहुत पसंद हैं। मैं हमेशा से उनकी फिल्मों, खासकर तमिल फिल्म का बड़ा प्रशंसक रहा हूं।

नागार्जुन के साथ काम करना सम्मान की बात- धनुष

धनुष ने बताया कि नागार्जुन के साथ काम करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, मैंने उनके अभिनय और व्यवहार से बहुत कुछ सीखा। वह बहुत प्रेरणादायक हैं। शूटिंग के दौरान उनकी सलाह मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगी। मैं उनके दिखाए रास्ते पर चलने की कोशिश करूंगा। फिल्म 'कुबेर' में धनुष और नागार्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना और बॉलीवुड अभिनेता जिम सर्भ भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्माण श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और शेखर कम्मुला के एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सुनील नारंग और पी राम मोहन राव ने किया है। फिल्म का संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है।

जेनिफर विंगेट और करण सिंह ग्रोवर के फिर एक होंगे रास्ते?

जेनिफर विंगेट और करण सिंह ग्रोवर कभी टीवी के फेमस कपल थे। दोनों ने शादी की, पर इनका रिश्ता टूट गया। पर फैंस आज भी दोनों को साथ देखना चाहते हैं। बीते मंगलवार को फैंस तब हैरान हो गए, जब ऐसी खबरें सामने आईं कि दोनों तलाक के 13 साल बाद एक बार फिर साथ में नजर आने वाले हैं। वे करण जौहर के अपकमिंग रिएलिटो शो 'द ट्रेटर्स' में नजर आएंगे।

पर क्या ये खबर सच है?

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, करण सिंह ग्रोवर और जेनिफर विंगेट दोनों ने 'द ट्रेटर्स' रियलिटी शो में पार्टिसिपेट करने के लिए अपनी सहमति दे दी है। ये शो इंटरनेशनल लेवल पर ड्रामा, झगड़े और कभी ना खत्म होने वाले विवाद के लिए जाना जाता है। आप इस शो को 12 जून से प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

कंटेस्टेंट्स की लिस्ट नहीं आई सामने

हालांकि, इस शो के कंटेस्टेंट्स की लिस्ट अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन अगर रिपोर्टों पर विश्वास किया जाए तो राज कुंद्रा, रफ्तार, अपूर्वा मुखीजा, मुनव्वर फारुकी, उर्फी जावेद, करण कुंद्रा, जैस्मीन भसीन और अन्य भी शो में भाग लेते नजर आएंगे।

2012 में हुई थी शादी

बता दें कि जेनिफर और करण का रिश्ता 2009 से है, जब उन्होंने पहली बार हॉस्पिटल ड्रामा 'दिल मिल गए' में स्क्रीन शेयर की थी। शो के सेट पर दोनों को प्यार हो गया और कुछ समय तक डेटिंग करने के बाद, उन्होंने 2012 में अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी कर ली। हालांकि, 2014 में एक चौंकाने वाली घोषणा में, उन्होंने बताया कि उन्होंने अलग होने का फैसला किया है। इस खबर से फैंस शॉक्ड थे। करण ने बाद में बिपाशा बसु से शादी कर ली, लेकिन जेनिफर ने अभी तक दोबारा शादी नहीं की है।

'मुझे चूहे, गीदड़-खरगोश नहीं, शेर चाहिए', आकांक्षा पुरी ने बताया कैसे पार्टनर की है तलाश

टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी सीरियल्स के साथ ही भोजपुरी इंडस्ट्री में भी तहलका मचा चुकी हैं। 'बिग बॉस' में नजर आने के बाद अभिनेत्री भोजपुरी में काम करते हुए दिखीं। यहां पर उनकी और खेसारी लाल यादव की जोड़ी काफी चर्चा में रही। दोनों ने साथ कई म्यूजिक वीडियोज और एक फिल्म में भी काम किया। प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही इनकी डेटिंग की खबरें भी खूब रहीं। ऐसे में अब आकांक्षा ने खुद खुलासा किया कि उनको कैसे पार्टनर की तलाश है। उन्होंने बताया कि उन्हें अब तक चूहे, गीदड़ खरगोश मिल हैं। जबकि एक्ट्रेस को शेर जैसे पार्टनर की तलाश है।

दरअसल, आकांक्षा पुरी ने हाल ही में बताया कि अक्सर उनके दोस्त उन्हें बोलते हैं कि वो लड़का पूछ रहा था, ये कह रहा था। ऐसे में वो जानना चाहती हैं कि ये लोग कौन हैं और कहां हैं? जो पूछ रहे हैं। एक्ट्रेस कहती हैं कि पहले ही वो इतना डर जाते हैं। खुद को ही सेल्फ रिजेक्ट कर देते हैं कि सामने ही नहीं आते हैं। आकांक्षा इससे परेशान होकर कहती हैं कि आधे लड़कों की यही समस्या है। उनका मानना है कि जब वो लड़के देखते हैं कि एक लड़की इतनी स्ट्रॉन्ग है या केपेबल है तो वो पहले ही सेल्फ रिजेक्ट कर देते हैं। एक्ट्रेस खुद ये मौका मांगती है।

आकांक्षा पुरी को छुपने-छुपाने वाले प्यार नहीं पसंद

इसके साथ ही आकांक्षा पुरी ने अपने पार्टनर की क्वालिटी के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्हें वो लड़का चाहिए, जो उनके साथ हो तो डंके की चोट पर कह सके कि वो उनके साथ है। एक्ट्रेस कहती हैं कि उन्हें छुपने-छुपाने वाले प्यार या लुकाछुपी तो बचपन से ही पसंद नहीं है। वो रिक्वेस्ट करते हुए कहती हैं कि ये खेल उनके साथ खेलना बंद करें। आकांक्षा कहती हैं कि उन्हें उस लड़के की तलाश है, जो उनके साथ घर में प्यार से बात कर रहा है तो बाहर जाकर भी ऐसे ही रहे। ना कि फ्रेंडली बिहेव करे। अगर ऐसा होता है तो ये उन्हें पसंद नहीं।

आकांक्षा पुरी आगे अपनी बात बढ़ाते हुए कहती हैं कि वो अगर किसी के साथ हैं तो बिल्कुल लाउड और क्लियर उसके साथ हैं। वो पार्टनर को लेकर कहती हैं कि उन्हें चूहे, गीदड़ और खरगोश मिल रहे हैं जबकि उन्हें एक शेर चाहिए। ताकि वो बोल सके कि आकांक्षा पुरी उसकी गर्लफ्रेंड हैं।

पार्टनर की क्वालिटी के बारे में बात करते हुए आकांक्षा ने कहा कि वो ऐसा होना चाहिए जो पूरी दुनिया के आगे उनका हाथ पकड़ सके और कह सके कि आकांक्षा उसकी हैं। उन्हें केवल घर में हाथ पकड़ने वाला नहीं चाहिए।

बारिश के मौसम में रखना है पैरों का ध्यान तो इन बातों को रट लें

बारिश का मौसम शुरू हो गया है। ये मौसम भले ही काफी रोमांटिक होता हो, लेकि अपने साथ कई तरह की मुश्किलें लेकर आता है। इस मौसम में सबसे ज्यादा त्वचा संबंधी परेशानियां पैदा होने लगती हैं। खासतौर पर इसका सबसे ज्यादा असर पैरों में देखा जाता है।

दरअसल, जमीन पर रहने की वजह से पैरों में फंगल इंफेक्शन जैसी दिक्कतें होना काफी आम बात हो जाती है। कई बार तो पानी में रहने की वजह से पैर काफी अजीब से दिखने लगते हैं। इसी वजह से आज हम आपको कुछ ऐसी टिप्स देने जा रहे हैं, जिनको फॉलो करके आप अपने पैरों की खूबसूरती को बरकरार रख सकते हैं। इसके लिए आपको सिर्फ कुछ ही बातों का ध्यान रखना है।

पैरों को रखें साफ

यदि आप चाहते हैं कि आपके पैर एकदम साफ-सुथरे रहें तो अपने पैरों का खास ध्यान रखें। जब भी कहीं बाहर से आएं तो पैरों को धो लें। खासतौर पर यदि आपके पैर गंदे पानी में भीग गए हैं, तब तो उन्हें अच्छे से साफ करना बेहद जरूरी हो जाता है, वरना पैरों में बैक्टेरिया जमने लगते हैं। गंदे पानी में पैर भीग गए हैं तो उन्हें हल्के गुनगुने पानी से दोबारा साफ करें।

फंगल इंफेक्शन से कैसे बचें ?

बारिश के मौसम में पैरों में फंगल इंफेक्शन हो जाता है, जिससे पैर काफी अजीब दिखने लगते हैं। इस इंफेक्शन से बचना काफी जरूरी होता है। इसलिए पैरों में टैल्कम पाउडर या एंटीफंगल पाउडर का इस्तेमाल करें। यदि पैरों में बदबू आ रही है, या काफी खुजली हो रही है, तब तो इसका इस्तेमाल अवश्य ही करें।

पेडीक्योर और स्क्रब है जरूरी

पैरों में डेड स्किन काफी आसानी से जम जाती है। इसलिए हफ्ते में कम से कम दो बार पेडीक्योर और स्क्रब का इस्तेमाल अवश्य करें। ध्यान रखें कि सही तरह से स्क्रब करेंगे तो आपके पैर और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाएंगे। स्पा में पेडीक्योर कराने जाएंगे तो आपके पैसे भी ज्यादा खर्च होंगे, इसलिए चाहे तो घर पर ही स्क्रब और पेडीक्योर करें।

मॉइस्चराइजर है काफी जरूरी

चाहे चेहरा हो या हो पैर, मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। इसके इस्तेमाल से पैर मुलायम रहते हैं और देखने में भी अच्छे लगते हैं। मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो पैर आपके सूखकर अजीब दिखने लगेंगे।

ऐसे फुटवियर पहनें

इस मौसम में हमेशा ऐसे फुटवियर पहनने चाहिए, जो बारिश के मौसम में हवादार हों। जूतों से तो दूरी बना लें। जूतों की वजह से पैरों में सिकुड़न होने लगती है, जिससे पैरों पर डेड स्किन जमा होने लगती है। इसलिए जितना हो सकते इनसे बचें, ताकि आपको किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़े।

ये काम कभी न करें

यदि आप चाहते हैं कि आपके पैरों की खूबसूरती बरकरार रहे तो बारिश के मौसम में कभी भी गीले जूते और मोजे न पहनें। ऐसा करने से आपके पैरों को काफी दिक्कत हो सकती है। अपने पैरों को देर तक गीला करके न छोड़ें। इसे तत्काल ही पोछें।

इन टिप्स के इस्तेमाल से काटना तो दूर पास भी नहीं भटकेंगे मच्छर

गर्मियों का मौसम शायद ही किसी को पसंद हो? जलती-चुभती गर्मी के कारण लोग अपने घरों से बाहर नहीं जा पाते और घर में भी एसी चलाना पड़ता है। यही नहीं, कुछ गर्म खाना खाने में भी दिक्कतें होती हैं और ऊपर से अगर लाइट चली जाए तो दिक्कतें कई गुना बढ़ जाती है। पर परेशानियां यहीं खत्म नहीं होती क्योंकि लोगों को गर्मी में मच्छरों से भी जूझना पड़ता है

गर्मियों में मच्छर लोगों के घरो में घुस जाते हैं और फिर उन्हें काटते हैं। मच्छरों के काटने से डेंगू जैसी बीमारी भी हो सकती है। इसलिए इनसे बचना बेहद जरूरी हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी इन मच्छरों से परेशान हैं तो आप यहां कुछ घरेलू तरीकों के बारे में जान सकते हैं जिनसे आप इन मच्छरों से छुटकारा पा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं ये कौन से तरीके हैं।

पहला तरीका

अगर आप भी अपने घर या अपनी दुकान आदि में मच्छरों से परेशान हैं तो आपको एक अंडे की खाली क्रेट लेनी है। इसके बाद इसके एक कोने को जलाना है और फिर बुझा देना है जिससे ये क्रेट धुआं छोड़ने लगेगी। फिर इस क्रेट को अपने आसपास रख दें और फिर आप देखेंगे कि कैसे मच्छर आपसे दूर भाग रहे हैं।

दूसरा तरीका

अगर आप मच्छरों से ज्यादा ही परेशान हैं तो आपकी मदद कपूर कर सकता है। इसमें आपको कपूर को जला लेना है और घर के कोनों में इसे रख देना है। इसके बाद आप देखेंगे कि मच्छर या तो मर गए हैं या आपके घर से बाहर भाग गए हैं, क्योंकि मच्छरों को कपूर की गंध पसंद नहीं होती है।

तीसरा तरीका

मच्छर के काटने से डेंगू की बीमारी हो सकती है जो खतरनाक हो सकती है। इसलिए अगर आपके घर में मच्छर है तो आप नीम के पत्तों की मदद ले सकते हैं। इसमें आपको नीम के पत्ते लेने हैं और इनका धुआं लगा देना है। कमरे में या पूरे घर में आप इसका धुआँ लगा सकते हैं या घर के बाहर भी। इससे भी मच्छरों को भगाने में काफी मदद मिल सकती है।

चौथा तरीका

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं जिन्हें मच्छर काट रहे हैं या आपको बहुत मच्छर काटते हैं, तो आपकी मदद नीम का और नारियल का तेल कर सकता है। आपको नाम और नारियल के तेल को मिला लेना है और फिर अपने शरीर पर लगा लेना है। इसके बाद आप देखेंगे मच्छर आपसे दूर भाग रहे हैं।

क्या आपको भी आंखों में अक्सर होता रहता है दर्द कहीं ये किसी गंभीर समस्या का संकेत तो नहीं?

आंखें शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं इसी की मदद से हम दुनिया की खूबसूरती का आनंद ले पाते हैं। हालांकि समय के साथ आंखों में कई प्रकार की दिक्कतें बढ़ती जा रही है। आंखों की कुछ बीमारियों, संक्रमण या फिर चोट के कारण आपको दर्द की समस्या महसूस होती रह सकती है। आंखों में दर्द के साथ आमतौर पर कई अन्य लक्षण जैसे आंखों की लालिमा, खुजली, और सूजन की दिक्कत भी हो सकती है। इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक हो जाता है।

आंखों की देखभाल न करना या बार-बार दर्द होना किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। कई बार आंखों में हल्का-फुल्का दर्द सामान्य होता है, लेकिन जब यह बार-बार हो या लगातार बना रहे, तो यह चिंता का विषय बन सकता है।

अगर आपको आंखों में दर्द है, तो यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि समय रहते आप इसका इलाज प्राप्त करें। दर्द की स्थिति कई बार गंभीर रोगों के कारण भी हो सकती है जिसपर ध्यान दिया जाना आवश्यक है।

आंखों में दर्द और अन्य समस्याएं

अमेरिकन ऑप्टोमैट्रिक एसोसिशन के अनुसार, आंखों में दर्द विशेषकर युवा आबादी में बढ़ती इस समस्या लिए डिजिटल आई स्ट्रेन को एक बड़ा कारण माना जा रहा है। ये उन लोगों में अधिक आम है जो रोजाना कई घंटे स्क्रीन के सामने बिताते हैं। इसके अलावा आंखों में दर्द, कुछ प्रकार की बीमारियों के कारण भी हो सकता है। कंजेक्टिवाइटिस जिसे पिंक आई भी कहा जाता है, ये इसका सबसे प्रमुख कारक है।

चोट के कारण भी आंखों की सतह क्षतिग्रस्त हो जाती है, जिससे दर्द हो सकता है।

इंफेक्शन या प्रदूषण भी आंखों के लिए समस्याएं बढ़ाने वाली

होती है।

ये समस्याएं भले ही सामान्य नजर आती हैं पर अगर इसपर ध्यान न दिया जाए या फिर डॉक्टरी सलाह से उपचार न किया जाए तो इससे आंखों की गंभीर बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

आंखों में दर्द के क्या कारण हैं?

आंखों में अक्सर होते रहने वाले दर्द के कई कारण हो सकते हैं। इसमें कुछ सामान्य और कुछ गंभीर मामले भी शामिल हैं।

दिनभर की मेहनत और थकान आंखों में दर्द का कारण बन सकती है।

धूप में या अंधकार में अधिक समय बिताने से भी आंखों में सूजन और दर्द की दिक्कत बढ़ सकती है।

धूल, रुखापन या एलर्जेन के कारण भी आंखों में सूजन पैदा हो सकती है जिससे दर्द और कई प्रकार की समस्याओं का जोखिम बढ़ जाता है।

लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल का इस्तेमाल करने की वजह से भी कई लोगों में आंखों के दर्द की समस्या बढ़ती हुई देखी गई है।

संक्रामक स्थितियों में तुरंत इलाज जरूरी

जब आप अपने हाथों से आंखों को रगड़ते हैं तो आंखों में वायरस, बैक्टीरिया प्रवेश करके संक्रमण पैदा कर सकते हैं। आंखों में संक्रमण की समस्या आमतौर पर हल्के दर्द, लालिमा और खुजली के साथ शुरू होती है और संक्रमण बढ़ने के साथ आंखों की मांसपेशियों को क्षति पहुंचा सकती है। इसलिए जरूरी है कि किसी भी संक्रमण को हल्के में न लें और समय रहते इसका उपचार प्राप्त करें।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच डब्ल्यूएचओ का बड़ा फैसला डॉक्टर ने बताया इस बार कौन से लक्षण कर रहे परेशान

दिसंबर 2019 के आखिरी के हफ्तों में शुरू हुई कोरोना महामारी अब भी खत्म नहीं हुई है। पिछले कुछ महीनों से संक्रमण की रफ्तार नियंत्रित थी, हालांकि अब एक बार फिर से ये वायरस सक्रिय हो गया है। आरएनए वायरस अपनी प्रकृति के हिसाब से लगातार म्यूटेट होते रहते हैं, इसी क्रम में कोरोनावायरस में भी म्यूटेशन देखा जाता रहा है और नए वैरिएंट्स भी सामने आते रहे हैं।

पिछले एक-दो साल में दुनियाभर में ओमिक्रॉन वैरिएंट के मामले सबसे ज्यादा रिपोर्ट किए गए हैं। इस बार के बढ़ते प्रकोप के लिए भी ओमिक्रॉन के ही सब-वैरिंट्स (NB.1.8.1 और LF.7) को जिम्मेदार पाया गया है।

27 मई (मंगलवार) को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के कोविड डैशबोर्ड के डेटा के मुताबिक देश में कुल एक्टिव केस 1010 हैं। 19 मई से अब तक 753 नए मामले रिपोर्ट किए गए हैं। देश में कोरोना से अब तक 6 लोगों की मौत हुई है।

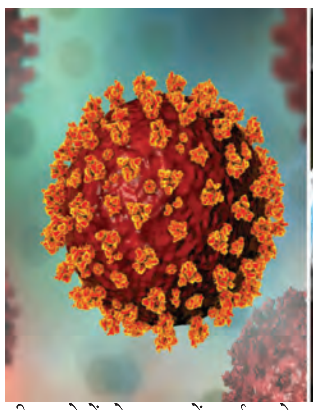

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच लोगों के मन में कई सारे प्रश्न हैं, क्या सर्दी-खांसी होते ही कोविड टेस्ट कराना चाहिए? क्या फिर एक लहर आने वाली है, फिर से सभी लोगों को वैक्सीन लेनी होगी...? इसके अलावा क्या इस बार के संक्रमण में भी लोगों को डेल्टा वैरिएंट की तरह सांस की दिक्कतें हो रही हैं और ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है? आइए इसके बारे में विस्तार से समझते हैं।

डब्ल्यूएचओ भी हो गया अलर्ट

कोरोना के दोनों सब-वैरिएंट्स NB.1.8.1 और LF.7 के मामले भारत सहित कई देशों में काफी तेजी से बढ़े हैं, भारतीय आबादी में भी इसके कारण संक्रमण में तेजी से उछाल आया है। बढ़ते जोखिमों को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अब NB.1.8.1 को वैरिएंट ऑफ मॉनिटरिंग के रूप में वर्गीकृत कर दिया है, अब तक इसे वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के रूप में रखा गया था।

वैरिएंट ऑफ मॉनिटरिंग का मतलब है कि अब वायरस के इस रूप को लेकर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान देने और निगरानी की आवश्यकता है।

वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के दौरान वायरस में हुए परिवर्तन और इसके प्रभाव को समझने की कोशिश की जाती है, इस वर्गीकरण का मतलब होता है कि वैरिएंट ज्यादा चिंताजनक नहीं है।

इस वैरिएंट के बारे में जानिए

येल मेडिसिन के अनुसार, JN.1 स्ट्रेन (अनौपचारिक रूप से 'पिरोला') के मामले पिछले कुछ वर्षों में सबसे ज्यादा देखे जा रहे थे। इसमें म्यूटेशन के बाद दो नए सब-वैरिएंट NB.1.8.1 और LF.7 सामने आए थे। इसके स्पाइक प्रोटीन में कुछ म्यूटेशन (जैसे ए435एस, वी445एच और टी478आई) देखे गए हैं जो इसे अन्य वैरिएंट्स की तुलना में अधिक संक्रामकता और शरीर में बनी प्रतिरक्षा से बचने में मदद कर रहे हैं। यही कारण है कि इससे वो लोग भी संक्रमित हो रहे हैं जो पहले से वैक्सीनेशन की डोज पूरी कर चुके हैं या बूस्टर शॉट भी ले चुके हैं।

चूंकि समय के साथ शरीर में बनी इम्युनिटी भी कमजोर होती जाती है, इसलिए ये वायरस प्रभावी रूप से फैल रहा है।

संक्रमितों के क्या दिक्कत हो रही है?

देश में संक्रमितों को क्या दिक्कतें हो रही हैं, उनमें किस तरह के लक्षण देखे जा रहे हैं, क्या फिर से लोगों को सांस की दिक्कतें हो रही हैं और ऑक्सीजन की जरूरत होगी? इस बारे में समझने के लिए हमने पुणे स्थित एक अस्पताल में क्रिटिकल केयर के डॉक्टर उपेंद्र सिंह से बातचीत की।

डॉक्टर बताते हैं, देश में फिलहाल 1000 से ज्यादा एक्टिव केस हैं। ज्यादातर लोग घर पर ही ठीक हो रहे हैं, बड़ी संख्या में ऐसे मरीज भी हैं जिनको पता भी नहीं है कि वह संक्रमित हैं। हालांकि कोमोरबिडिटी या कमजोर इम्युनिटी वालों को कुछ स्थितियों में अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ रही है। फिलहाल ऐसे रोगियों में कोई अलग या गंभीर लक्षण नहीं देखे गए हैं।

NB.1.8.1 से संक्रमित लोगों में भी अन्य ओमिक्रॉन सब-वैरिएंट के समान लक्षण देखे जा रहे हैं। इनमें लगातार खांसी, गले में खराश, थकान-सिरदर्द, भूख न लगने, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं देखी जा रही हैं। सांस की समस्या या अन्य गंभीर दिक्कतें नहीं हो रही हैं, ऑक्सीजन की कमी के भी मामले फिलहाल नहीं हैं। वैरिएंट संक्रामक जरूर है पर खतरनाक या जानलेवा नहीं है।

कैंसर-हृदय रोगों से बचे रहने के लिए ऑक्सफोर्ड के वैज्ञानिकों ने बताया सबसे आसान तरीका

कैंसर वैश्विक स्तर पर बढ़ती एक गंभीर और जानलेवा बीमारी है जिसके मामले बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोगों में देखे जा रहे हैं। लाइफस्टाइल और खान-पान की गड़बड़ आदतें, पर्यावरणीय और आनुवांशिक कारक कैंसर के खतरे को बढ़ाने वाले माने जाते हैं। चूंकि इसका जोखिम किसी को भी हो सकता है, इसलिए सभी लोगों को कैंसर से बचे रहने के उपाय बचपन से ही करते रहने चाहिए।

आप कैंसर से कैसे बच सकते हैं, इसके बारे में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने अध्ययन में बड़ा दावा किया है।

विशेषज्ञों ने एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया है कि नियमित रूप से हल्की-फुल्की गतिविधियां जैसे कि सामान्य रूप से वॉक करना, रनिंग या यहां तक कि घर के काम-काज भी खुद से करना भी कैंसर होने के जोखिमों को कम करने में मददगार हो सकता है।

कैंसर से बचाव कैसे करें?

ऑक्सफोर्ड सेंटर फॉर अर्ली कैंसर डिटेक्शन द्वारा किए गए शोध में पाया गया कि प्रतिदिन वॉक करने की आदत भी आपको कैंसर-हृदय रोग सहित कई अन्य बीमारियों से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकती है। विशेषज्ञों ने बताया कि जो लोग प्रतिदिन 7,000 कदम चलते हैं, उनमें 5,000 से कम कदम चलने वालों की तुलना में कैंसर का जोखिम 11% कम होता है। 9,000 कदम चलने वालों में जोखिम 16% कम हो जाता है।

इसका मतलब है कि आप जीवनशैली में इस एक आदत को शामिल करके न सिर्फ सेहत में विशेष सुधार कर सकते हैं, साथ ही ये जानलेवा बीमारियों से बचाने में भी मददगार है। इस अध्ययन की रिपोर्ट बीएमजे जर्नल में प्रकाशित की गई है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अध्ययन के वरिष्ठ प्रोफेसर ने कहा, हमारा शोध सभी तरह की गतिविधियों के महत्व को उजागर करता है। चाहे वह रोजाना वॉक करने को बढ़ाना हो या मध्यम से लेकर जोरदार व्यायाम करना हो, शारीरिक गतिविधि का कोई भी स्तर कैंसर के जोखिम को कम करने में योगदान देता है। दिनभर शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, चाहे अधिक पैदल चलना हो या घर के काम निपटाना हो, कैंसर के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रभाव डाल सकता है।

वॉक करना कैसे लाभकारी?

अब सवाल ये है कि वॉक करने की आदत कैंसर के जोखिमों को कैसे कम करती है? इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आप रोजाना 7-10 हजार कदम चलने की आदत बना लेते हैं तो यह हार्मोन को विनियमित करने, प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने, शरीर में सूजन को कम करने और पाचन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, पैदल चलने से वजन को स्वस्थ बना रहता है जो कई कैंसर के जोखिम को कम करने में एक महत्वपूर्ण कारक है।

अगर कम उम्र से ही खूब चलने की आदत बना ली जाए तो ये आपको कई प्रकार के कैंसर से बचाए रखने में मददगार हो सकता है। इससे पहले के अध्ययनों में 10 हजार कदम चलने को हृदय रोगों-डायबिटीज से बचाव के लिए काफी फायदेमंद बताया गया था।

हृदय रोगों से भी होता है बचाव

इससे पहले जर्नल सर्कुलेशन में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रतिदिन 10000 कदम चलने की आदत हृदय रोगों के जोखिमों को कम करने में मददगार हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका सहित 42 अन्य देशों के 20,152 व्यक्तियों के स्वास्थ्य डेटा का उपयोग करके विश्लेषण में पाया गया है कि नियमित वॉक करने की आदत आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकती है। जो लोग प्रतिदिन 6,000 से 9,000 कदम चलते हैं, उनमें हृदय रोग जैसे दिल का दौरा या स्ट्रोक का जोखिम 40 से 50% तक कम होता है।

मुंह-फेफड़े के कैंसर से लेकर हार्ट अटैक के खतरे को कई गुना बढ़ा देती है तंबाकू व धूम्रपान

दुनियाभर में बढ़ती ज्यादातार गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों के लिए गड़बड़ लाफस्टाइल और खान-पान से संबंधित दिक्कतों को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। इनमें से जिस आदत के कारण सेहत को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है वो है-तंबाकू या धूम्रपान की आदत।

तंबाकू का सेवन चाहे वह धूम्रपान के रूप में हो या चबाने वाला तंबाकू, ये सेहत के लिए गंभीर नुकसानदायक हो सकता है। तंबाकू शरीर के लगभग हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। कई

अध्ययन इस बात की तरफ भी ध्यान आकृष्ट करते रहे हैं कि तंबाकू का सेवन असमय मृत्यु का भी प्रमुख कारण है। दुर्भाग्यवश देश की एक बड़ी आबादी, विशेषकर युवा इसका शिकार हो रहे हैं।

तंबाकू के कारण सेहत को होने वाले नुकसान, बीमारियों के बढ़ते खतरे के बारे में लोगों को जागरूक करने और तंबाकू छोड़ने को लेकर लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हर साल 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। आइए तंबाकू के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानते हैं।

तंबाकू-धूम्रपान का सेहत पर असर

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आमतौर पर तंबाकू को मुंह के रोग-ओरल कैंसर और धूम्रपान को फेफड़ों के कैंसर का कारण माना जाता रहा है। पर इसके जोखिम यहीं तक सीमित नहीं हैं, तंबाकू-धूम्रपान आपके संपूर्ण शरीर को नुकसानदायक है। हृदय से संबंधित बढ़ती समस्याएं-हार्ट अटैक हो या मस्तिष्क की समस्याएं सभी पर इसका असर होता है।

फेफड़ों और श्वसन तंत्र पर प्रभाव के लिए खतरनाक

तंबाकू, विशेषकर धूम्रपान के रूप में फेफड़ों और श्वसन तंत्र को गंभीर रूप से क्षति पहुंचाता है। धूम्रपान से फेफड़ों का कैंसर होने की आशंका 15 गुना तक बढ़ जाती है। इसके अलावा जो लोग धूम्रपान करते हैं उनमें क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) रोग होने का जोखिम भी अधिक रहता है। यह फेफड़ों की एक गंभीर बीमारी है जिसमें सांस लेने में तकलीफ होती है।

अमेरिकन लंग्स एसोसिएशन के अनुसार, 90% फेफड़ों के कैंसर के मामलों के लिए धूम्रपान की आदत को बड़ा जोखिम कारक माना जाता रहा है।

मुंह-गले से संबंधित बीमारियां

गुटखा-खैनी और बीड़ी जैसी चीजें मुंह की बीमारियों यहां तक कि ओरल कैंसर के भी खतरे को कई गुना तक बढ़ा देती हैं। जो लोग तंबाकू चबाते हैं उनमें मुंह का कैंसर हो सकता है, ग्रामीण भारत में इसका जोखिम अधिक रहा है। तंबाकू में मौजूद तत्व निकोटीन दांतों और मसूड़ों को कमजोर करता है इसके साथ पायरिया जैसे बीमारी को भी बढ़ा देता है। इंडियन डेंटल एसोसिएशन की रिपोर्ट भी बताती है कि भारत में मुंह का कैंसर सबसे आम कैंसर में से एक है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां गुटखे का सेवन अधिक होता है। इससे दूरी बनाना जरूरी है।

तंबाकू-धूम्रपान के इन खतरों को भी जानिए

तंबाकू-धूम्रपान की आदत आपको शरीर को कई और भी प्रकार से नुकसान पहुंचाती है।

धूम्रपान रक्तचाप और हृदय की धड़कन को बढ़ाता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ता है।

निकोटीन और कार्बन मोनोऑक्साइड रक्त में थक्के बना सकते हैं, जिससे मस्तिष्क को रक्त की आपूर्ति रुक सकती है और स्ट्रोक का खतरा रहता है।

निकोटीन एक नशे की लत पैदा करने वाला रसायन है जो मस्तिष्क के डोपामिन को असंतुलित करता है। इससे चिंता-अवसाद का खतरा हो सकता है।

गर्भवती महिलाओं और बच्चों पर असर भी इसका असर होता है। गर्भावस्था के दौरान किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन गर्भपात और समय से पहले प्रसव के जोखिमों को बढ़ा देती है।

घर बैठे सिर्फ आधार-कार्ड से बनाएं बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड

> मिलेगा 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार 70 साल से ज्यादा उम्र के सीनियर सिटीजन को भी 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज दे रही है। इसके लिए बुजुर्गों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाना जरूरी है। कार्ड बनवाकर सीनियर सिटीजन 30 हजार से ज्यादा सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के हॉस्पिटल्स में इलाज करा सकेंगे। इसे बनाने के लिए सिर्फ आधार कार्ड की जरूरत होती है। यह योजना 23 सितंबर 2018 को शुरू की गई, जिसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) लागू कर रहा है। इसके तहत देशभर के 30,000 से ज्यादा सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इसमें 27 मेडिकल विभागों की 1,961 बीमारियों जिनमें कैंसर, हार्ट सर्जरी, डायलिसिस, जोड़ों का ऑपरेशन पर 5 लाख का मुफ्त इलाज मिलता है। इसमें पहले दिन से ही पुरानी बीमारियों का कवर भी मिलता है।

जून में बैंक 12 दिन बंद रहेंगे

5 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 5 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। अगला महीना यानी जून शुरू होने वाला है। इस महीने में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 5 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

महीने की शुरुआत छुट्टी से होगी। 1 जून को रविवार है। ऐसे में अगर आपको इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं।

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और एटीएम के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

केरल में 6 से 8 जून तक लगातार 3 दिन बैंक बंद

केरल में 6 से 8 जून तक लगातार 3 दिन बैंकों में कारोबार नहीं होगा। 6 जून ईद-उल-अजहा, 7 जून को बकरीद (ईद-उज-जुहा) और 8 जून को रविवार के चलते बैंक बंद रहेंगे। वहीं ओडिशा-मणिपुर में 27 से 29 जून तक और मिजोरम में 28 से 30 जून तक लगातार 3 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

भारत-अमेरिका के बीच 25 जून तक हो सकता है अंतरिम व्यापार समझौता

सूत्र बोले-बातचीत पटरी पर

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच 25 जून तक एक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बन सकती है। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है। इसके लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल व्यापार वार्ता के लिए अगले महीने भारत आ सकता है।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी संभावना है कि दोनों देश 25 जून तक अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमत हो जाएंगे। उन्होंने कहा, बातचीत आगे बढ़ रही है। चीजें पटरी पर हैं।

इस बीच, भारत के मुख्य वार्ताकार, वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव राजेश अग्रवाल ने पिछले सप्ताह अपनी चार दिवसीय वाशिंगटन यात्रा पूरी की। उन्होंने प्रस्तावित समझौते पर अपने अमेरिकी समकक्ष के साथ बातचीत की। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी व्यापार वार्ता को गति देने के लिए पिछले सप्ताह वाशिंगटन में थे। अपनी यात्रा के दौरान वे अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से दो बार मिले।

26% की जवाबी अमेरिकी टैरिफ फिलहाल 9 जुलाई तक है निलंबित

दोनों पक्ष प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की पहली किस्त से पहले अंतरिम व्यापार समझौते पर विचार कर रहे हैं। भारत पर अमेरिका का 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ इस साल 9 जुलाई तक निलंबित है। इसे अमेरिका ने 2 अप्रैल को लगाया था। हालांकि, भारतीय सामानों पर अब भी अमेरिका की आरे से लगाया गया 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ लागू है। नई दिल्ली अंतरिम व्यापार समझौते में अमेरिका पर घरेलू वस्तुओं पर 26 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ से पूर्ण छूट के लिए दबाव डाल रही है। दोनों देशों ने प्रस्तावित बीटीए के पहले चरण को इस वर्ष के अंत (सितंबर-अक्तूबर) तक पूरा करने की समय-सीमा तय की है।

अमेरिका लगातार चौथे साल 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

अमेरिका लगातार चौथे साल 2024-25 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रह। इसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

एचएएल को आंध्र लाने के प्रास्ताव पर शिवकुमार की दो टूक

कहा-हर हाल में अपनी संपत्ति बचाएंगे

बेंगलुरु, 28 मई (एजेंसियां)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की उन्नत उत्पादन सुविधाओं को आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव की खबरों के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को अपनी मंशा जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार अपनी संपत्तियों की हर कीमत पर रक्षा करेगी। वह आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की आरे से एचएएल की उन्नत उत्पादन सुविधाओं को अपने राज्य में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। केपीसीसी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा, एचएएल को किसी भाजपा सरकार ने नहीं दिया था। तकनीकी क्षेत्र के मैनपावर की उपलब्धता के कारण नेहरू ने इसे बेंगलुरु में स्थापित किया था। मैं केंद्र से चंद्रबाबू नायडू के राजनीतिक अनुरोध में हस्तक्षेप नहीं करने जा रहा हूं। हमने एचएएल को पर्याप्त भूमि भी दी है और तुमकुरु में एक हेलीकॉप्टर इकाई स्थापित करने के लिए भी भूमि प्रदान की है। वे आंध्र प्रदेश में कुछ भी नया स्थापित करने के लिए स्वतंत्र हैं। हम इस पर आपत्ति नहीं करने जा रहे हैं। लेकिन हमारी सरकार अपने राज्य की संपत्तियों की रक्षा के लिए जो भी करना होगा, करेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय 05-45
भोग्य कलि वर्ष-426874 | सूर्यास्त 18-42
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष में	वृष---	04-52 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मिथुन..	06-52 बजे
मंगल	कर्क में	कर्क---	09-05 बजे
बुध-	वृष में	सिंह---	11-16 बजे
गुरु-	मिथुन में	कन्या..	13-23 बजे
शुक्र-	मीन में	तुला....	15-30 बजे
शनि-	मीन में	वृश्चिक.	17-38 बजे
राहु-	कुंभ में	धनु.....	19-52 बजे
केतु-	सिंह में	मकर...	21-58 बजे
		कुंभ...	23-49 बजे
		मीन....	01-27 बजे
		मेष.....	03-03 बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 23-18 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, गुरुवार 29 May
नक्षत्र - आर्द्रा 22-38 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - शूल 15-46 तक उप गण्ड
करण- तैतिल 15-46 तक उप गर
विशेष:- रम्भा तृतीया
व्रत -त्योहार - महाराना प्रताप जयन्ती

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:51 से 15:29 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	05:45 - 07:20	शुभ	अमृत	18:42 - 20:07	शुभ
रोग	07:20 - 08:58	अशुभ	चंचल	20:07 - 21:29	शुभ
उत्पात	08:58 - 10:36	अशुभ	रोग	21:29 - 22:51	अशुभ
चंचल.	10:36 - 12:14	शुभ	काल	22:51 - 00:14	अशुभ
लाभ.	12:14 - 13:51	शुभ	लाभ	00:14 - 01:36	शुभ
अमृत.	13:51 - 15:29	शुभ	उत्पात	01:36 - 02:58	अशुभ
काल.	15:29 - 17:07	अशुभ	शुभ	02:58 - 04:20	शुभ
शुभ	17:07 - 18:42	शुभ	अमृत	04:20 - 05:45	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे । अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे । आपके लिए रोमांचक समय है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज कल्पनात्मक रहेंगे । कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है । आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी । अपने आपको थोड़ी ढील देने का दिन है ,लेकिन काम में व्यवहारिकता भी दिखानी होगी । साथियों के साथ अच्छे मूड में रहेंगे । अपनी मेल देख लें,कोई महत्वपूर्ण मेल आपकी प्रतीक्षा कर रही है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन अन्य एवं दूसरे मौके के लिए उपयुक्त है। जिन लोगो ने आपके साथ अच्छी तरह से व्यवहार नहीं किया है, वे लोग आप से मिलने या सलाह लेने आ सकते है । आज का दिन नए सिरे से अपनी दोस्ती और प्रेम को मजबूत करने का समय है । आज का दिन माफ़ी प्रदान करने , गलतियाँ भूलने और बेकार की चीज़ो पर पानी डालने का समय है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको अपनी मेहनत का फल मिलेगा । पहचान और इज्जत भी मिलेगी । वित्तीय स्थिति बेहतर होगी,ऑफिस में तारीफ़ मिलेगी । वेतन में बढ़ोतरी भी संभव है । सेल्स क्षेत्र वाले लोग भी लक्ष्य हासिल क्र पायेंगे । आज अपने परिधान में नीला रंग शामिल करें । इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सेंसेक्स 239 अंक गिरकर 81,312 पर बंद हुआ

निफ्टी भी 73 अंक गिरा; एफएमसीजी और ऑटो शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 28 मई को गिरावट रही। सेंसेक्स 239 अंक की गिरावट के साथ 81,312 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी करीब 73 अंक की गिरावट रही, ये 24,752 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में तेजी रही।

ग्लोबल मार्केट में मिला-जुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 1.71 अंक (0.0045%) और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 123 अंक (0.53%) की गिरावट रही। कोरिया के कोस्पी में 32 अंक (1.25%) की तेजी देखने को मिली। वहीं चीन का शंघाई कंपोजिट 3,339 के स्तर पर फ्लैट बंद हुआ। 27 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 391 अंक (0.92%) गिरकर 42,343 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 461 अंक (2.47%) और एसएण्डपी 500 118 अंक (2.05%) की बढ़त रही।

बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर में लिस्टिंग के बाद गिरावट

बेलराइज इंडस्ट्रीज का शेयर बीएसई पर 1.13 रुपए (-1.15%) गिरकर 97.37 रुपए पर बंद हुआ। इससे पहले आज बीएसई पर इसके शेयर की लिस्टिंग 9.4% प्रीमियम के साथ 98.5 रुपए पर हुई। वहीं एनएसई पर 11% प्रीमियम के साथ 100 रुपए पर लिस्ट हुआ था। इसका इश्यू प्राइस 90 रुपए था।

सोना 475 रुपये बढ़कर 95627 रुपये पर पहुंचा

चांदी 1128 रुपये चढ़कर 97653 रुपये किलो बिक रही इस साल सोना अब तक 19,465 रुपये महंगा हुआ

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 28 मई को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (ईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 475 रुपये बढ़कर 95,627 रुपये पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 95,152 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, चांदी का भाव 1,128 रुपये बढ़कर 97,653 रुपये हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 96,525 रुपये प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपये और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपये का ऑल टाइम हाई बनाया था।

भोपाल सहित 4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,630 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,480 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,350 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,480 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,480 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,530 रुपए है।

इस साल अब तक 19,465 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,465 रुपए बढ़कर 95,627 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 11,636 रुपए बढ़कर 97,653 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें

हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है-एजेड4524।

नौकरी में नहीं चलेगी नवाबी, बर्खास्त होते ही पेंशन से धोना पड़ेगा हाथ

सरकार का बड़ा फैसला, पूरी डिटेल

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब अगर किसी पीएसयू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) कर्मचारी को नौकरी से निकाला जाता है तो उसे रिटायरमेंट के फायदे नहीं मिलेंगे।

कार्मिक मंत्रालय ने नियमों में बदलाव किया है। यह नियम 22 मई को नोटिफाई किया गया। मंत्रालय यह भी देखेगा कि क्या कर्मचारी को निकालने का फैसला सही था या नहीं। सरकार ने केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 में बदलाव किए हैं। नए नियम के अनुसार, अगर किसी पीएसयू कर्मचारी को गलत काम करने की वजह से नौकरी से निकाला जाता है तो उसे रिटायरमेंट के फायदे नहीं मिलेंगे। इसका मतलब है कि उसे पेंशन और ग्रेच्युटी जैसे लाभ नहीं मिलेंगे। सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि पीएसयू में काम करने वाले लोग जिम्मेदारी से काम करें। नियमों में यह भी कहा गया है कि अगर किसी कर्मचारी को नौकरी से निकाला जाता है तो संबंधित मंत्रालय उस फैसले की समीक्षा करेगा। मंत्रालय यह देखेगा कि क्या कर्मचारी को निकालने का फैसला सही था या नहीं। अगर मंत्रालय को लगता है कि फैसला गलत था तो वह उसे बदल सकता है। पहले के नियमों में ऐसा नहीं था। पहले अगर किसी पीएसयू कर्मचारी को नौकरी से निकाला जाता था तो भी उसे रिटायरमेंट के फायदे मिलते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। कार्मिक मंत्रालय के अनुसार, 'किसी भी कर्मचारी को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में शामिल होने के बाद किसी भी कदाचार के लिए ऐसे उपक्रम की सेवा से बर्खास्त करने या हटाने से सेवानिवृत्ति लाभ जब्त हो जाएंगे।'

अच्छे मानसून से कृषि उत्पादन में होगी वृद्धि, महंगाई रहेगी नियंत्रित!

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के सामान्य से अधिक मानसून के पूर्वानुमान से कृषि उत्पादन और ग्रामीण मांग में जोरदार वृद्धि होने की उम्मीद है, जबकि मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने में मदद मिलेगी। यह जानकारी क्रिसिल की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून सीजन (जून से सितंबर) के दौरान सामान्य से अधिक बारिश का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है, सामान्य से अधिक मानसून के लगातार दूसरे वर्ष का पूर्वानुमान सच होता है तो स्वस्थ कृषि उत्पादन, ग्रामीण मांग को मजबूत करने और खाद्य कीमतों पर नियंत्रण रखने के अर्थव्यवस्था के एक और वर्ष की उम्मीद की जा सकती है। वित्त वर्ष 2025 में, कृषि और इससे जुड़े क्षेत्रों में ग्रॉस वैल्यू एडेड (जीवीए) 4.6 प्रतिशत बढ़ा, जो वित्त वर्ष 2015-24 के औसत 4.0 प्रतिशत से अधिक है।

'भारत 2025-26 में दक्षिण एशिया के विकास का मुख्य इंजन बनने के लिए तैयार'

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने अपनी एक रिपोर्ट में सख्त चेतावनी दी है। विश्व आर्थिक मंच ने रिपोर्ट में कहा है कि आर्थिक राष्ट्रवाद, टैरिफ की अस्थिरता लगातार अनिश्चितता को बढ़ावा दे रही है। इसके कारण वैश्विक आर्थिक सुधार और विकास नकारात्मकता की ओर बढ़ सकता है। हालांकि इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दक्षिण एशिया, आर्थिक विस्तार को लेकर सबसे अधिक आशावादी है। इतना ही नहीं इस क्षेत्र में भारत 2025 और 2026 में विकास का मुख्य इंजन बनने के लिए तैयार है। दरअसल, विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने 'मुख्य अर्थशास्त्री आउटलुक' शीर्षक वाली अपनी एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें दुनिया भर के आर्थिक विशेषज्ञों ने चेताते हुए कहा कि वर्तमान में अमेरिका की आर्थिक नीति वैश्विक रूप से स्थायी प्रभाव डाल रही है, इसके चलते जहां एक ओर मंदी का जोखिम बढ़ रहा है वहीं दूसरी ओर तमाम देशों में रणनीतिक व्यावसायिक निर्णयों में भी देरी हो रही है। इतना ही नहीं मौजूदा आर्थिक घटनाक्रमों के कारण समग्र वैश्विक वृद्धि पर दबाव बढ़ गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था इन दिनों सुस्ती के दौर से गुजर रही है, बावजूद इसके रिपोर्ट में नाजुक और असमान सुधार का संकेत दिया गया है। हालांकि क्षेत्रीय मतभेद और बढ़ती वित्तीय कमजोरियां दीर्घकालिक स्थिरता के लिए खतरा बन रही हैं।

विदेशी छात्र गए तो अमेरिका की इकॉनमी को नुकसान होगा

आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने डोनाल्ड ट्रंप को किया आगाह

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने अमेरिकीअर्थव्यवस्था को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आगाह किया है। उन्होंने कहा है कि अगर राजनीति की वजह से अमेरिकीनविश्वविद्यालयों में विदेशी छात्रों की संख्या कम होती है, तो इससे लंबे समय में अमेरिका को नुकसान होगा। राजन ने एक इंटरव्यू में कहा कि विदेशी छात्र हमेशा से अमेरिकी इनोवेशन और आर्थिक तरक्की का एक अहम हिस्सा रहे हैं। लेकिन अभी की नीतियां इस फायदे को खत्म कर सकती हैं।

राजन का बयान ऐसे समय आया है जब ट्रंप प्रशासन और विश्वविद्यालयों के बीच खींचतान चल रही है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक राजन ने गूगल के कोफाउंडर सर्गेई ब्रिन का उदाहरण देते हुए कहा, 'सर्गेई ब्रिन जैसे लोग छात्र बनकर आए और उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए शानदार काम किया। विश्वविद्यालयों को यह बात समझानी होगी कि वे अमेरिका के विकास के लिए कितने जरूरी हैं और उस विकास को लोगों तक पहुंचाने में भी उनकी कितनी भूमिका है।' ब्रिन 146 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 10वें नंबर पर हैं। उन्होंने लैरी पेज के साथ गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट की स्थापना की थी।

कैसे शुरू हुआ विवाद

शिकागो विश्वविद्यालय के बूथ स्कूल ऑफ बिजनस में फाइनेंस के प्रोफेसर राजन ने यह भी कहा कि विदेशी छात्रों की संख्या कम होने से अमेरिका में नौकरियों पर भी असर पड़ेगा। उन्होंने बताया कि गूगल जैसी कंपनियां हजारों लोगों को नौकरी देती हैं और इसमें विदेशी छात्रों का भी बड़ा योगदान है। ट्रंप प्रशासन और विश्वविद्यालयों के बीच चल रही खींचतान की शुरुआत हार्वर्ड और कोलंबिया जैसे बड़े विश्वविद्यालयों में यहूदी विरोधी भावनाओं को लेकर शुरू हुआ था।

भूपेश बघेल बोले- महिला आरक्षण बिल जैसे न हो जाये हाल

रायपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जातिगत जनगणना पर जमकर सियासत हो रही है। बीजेपी और कांग्रेस मामले में एक दूसरे पर निशाना साध रहे हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर गर्म है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जातिगत जनगणना पर कहा कि सबसे पहले राहुल गांधी ने जाति जनगणना पर आवाज बुलंद की थी। अब जब प्रदेश में माहौल बना तो सरकार ने इसकी घोषणा कर दी लेकिन ना इसके लिए कोई बजट दिया गया है और ना ही सरकार इस ओर कदम बढ़ा रही है। यह उसी प्रकार से है जैसे लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पारित कर दिया गया है, लेकिन लागू नहीं किया गया है। इसलिए लगातार इसे लेकर दबाव तो बनाना ही पड़ेगा।

रायपुर एयरपोर्ट पर चर्चा में राष्ट्रीय महासचिव बघेल ने कहा कि जब से राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की बात की है, तब से देशभर में इसे लेकर माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक स्तर पर बड़ा बदलाव संभव है। इसी विषय को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला किया, यह कैबिनेट का निर्णय है। हालांकि यह प्रक्रिया समय और संसाधन मांगती है और फिलहाल भारत सरकार इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

'कौन चला रहा है मुख्यमंत्री के विभाग?'

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने मंत्रिमंडल विस्तार में देरी और सीमित मंत्रियों की संख्या को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्होंने कहा कि जितने कम मंत्री होंगे, उनके सारे विभाग मुख्यमंत्री के पास चले जाएंगे। अब यह जानने की जरूरत है कि मुख्यमंत्री के पास जो विभाग हैं, उन्हें आखिर चला कौन रहा है? उन्होंने कहा कि चाहे वह माइनिंग हो या शिक्षा, सभी विभाग मुख्यमंत्री के पास हैं, तो फिर उनका संचालन कौन कर रहा है?

मेकाहारा अस्पताल में पत्रकारों के साथ हुई बदसलूकी और मारपीट की घटना पर भूपेश बघेल ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारों के साथ ऐसी घटना की मैं निंदा करता हूं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। बता दें कि रविवार रात कवरेज करने गए मीडियाकर्मी के साथ मेकाहारा अस्पताल में तैनात बाउंसरों ने धक्कामुक्की की और उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी थी। इस घटना को लेकर मीडियाकर्मियों में भारी आक्रोश रहा।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि "जिस पार्टी ने सत्ता में

बीजेपी ने दिया ये जवाब

रहते इस जनगणना का लगातार विरोध किया, वह अब श्रेय लेने की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस को अब इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। साव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने दशकों तक शासन किया, लेकिन पिछड़े वर्गों, दलितों और वंचितों की उपेक्षा की। वो केवल वोट बैंक के तौर पर इन वर्गों को देखते रहे। जब जनगणना का सही समय था, तब उन्होंने इसे नजरअंदाज किया और आज जब मोदी सरकार ने यह क्रांतिकारी निर्णय लिया है, तो कांग्रेस इसे राजनीतिक रूप देने में लगी है। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कांग्रेस पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि 1941 में आज़ादी से पहले आखिरी बार जातिगत जनगणना हुई थी। आजाज भारत में पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इतने वर्षों तक सत्ता में रहने के बावजूद इस पर कोई कदम नहीं उठाया। अब जब केंद्र सरकार ने साहसिक फैसला लिया है, तो कांग्रेस इसमें भी श्रेय लेने की होड़ में है।

बारात में जा रहा वाहन हादसे का शिकार

पहाड़ी ढलान पर पलटी गाड़ी, 15 साल के युवक की मौत, 4 घायल

पाकुड़, 28 मई (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले में बारात में जा रहा वाहन हादसे का शिकार हो गया। इस हादसे में 15 वर्षीय पहाड़िया युवक की मौत हो गई। लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के तेतुलकुड़िया पहाड़ी ढलान पर यह हादसा हुआ। दुर्घटना में चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार बड़ा खम्भी गांव से बाराती लेकर साहिबगंज जिले के बोरियों जा रही गाड़ी (जेएच 17 बी 1279) तेतुलकुड़िया पहाड़ी ढलान पर असंतुलित होकर पलट गई। हादसे में बड़ा खम्भी गांव निवासी धर्मा पहड़िया (15) की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों में कबरा पहड़िया (17), मैसा मालतो (22), पिरका पहड़िया (25) और मैसा मालतो (45) शामिल हैं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को वाहन से निकाला गया। सभी घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए पाकुड़ के सोना जोड़ी सदर अस्पताल रेफर किया गया।

छत्तीसगढ़ में नौतपे में आया मानसून, बारिश का अलर्ट

महाराष्ट्र के रास्ते दंतेवाड़ा पहुंचा, 29 जिलों में गरज-चमक के साथ गिर सकती है बिजली

रायपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नौतपे के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून 2025 ने समय से 12 दिन पहले ही दस्तक दे दी है। आमतौर पर 8 जून के आसपास पहुंचने वाला मानसून इस बार 28 मई को ही दंतेवाड़ा को पार कर गया है।मौसम विभाग ने इसकी पुष्टि की है। 29 जिलों में बारिश का भी अलर्ट है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, इस बार मानसून ने महाराष्ट्र के रास्ते होते हुए छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले से एंट्री ली। मौजूदा समय में मानसून की उत्तरी सीमा मुंबई, अहिल्यानगर, आदिलाबाद, दंतेवाड़ा, रायगढ़ा, अगरतला और गोलपारा तक पहुंच चुकी है। बस्तर संभाग मानसून की पहली बारिश से भीग चुका है

छत्तीसगढ़ में नौतपे के बीच पिछले पांच दिनों में लगभग 2,840 मिलीमीटर पानी बरस चुका है, जो मई में होने वाली सामान्य बारिश से लगभग 6 गुना ज्यादा है।

मौसम विभाग के मुताबिक मई में बारिश का सामान्य कोटा 430 मिमी से 450 मिमी के आसपास रहता है, लेकिन इस बार बारिश ज्यादा है।

वहीं मंगलवार को रायपुर समेत कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हुई। कोरबा जिले में बिजली गिरने से 8वीं के छात्र और एक महिला की मौत हो गई। वहीं अंबिकापुर में तेज बारिश से नदी-नालों में बाढ़ जैसी स्थिति है। बारिश के चलते तापमान में भी तेजी से गिरावट हुई है। आज भी प्रदेश के सभी जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, राजनांदगांव, रायपुर, बलौदा बाजार, जांजगीर-चांपा, बिलासपुर, दुर्ग, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली में गरज-चमक, बिजली और अचानक तेज हवा (30-40 केएमपीएच) के साथ बारिश की संभावना है।

साथ ही सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, बस्तर, नारायणपुर, कोंडागांव, धमतरी, बालोद, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, रायपुर, बेमेतरा, कबीरधाम, मुंगेली, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में बिजली और अचानक तेज हवा (30-40 केएमपीएच) की संभावना है। वहीं पिछले 24 घंटे की बात करें तो प्रदेश में 460 मिमी से अधिक बारिश हुई है। सबसे ज्यादा 60 मिमी बारिश सुहेला में हुई है।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

तीन लोग हुए घायल, पीड़ित परिवार का राष्ट्रपति से है गहरा 'नाता'

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 28 मई (एजेंसियां)। गौरेला के केंवची गांव के रहने वाले बैगा परिवार के लोग आज हादसे का शिकार हो गए। जिसमें एक गिट्टी से भरी ट्रैक्टर का इंजन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई तो वहीं ट्रैक्टर में बैठे तीन लोगों को चोट आई है। जिसमें से एक की हालात गम्भीर है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, गांव के सरपंच का ट्रैक्टर था और एटीआर के अंदर काम में लगा हुआ था। फिलहाल, अस्पताल से मिले मेमू के आधार पर गौरेला पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पूरा मामला गौरेला के वनांचल ग्राम केंवची का है। जहां के सरपंच दुर्गेश सिंह उइके की ट्रैक्टर आमाडोब रिसोर्ट से एटीआर अचानकमार टाइगर रिजर्व के अंदर स्थित रेझकी गांव के पास चल रहे वन विभाग के रपटा निर्माणकार्य में लगा हुआ था।

ट्रैक्टर आमाडोब रिसोर्ट के बाजू में डंप गिट्टी को ट्रैक्टर से जंगल के अंदर ले जाने के दौरान अप्रशिक्षित चालक से चलवाया जा रहा था। उसी दौरान ट्रैक्टर का इंजन अनियंत्रित होकर कच्चे सड़क पर पलट गया। हादसे में राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले बैगा आदिवासी सामाज के लोग बैठे हुए थे। मजदूरी में लगे हुए थे। ट्रैक्टर पलटने के बाद सभी को आनन-फानन में जिला अस्पताल लाया गया। जहां पर डॉक्टरों के द्वारा हादसे के दौरान ट्रैक्टर चला रहे मनीष बैगा उम्र 20 साल को मृत घोषित कर दिया। जबकि ट्रैक्टर में मजदूरी करने वाले 3 बैगा समाज के ही राजू बैगा उर्फ पकसु बैगा को सिर और सीने में गंभीर चोट आने के चलते प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर कर दिया गया। अखिलेश बैगा उम्र 22 साल के सिर और हाथ में चोट आई है, जबकि अप्रेस बैगा 20 साल को मामूली चोट ही लगी है। वहीं गौरेला पुलिस अस्पताल से मिले मेमू के आधार पर इस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

रांची सहित 8 जिलों में बारिश का अलर्ट

झारखंड में 30 मई तक बारिश की संभावना, आकाशीय बिजली गिरने की भी चेतावनी

रांची, 28 मई (एजेंसियां)। झारखंड भीषण गर्मी की मार नहीं झेलने वाला है। यहां अगले तीन दिन तक बारिश होती रहेगी। संभावना यह भी है कि कुछ इलाके में बारिश होगी तो वहीं कुछ इलाके उमस की चपेट में रहेंगे। मौसम विभाग ने बताया है कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव वाला क्षेत्र बनने से झारखंड में बारिश हो रही है।

मौसम में यह बदलाव 30 मई तक जारी रहेगा। झारखंड के कई इलाकों में मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं कई इलाकों में गर्मी और उमस से लोग बेहाल रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार आज गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और रांची के कुछ हिस्सों में मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। विभाग ने इन इलाकों में यलो अलर्ट जारी किया है। आज के अतिरिक्त 29 मई को संथाल परगना के सभी जिलों में बारिश हो सकती है। जबकि 30 मई को गिरिडीह, देवघर, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज और पाकुड़ में मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। कई स्थानों पर वज्रपात की भी संभावना है। राजधानी रांची में दोपहर बाद आकाश में बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो सकती है।

बीते 24 घंटे के दौरान झारखंड में कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई है। वहीं कई ऐसे जगह हैं जहां भारी बारिश हुआ है। सबसे अधिक बारिश हजारीबाग के कोनार में हुई। यहां 65.4 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं सबसे अधिक तापमान 37.0 सराइकेला का रहा। सबसे कम तापमान 21.6 गुमला में दर्ज किया गया है। मंगलवार को राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

लगातार हो रही बारिश की वजह से राज्य का तापमान लंबे समय से 35 डिग्री के आसपास रह रहा है। पूरे झारखंड राज्य का अधिकतम तापमान लगभग 33 से 35 डिग्री के बीच में है, लेकिन बारिश की वजह से अधिकतम तापमान 31 डिग्री तक गिर सकता है। इससे लोगों को दोपहर की गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20 डिग्री तक जा सकता है।

मजदूर की बेटी सलोनी ने रचा इतिहास

10वीं में 96 .60% अंक लाकर बनी गोड्डा टॉपर, बनना चाहती हैं डॉक्टर

गोड्डा, 28 मई (एजेंसियां)। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जेएसी) की मैट्रिक परीक्षा में गोड्डा जिले के नीमाकाला गांव की सलोनी ने जिलेभर में टॉप कर नया कीर्तिमान रच दिया है।

सिद्धू कान्हू सरस्वती विद्या मंदिर ललमटिया की छात्रा सलोनी को 500 में से 483 अंक मिले हैं। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सलोनी की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है। सलोनी के पिता प्रमोद पंडित मजदूरी करते हैं और इसी आमदनी से अपने दो बच्चों की पढ़ाई और पूरे परिवार का खर्च उठाते हैं। सलोनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और खुद की मेहनत को दिया है।

रायगढ़ लौटते वक्त मुख्यमंत्री साय ने ढाबे पर खाया खाना

लोगों से किया संवाद

भाटापारा, 28 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ से लौटते समय बलौदा बाजार जिले के सिमगा के पास एक ढाबे में अचानक रुककर भोजन किया और आमजनों से आत्मीय मुलाकात की। खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर उड़ान संभव न होने पर उन्होंने सड़क मार्ग से यात्रा की। ढाबे पर रुककर उन्होंने स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया और लगभग आधे घंटे तक लोगों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजनों से मिलना उनके लिए औपचारिकता नहीं, बल्कि आत्मीयता का प्रतीक है। उनका यह सादगीपूर्ण अंदाज जनविश्वास को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

हनुमान मंदिर तोड़ने पर बवाल

हिंदू संगठन ने चर्च का क्रॉस तोड़ा, भगवा गमछे को झंडा बनाकर लगाया, पुलिस से कार्यकर्ताओं की झूमाझटकी

रायगढ़, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में भगवान हनुमान की मूर्ति स्थापित करने के लिए बने मंदिर को तोड़ दिया गया है। नाराज हिन्दू संगठन के लोगों ने क्रिश्चियन समाज पर तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया है। इसके बाद विरोध में हिंदू संगठन ने चर्च के क्रॉस को तोड़ दिया। चर्च के ऊपर भगवा गमछे को झंडा बनाकर लगा दिया। जिससे तनाव की स्थिति बन गई है।

सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची, तो समझाइश के दौरान हिन्दू संगठन के लोगों के बीच झड़प हो गई। वहीं, सरपंच का कहना है कि, जिसने मंदिर बनाया, वो पहले हिंदू था, अब ईसाई धर्म अपना लिया है। इसलिए उसी ने मंदिर को तोड़ा है। फिलहाल, पुलिस मामले को शांत कराने में जुटी है। घटना जूटमिल थाना इलाके की है।

जानकारी के मुताबिक, भाटनपाली गांव में बुधवार की सुबह ग्रामीणों को गांव में बना हनुमान मंदिर टूटा मिला। जैसे ही इसकी खबर गांव फैली, तो लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इस मामले की सूचना पुलिस और हिन्दू सगंठन को भी दी गई। जिस पर हिन्दू संगठन के लोगों घटना स्थल पर पहुंचकर हंगामा शुरू कर दिया।

बताया जा रहा है कि, मंदिर के ठीक सामने एक चर्च है। इसलिए हिंदू संगठन ने उन्हीं पर मंदिर को नुकसान पहुंचाने आरोप लगाया। इस दौरान एसडीएम मौके पर आए, तो एसडीएम ने बताया कि, पट्टे की जमीन पर चर्च बना है। जबकि पटवारी ने बताया कि, जिस जमीन पर चर्च है, वो किसी रोहित शाह की जमीन है।

जिसके बाद हिन्दू संगठन के लोगों ने हंगामा करते हुए चर्च में लगे क्रॉस को तोड़ दिया। जिससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान पुलिस और हिन्दू संगठन के लोगों के बीच झड़प हो गई। पुलिस सभी को समझाइश देने में लगी है।

इधर, सरपंच जसकेतन झरिया का कहना है कि, इस मंदिर को निर्मल सारथी ने तब बनवाया गया था, जब वह हिंदू धर्म में था। तबीयत खराब रहने के कारण निर्मल ने धर्म परिवर्तन किया। चंगाई सभा में जाने के बाद ईसाई धर्म अपना लिया। अब उसने खुद ही जेसीबी से मंदिर तोड़ दिया है। पुलिस ने उसे अपने साथ ले गई है। इस मामले में सीएसपी आकाश शुक्ला ने बताया कि, हनुमान जी के लिए बने मंदिर में प्रतिमा नहीं है। अभी मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा नहीं हुई है। फिलहाल, सभी को समझाइश देते हुए शांत कराया जा रहा है।

10 हजार सरकारी स्कूल होंगे मर्ज, शिक्षकों का हल्ला-बोल

मंत्रालय घेरने हजारों की संख्या में निकले टीचर, थ्री लेयर में पुलिस, पहली लेयर तोड़कर आगे बढ़े

रायपुर, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने 10 हजार से ज्यादा स्कूलों का युक्तिसंगतकरण करने का फैसला किया है। इससे 43 हजार से ज्यादा शिक्षकों के पद भी खत्म हो सकते हैं। इसके विरोध में 10 हजार से ज्यादा शिक्षक मंत्रालय घेरने निकल पड़े हैं। 3 लेयर में पुलिस बल तैनात है, लेकिन शिक्षकों ने पहली लेयर तोड़ दी है।

टूटा में धरना स्थल से सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निकले हैं। शिक्षकों का कहना है कि यह फैसला शिक्षकों की गुणवत्ता से खिलवाड़ और सरकारी स्कूलों को कमजोर करने की कोशिश है। 2 शिक्षकों के लिए 18 कक्षाएं लेना संभव नहीं है। पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव ने कहा कि नई व्यवस्था अन्यायपूर्ण है। यह छत्तीसगढ़ के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। वहीं सरकार इसे स्कूली शिक्षा की बेहतरी के लिए उठाया गया कदम बता रही है। युक्तियुक्तकरण एक सरकारी शब्द है। आसान भाषा में समझा जाए तो इसका मतलब है दो चीजों को साथ में मर्ज कर देना, एक सिस्टम के तहत। उदाहरण से समझिए, किसी कंपनी के एक ही शहर में दो ऑफिस हैं। संसाधन और मैन पावर दोनों ऑफिस में अलग-अलग बंट रहे हैं। लेकिन कंपनी को इसकी नीड नहीं है। ऐसे में कंपनी दोनों ऑफिस को एक कैंपस में मर्ज कर देगी और मैन पावर को भी अपने सिस्टम के हिसाब से फिल्टर कर देगी। यही युक्तियुक्तकरण है। जिसे अंग्रेजी भाषा में रेशनेलाइजेशन कहते हैं। कंपनी के लिहाज से देखा जाए तो उन्होंने अपना खर्च बचा लिया। एक ही कैंपस होने से मैनेजमेंट आसान हो गया। मैन पावर भी घट गया। यानी पॉजिटिव चेंज है।

लेकिन अब इसी चीज को कर्मचारियों के नजर से देखिए। कर्मचारी के साथ हुआ यह कि कुछ की नौकरी चली गई। कुछ को अब घर से लंबा सफर तय कर ऑफिस आना पड़ेगा। इसके अलावा कंपनी अलग-अलग ऑफिस के लिए जो वैकेंसी निकालती थी, वो अब एक ही ऑफिस के लिए निकालेगी।

पिकअप वैन ने महिला को कुचला

प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वयंसेवक की मौत, लोगों ने किया सड़क जाम

जामताड़ा, 28 मई (एजेंसियां)। जामताड़ा थाना क्षेत्र के ब्लॉक रोड पर पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास रात 8 बजे एक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार पिकअप वैन ने एक महिला को टक्कर मार दी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतका की पहचान प्रमिला सोरेन (39) के रूप में हुई है। वह जामताड़ा प्रखंड के सुखजोड़ा पंचायत के जुरगुडीह गांव की रहने वाली थी। प्रमिला प्रधानमंत्री आवास योजना में स्वयंसेवक के रूप में काम करती थी। वह घटनास्थल के पास ही एक किराए के मकान में रहती थी। हादसे के बाद घायल महिला को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर किया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना में शामिल वाहन को जामताड़ा-नारायणपुर रोड पर पकड़ लिया।

आक्रोशित लोगों ने पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास सड़क जाम कर दिया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब घोटाला मामले में एसीबी एक्शन का बढ़ा दायरा

विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित 8 लोगों की संपत्ति की जांच शुरू, निवेश करने की आशंका

रांची, 28 मई (एजेंसियां)। शराब घोटाला के आरोप में जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। वहीं एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी जांच का दायरा भी बढ़ा दिया है। एसीबी ने रांची के सभी निबंधन कार्यालयों को पत्र लिखकर आईएएस विनय चौबे और उनके परिवार के सदस्यों के नाम खरीदी गई संपत्ति की जानकारी मांगी है। जानकारी के मुताबिक एसीबी जिन लोगों की संपत्ति की जांच शुरू की है, उसमें आईएएस विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित आठ लोग शामिल हैं।

एसीबी सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी ने निबंधन कार्यालय को चौबे व परिवार के सदस्यों का पैन नंबर भी उपलब्ध कराया है, ताकि खरीद-बिक्री की गई संपत्ति डिटेल निकालने में आसानी होगी। एसीबी ने संपत्ति से जुड़े दस्तावेज की सर्टिफाइड कॉपी भी मांगी है। संपत्ति का डिटेल मिलने के बाद संपत्ति की कीमत का मूल्यांकन किया जाएगा।

इस दौरान जांच एजेंसी देखेगी कि चौबे की आय और खरीदी गई संपत्ति पर खर्च हुई राशि में कोई अंतर है या नहीं। दरअसल, विनय चौबे के परिवार के नाम तीन से चार संपत्ति के दस्तावेज रजिस्टर्ड हुए है। हालांकि, कुछ दस्तावेज ऐसे हैं जो उनके करीबी के नाम पर हैं।

एसीबी ने उत्पाद विभाग के पांच अफसरों को नोटिस भेजा है। इनमें धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह, शीपिज त्रिवेदी, विनय कुमार सिंह और उपेंद्र शर्मा शामिल हैं। इनसे 38 करोड़ रुपए के राजस्व घोटाले के संबंध में पूछताछ की जाएगी। एसीबी पूर्व सचिव विनय चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार व प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को गिरफ्तार कर चुका है।

एसीबी ने फर्जी बैंक गारंटी की वजह से सरकार को 38.44 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान होने की प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें 13 पर नामजद व अन्य पर केस दर्ज किया गया। एसीबी को जांच में जानकारी मिली है कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह ने पद का दुरुपयोग कर ऐसी प्लेसमेंट एजेंसियों को ठेका दिया, जिन्होंने फर्जी बैंक गारंटी दी।

सियालदह बलिया एक्सप्रेस के इंजन में मिला शव

मधुपुर-जोड़ोमो रेलवे स्टेशन के बीच हुआ था हादसा, मृतक की नहीं हो सकी है पहचान

देवघर, 28 मई (एजेंसियां)। मधुपुर-आसनसोल रेल खंड पर एक दर्दनाक हादसे में 55 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना मधुपुर और जोड़ोमो रेलवे स्टेशन के बीच पोल संख्या 284/27 के पास घटी, जब सियालदह से बलिया जाने वाली सियालदह-बलिया एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 13105) के इंजन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना का पता तब चला जब ट्रेन मधुपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची। ट्रेन के ड्राइवर ने इंजन की नियमित जांच के दौरान केटल गार्ड में फंसे एक शव को देखा। यह देख वह तुरंत सतर्क हुआ और मधुपुर स्टेशन मास्टर को इस गंभीर स्थिति की जानकारी दी। स्टेशन प्रशासन ने तत्काल आरपीएफ और जीआरपी को सूचित किया।

सूचना मिलते ही मधुपुर आरपीएफ के इंस्पेक्टर हरेंद्र कुमार सिंह, सब-इंस्पेक्टर धर्मेंद्र प्रसाद और एएसआई शौकत कमाल मौके पर पहुंचे। साथ ही, जीआरपी थाने से सब-इंस्पेक्टर अरबिंद सिंह, टीआई रवि शेखर और सीएलआई आरएन दास भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने शव को इंजन से बाहर निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए जीआरपी थाना लाया गया। मृतक की उम्र लगभग 55 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। शव को पहचान के लिए थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। पुलिस आसपास के इलाकों में पूछताछ कर रही है और रेलवे ट्रैक के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाया जा सके। प्रथम दृष्टया यह मामला ट्रेन से कटने का प्रतीत होता है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

शादी नहीं कराने पर पिता को कुल्हाड़ी से काट डाला

कोरबा, 28 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक युवक ने अपने पिता को कुल्हाड़ी से काट डाला। हत्यारा बेटा बोला पिता शादी नहीं करा रहे थे, मैं कब तक खाना बनाता। शादी नहीं कराने से परेशान होकर मैंने पिता को मार दिया। मामला बालको थाना क्षेत्र के दोंदरो गांव का है। मिली जानकारी के मुताबिक हत्यारे बेटे का नाम अशोक केवट (30) है। उसने पिता दिलचंद केवट (55) की हत्या की है। कोरबा कोर्ट के अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार ने बुधवार को करीब 11 महीने बाद हत्यारे बेटे को उम्र कैद की सजा सुनाई है।

ऑपरेशन सिंदूर ने पाक एयरफोर्स को 5 साल पीछे धकेला

रिपोर्ट में दावा- भारतीय हमले के दौरान लाचार हो गई थी पाकिस्तानी वायुसेना

नई दिल्ली, 28 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया है। सबसे ज्यादा नुकसान पाकिस्तानी एयरफोर्स को हुआ है। एएनआई ने ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े अधिकारियों के हवाले से एक रिपोर्ट में बताया है कि भारत के हमले के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना लाचार हो गई थी। उसे समझ में ही नहीं आ रहा था कि हमले का बचाव कैसे किया जाए।

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना ने हवा से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइलों, लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों और अलग-अलग तरह के घूमते रहने वाले हथियारों का इस्तेमाल किया।

रक्षा सूत्रों ने एएनआई को बताया कि भारतीय वायुसेना ने लगातार चार दिन तक पाकिस्तान में बहुत सटीक हमले किए। इस हमले से पाकिस्तान को इतना नुकसान हुआ है कि उबरने में उसे कम से कम 5 साल लग जाएंगे।

भारत-पाकिस्तान के बीच सबसे बड़ी लड़ाई 9 और 10 मई की रात को हुई, जो 10 मई की दोपहर तक चली। भारत ने इस दौरान पाकिस्तान के अलग-अलग इलाकों में बने एयरबेस को

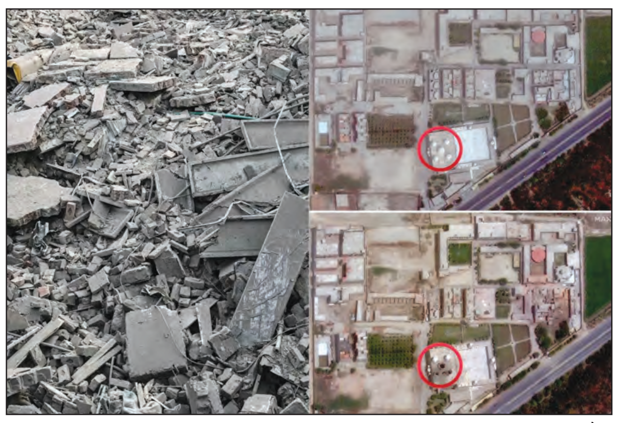

निशाना बनाया। भारत ने इस दौरान यह संदेश दे दिया वह कहीं भी जा सकता है और पाकिस्तान उसे रोक नहीं सकता।

भारतीय वायुसेना ने तय किया था कि सबसे पहले पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को खत्म किया जाएगा। ये पाकिस्तान की पूरी सीमा पर तैनात था, इसमें पुराने अमेरिकी और चीनी रडार सिस्टम और चीन से मिली सतह से हवा में मार करने वाली एचक्यू-9 मिसाइलें शामिल थीं, जिनकी मारक क्षमता 250 किलोमीटर से ज्यादा थी।

भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तानी पंजाब में मौजूद रडार स्टेशनों पर हमला किया और इन्हें नष्ट करने के लिए हैरोप और हार्पी ड्रोन इस्तेमाल किया। करीब चार से पांच रडार स्टेशन और एक चीनी मिसाइल सिस्टम का लॉन्चर भारत ने तबाह कर दिया।

लाहौर जैसे बड़े शहर में एयर डिफेंस सिस्टम को खत्म कर दिए जाने के बाद पाकिस्तान की एयर फोर्स की निगरानी क्षमता काफी घट गई।

आतंकियों के ठिकानों पर हमले से शुरुआत

भारत ने पाकिस्तान पर हमले की शुरुआत 6 और 7 मई की रात से की। भारत ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर हमला किया था। इन ठिकानों में पाकिस्तान के पंजाब राज्य के बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाके भी शामिल थे।

इसके जवाब में 8 मई की शाम को पाकिस्तान ने भारत के एयर डिफेंस सिस्टम पर हमला करने की कोशिश की। उसने तुर्किये और चीन के ड्रोन का इस्तेमाल किया, लेकिन इसमें उसे कामयाबी नहीं मिली।

भारत की वायु रक्षा पूरी तरह से एक्टिव थी और छोटे हथियारों से लेकर बड़े एयर डिफेंस सिस्टम तक हर हथियार तैयार था। इन हथियारों ने पाकिस्तान के ड्रोन को काफी नुकसान पहुंचाया।

भारतीय सेना ने भी सीमा के दूसरी तरफ भारी तोपों और रॉकेट लॉन्चरों का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान की सेना को बुरी तरह से उलझा कर रखा और उसे बड़ा नुकसान पहुंचाया।

9 मई को भारतीय वायुसेना ने आक्रामक कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के चकलाला, सरगोधा और मुरीद हवाई अड्डों पर हमला किया। इन ठिकानों पर मौजूद कमांड और कंट्रोल केंद्र (सी2 सेंटर) नष्ट कर दिए गए।

भारत ने इन ठिकानों को तीन प्रमुख हथियारों से निशाना बनाया – इनमें दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें, रैम्पेज और स्कैल्प शामिल हैं। मिराज, राफेल, एसयू-30 और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमानों को पिछले कुछ सालों में इन मिसाइलों से लैस किया गया है।

गाजा में खाने के लिए मची भगदड़, 3 की मौत

46 घायल, 7 लापता, इजराइली सैनिकों ने हवाई फायर किया था, यूएन ने निंदा की

राफा, 28 मई (एजेंसियां)। गाजा के राफा में मंगलवार को खाना लेने पहुंचे लोगों में भगदड़ मचने से 3 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 46 लोग घायल और 7 लापता हो गए हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सैनिकों के हवा में फायर करने के बाद यह भगदड़ बची। इजराइली सेना ने कहा कि उसके सैनिकों ने वितरण स्थल के बाहर के क्षेत्र में चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई थीं।

राफा में अमेरिका की मदद से एड सेंटर पर हजारों फिलिस्तीनी खाने के लिए दौड़ पड़े। गाजा के सरकारी मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा, राफा में आज जो कुछ हुआ, वह एक जानबूझकर किया गया नरसंहार और एक पूर्ण युद्ध अपराध है।

गाजा में फिलहाल एक हफ्ते के लिए मदद पहुंचाई जाएगी। इस दौरान इजराइल गाजा में खाना बांटने के लिए नए वितरण केंद्र बनाएगा। ये सेंटर इजराइली सेना की निगरानी में रहेंगे। इसका संचालन अमेरिकी कंपनियां करेंगी।

नई व्यवस्था के तहत गाजा के लोगों को गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के जरिए मदद दी जाएगी। हालांकि कई सहायता एजेंसियों ने इस योजना

की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे मानवाधिकार का उल्लंघन होता है।

पिछले ढाई महीने में गाजा में यूएन और बाकी एजेंसियों के खाद्य भंडार पूरी तरह से खत्म हो गए हैं। खाने-पीने के सामानों की कमी के चलते गाजा में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है।

इस वजह से अमेरिका समेत कई देशों का इजराइल पर दबाव बढ़ रहा था, जिसके बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को गाजा पट्टी में जरूरी मदद फिर से शुरू करने का आदेश दिया।

नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में मदद पहुंचाना जरूरी है ताकि गाजा में भूख की स्थिति न पैदा हो, क्योंकि इससे हमास के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइल यह सुनिश्चित करेगा कि मदद सिर्फ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और हमास को न मिले।

हमास इजराइल के साथ सीजफायर के लिए तैयार

फिलिस्तीन के उग्रवादी संगठन हमास ने अमेरिका की तरफ से गाजा में युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। यह प्रस्ताव ट्रम्प के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने दिया था। इस नए प्रस्ताव में 10 इजराइली बंधकों की रिहाई और 70 दिन का युद्धविराम शामिल है।

रॉयटर्स के मुताबिक इस प्रस्ताव में इजराइल की तरफ से कई फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई का मुद्दा भी शामिल है, जिनमें लंबी सजा काट रहे सैकड़ों कैदी शामिल हैं।

इससे पहले इजराइल और हमास के बीच 19 जनवरी को सीजफायर हुआ था। हालांकि दो महीने बाद यानी 18 मार्च को इजराइल ने गाजा में कई जगह पर मिसाइल अटैक करके इसे तोड़ दिया था।

इजराइल ने गाजा पट्टी के 77% हिस्से पर कंट्रोल हासिल कर लिया है। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक यह दावा गाजा के सरकारी मीडिया ऑफिस ने रविवार को किया।

बयान में कहा गया है कि इजराइली सेना ने बफर जोन, सुरक्षा कॉरिडोर और भारी गोलाबारी के जरिए गाजा के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों को अपने कब्जे में लिया है।

इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है, जिससे मानवीय संकट भयावह हो गया है। बीते हफ्ते शनिवार और रविवार (24-25 मई 2025) को इजराइली हवाई हमलों में कम से कम 182 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं।

पाक पीएम अजरबैजान के दौरे पर पहुंचे

भारत के साथ संघर्ष में साथ देने पर शुक्रिया कहा, आज ताजिकिस्तान पहुंचेंगे

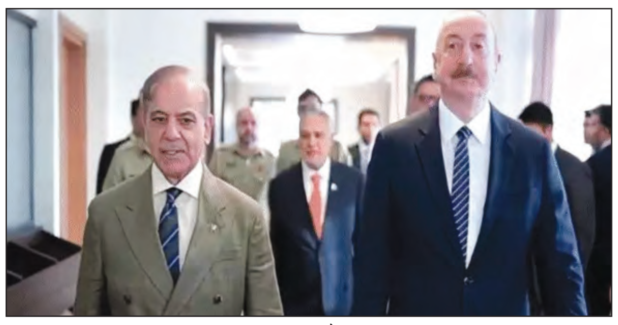

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को अजरबैजान दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की और भारत के साथ सैन्य संघर्ष में समर्थन के लिए आभार जताया।

पाकिस्तानी पीएम ने कहा कि दोनों देश हर मौके पर एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं और आगे भी ऐसा करेंगे। उन्होंने आज होने वाले अजरबैजान गणतंत्र दिवस के लिए राष्ट्रपति अलीयेव को बधाई दी।

बैठक में दोनों नेताओं ने आपसी साझेदारी को और आगे बढ़ाने पर बात की। इस बैठक में सेना प्रमुख आसिम मुनीर, उप-प्रधानमंत्री इशाक डार और सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार भी मौजूद थे। शरीफ 25 से 30 मई तक चार देशों के दौरे पर हैं। इससे पहले वो तुर्किये और ईरान जा चुके हैं। आज वो ताजिकिस्तान पहुंचेंगे। यहां वो राजधानी दुशान्बे में ग्लेशियर्स पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भी शामिल होंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को कश्मीर और जल सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत की इच्छा जताई थी। शरीफ ईरान दौरे पर पहुंचे थे। यहां ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के साथ राजधानी तेहरान में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने यह बात कही थी। शरीफ ने भारत के साथ सैन्य संघर्ष के दौरान ईरान के समर्थन के लिए पजशकियान का आभार जताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्ते हैं। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी के हालिया बयान पर एतराज जताया था। पाक विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि पीएम मोदी ने जिस तरह से हिंसा की बात की, वह एक न्यूक्लियर ताकत रखने वाले देश के नेता को शोभा नहीं देता। दरअसल पीएम मोदी ने सोमवार को गुजरात में सभा के दौरान कहा था कि भारत पर आंख उठाने वाले को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

ईरान से 3 भारतीय लापता

दूतावास ने तेहरान से कहा- तत्काल पता लगाएं और सुरक्षा सुनिश्चित करें

तेहरान, 28 मई (एजेंसियां)। ईरान से तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। इन तीनों नागरिकों का कोई सुराग नहीं मिल रहा है। इस पर तेहरान में भारतीय दूतावास ने बुधवार को कहा कि वह ईरान की यात्रा के बाद लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों का पता लगाने के लिए ईरानी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है। दरअसल, तेहरान में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भी काफी सक्रिय है। कुलभूषण जाधव का केस इसका एक उदाहरण है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों ने कैसे उनका ईरान से अपहरण किया और भारत का एजेंट करार दिया था।

भारतीय दूतावास द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, लापता व्यक्तियों के परिवार के सदस्यों ने अपने रिश्तेदारों के अचानक लापता होने की चिंता के साथ मिशन से संपर्क किया। बयान में कहा गया है, तीन भारतीय नागरिकों के परिवार के सदस्यों ने भारतीय दूतावास को सूचित किया है कि ईरान की यात्रा के बाद उनके रिश्तेदार लापता हैं।

इसके जवाब में, दूतावास ने ईरानी सरकार के साथ मामले को दृढ़ता से उठाया है, उनके ठिकाने की तत्काल और गहन जांच का आग्रह किया है। बयान में कहा गया है, दूतावास ने इस मामले को ईरानी अधिकारियों के साथ दृढ़ता से उठाया है और अनुरोध किया है कि लापता भारतीयों का तत्काल पता लगाया जाना चाहिए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। हालांकि इस समय लापता व्यक्तियों की पहचान का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि वे परिवारों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं और उन्हें घटनाक्रम के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

चीन ने हथियारों के बाद पाकिस्तान के लिए खोला खजाना

3 .7 अरब डॉलर का देगा कर्ज अमेरिका के खिलाफ ड्रैगन की चाल

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ सैन्य टकराव के बाद पाकिस्तान पर चीन मेहरबान हो गया है। हथियारों के बाद अब चीन पाकिस्तान के लिए खजाना खोल रह है। बीजिंग ने पाकिस्तान को जून के अंत से पहले 3.7 अरब डॉलर का कमर्शियल लोन देने का आश्वासन दिया है। इसमें अगले महीने मेच्योर होने वाली 2.4 अरब डॉलर की राशि शामिल है। पाकिस्तान को यह कर्ज चीनी मुद्रा में उपलब्ध कराया जाएगा। चीन ने पाकिस्तान को डॉलर के बजाय चीनी मुद्रा युआन में कर्ज देकर अमेरिका के खिलाफ चाल चली है। यह डॉलर को अर्थव्यवस्था से अलग करने के चीनी अभियान का हिस्सा है।

चीन ने दिया पाकिस्तान को भरोसा

पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने सरकारी सूत्रों के हवाले से बताया कि चीन ने हाल की बैठकों के दौरान यह आश्वासन दिया है, जिसका उद्देश्य मार्च और जून 2025 के बीच मेच्योर होने वाले कर्जों की रिफाइनेंसिंग को सुरक्षित करना है।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान ने इस साल मार्च और अप्रैल के बीच तीन किस्तों में

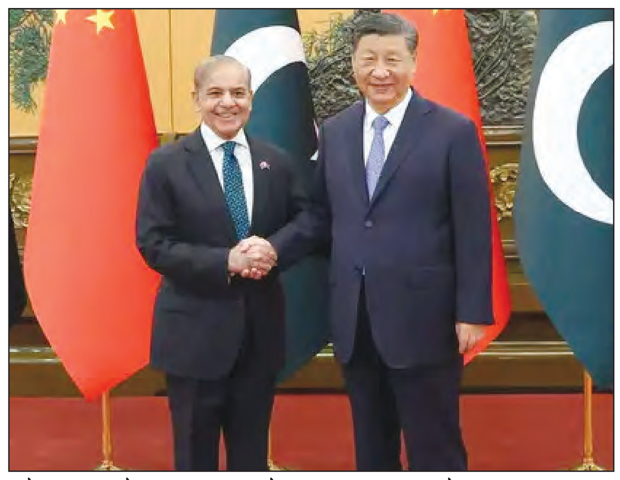

औद्योगिक और वाणिज्यिक बैंक ऑफ चाइना (आईएसबीसी) का 1.3 अरब डॉलर का कर्ज पहले ही वापस कर दिया है।

इसी महीने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने 1 अरब डॉलर के कर्ज को मंजूरी दी थी, जिसके बाद पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक के भंडार 11.4 अरब डॉलर रहा था। चीनी वित्त के बाद इस यह 12.7 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि तीन वाणिज्यिक बैंकों का 2.1 अरब डॉलर या 15 अरब चीनी युआन का कर्ज जून में पूरा हो रहा है। सूत्रों ने कहा है कि चीन यह कर्ज तीन साल के लिए बढ़ा रहा है।

चीन का कर्ज क्यों है जरूरी?

पाकिस्तान के लिए जून के अंत तक अपने मुद्रा भंडार को दोहरे अंक में बनाए रखने के लिए चीन कर्ज का समय पर पुनर्वित्तपोषण जरूरी था।

अगर चीन राहत नहीं देता तो पाकिस्तानी भंडार 10 अरब डॉलर से नीचे चला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान ने इस वित्तीय वर्ष में अपने भंडार को 14 अरब डॉलर के करीब ले जाने की प्रतिबद्धता जाहिर की है।

इंसानी हड्डियों से बने ड्रग की तस्करी करती थी 21 साल की ब्रिटिश लड़की

श्रीलंका में गिरफ्तार

कोलंबो, 28 मई (एजेंसियां)। श्रीलंका में एक 21 साल की ब्रिटिश लड़की को इंसानी हड्डियों से बने सिंथेटिक ड्रग की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। फ्लाइट अटेंडेंट रह चुकी चार्लोट मे ली लगभग 45 ग्राम ड्रग के साथ पकड़ी गई है।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक उसे इसी महीने की शुरुआत में राजधानी कोलंबो के भंडारनायके एयरपोर्ट पर पकड़ा गया था।

चार्लोट की 25 साल की सजा हो सकती है। उसके पास से बरामद हुए ड्रग की कीमत करीब 28 करोड़ रुपए है। लड़की ने दावा किया है कि उसे बिना बताए उसके बैग में यह ड्रग रखा गया था।

मुझे गोली मार दो, यहीं दफना दो

बांग्लादेश पीएम पद से इस्तीफे की बात सुन सेना पर भड़क गई थीं शेख हसीना

ढाका, 28 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पिछले साल 5 अगस्त इस्तीफा देकर देश छोड़ने से पहले सैन्य अफसरों से तीखी बहस हुई थी। जब सेना के अधिकारियों ने हिंसक छात्र प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना से इस्तीफा देने को कहा तो उन्होंने गुस्से में कहा था- 'मुझे गोली मार दो और यहीं गणभवन में दफना दो।' बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने एक सुनवाई के दौरान ये खुलासा किया है। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट प्रथम अलो की रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

पिछले साल हिंसक छात्र प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को 5 अगस्त को इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा था। उसी दिन

वह बांग्लादेश की सेना के विमान से भारत पहुंची थीं और तब से नई दिल्ली में अज्ञात स्थान पर रह रही हैं। शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के कुछ घंटों के अंदर ही प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास गणभवन में घुस गए थे और तोड़फोड़ शुरू की थी। पीएम आवास को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया गया था।

बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) में सुनवाई शुरू हुई है। सुनवाई के दौरान मुख्य अभियोजक ने बांग्लादेश पीएम आवास में शेख हसीना के आखिरी घंटों के बारे में पता चलता है। प्रथम अलो की रिपोर्ट के अनुसार, तत्कालीन स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी ने सबसे पहले शेख हसीना से इस्तीफा देने की सलाह दी थी। हालांकि, महासचिव ओबैदुल कादर समेत अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने इस विचार का कड़ा विरोध किया।

ताजुल इस्लाम ने कहा कि 4-5 अगस्त रात में 12.15 बजे की बजे सशस्त्र बलों के प्रमुख की बैठक हुई, जिसमें तत्कालीन रक्षा सलाहकार मेजर जनरल तारिक अहमद सिद्दीकी (रिटायर्ड) ने शेख हसीना के इस्तीफे के मुद्दे को उठाया। इस दौरान वह गुस्से में आ गईं और इनकार कर दिया। उन्होंने सेना प्रमुख को प्रदर्शनों को कुचलने का आदेश दिया। सिद्दीकी ने कथित तौर पर सेना को प्रदर्शनकारियों को गोली मारने का सुझाव किया।

इस दौरान हेलीकॉप्टरों से गोलीबारी का प्रस्ताव रखा गया, जिस पर वायु सेना प्रमुख भड़क गए। उन्होंने हसीना से कहा, उन्होंने (तारिक) आपको डुबो दिया है और वह आप फिर से डुबो देगा। मुख्य अभियोजक ने कहा कि ओबैदुल कादर, असदुज्जमां खान, अनीसुल हक और सलमान एफ रहमान ने हसीना को कठोर रुख जारी रखने की सलाह दी। अभियोजन ने इन चारों को 'गैंग ऑफ फोर' कहा है।

ऑस्ट्रेलिया की मुस्लिम सांसद फातिमा का आरोप- साथी सांसद ने शराब पीने और टेबल पर चढ़कर नाचने को कहा

कैनबरा, 28 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की एक महिला सांसद फातिमा पेमन ने एक सीनियर पुरुष सांसद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक कार्यक्रम के दौरान सांसद ने उनके साथ अश्लील और नस्लीय टिप्पणी की।

एबीसी न्यूज के मुताबिक, फातिमा ने कहा कि सांसद नशे में था। उसने उन्हें शराब पीने और

टेबल पर नाचने को कहा। इस पर उन्होंने सांसद को हद में रहने को कहा और बाद में संसद में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

फातिमा ने उस सांसद के नाम का खुलासा नहीं किया है। फातिमा मुस्लिम हैं और अफगान मूल की हैं। फातिमा 2022 में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया से लेबर पार्टी की सीनेटर चुनी गई थीं और उस समय सबसे कम उम्र की सांसद थीं। फातिमा ने साल 2024 में लेबर पार्टी छोड़ दी थी, क्योंकि उनकी पार्टी फिलिस्तीन को एक अलग देश मानने के खिलाफ थी।

खातूनों को ड्राइविंग की आजादी, डिप्लोमैट को पीने की आजादी

मुल्क को मॉर्डन बनाने के लिए क्राउन प्रिंस सलमान के 5 क्रांति वाले कदम

रियाद, 28 मई (एजेंसियां)। कभी अति रुढ़िवादी रहा सऊदी समाज अब धीरे-धीरे अपने को खोल रहा है। अब रियाद पॉप डीवा जेनिफर लोपेज के सिजलिंग डांस को होस्ट करता दिख रहा है, तो अब वहां डिप्लोमैट को पीने की भी आजादी है। क्राउन प्रिंस सलमान के इन फैसलों में सऊदी अरब की इस्लामी परंपराएं अब आधुनिकता के साथ संतुलन बना रही हैं।

सऊदी एक ऐसा देश जो लंबे समय तक अपनी रूढ़िवादी परंपराओं और सख्त इस्लामी नियमों के लिए जाना जाता था।

कुछ ही दिन पहले यहां से एक ऐसी खबर आई जिसने इस इस्लामिक मुल्क में क्रांतिकारी बदलाव का संकेत दिया। रिपोर्ट ये थी कि सऊदी अरब अपने चुनिंदा स्थानों शराब की बिक्री की इजाजत देगा। गौरतलब है कि इस देश में पिछले 73 सालों से शराब पीने पर रोक है। लेकिन ये खबर कि सऊदी अरब 2034 के वर्ल्ड कप से पहले अपने 600 टूरिस्ट प्वाइंट पर लोगों को शराब पीने की इजाजत दे रहा है, लोगों को हैरान कर गई। सऊदी अरब समेत पूरे गल्फ देशों में इस रिपोर्ट ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। गौरतलब है कि सऊदी के शासक को इस्लाम के दो पवित्र मस्जिदों मक्का और मदीना के संरक्षक की उपाधि भी प्राप्त है।

बता दें कि इस्लाम में शराब का सेवन मजहबी मान्यताओं के विरुद्ध माना जाता है। इसलिए एक इस्लामिक देश में ऐसी अनुमति आश्चर्यजनक थी।

भारतीय सेना की बराबरी करोगे तो पाकिस्तान तबाह हो जाएगा

पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने डांटते हुए शहबाज और मुनीर आर्मी को बताई औकात

इस्लामाबाद, 28 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के पूर्व अध्यक्ष सैयद मोहम्मद शब्बर जैदी ने पाकिस्तानियों की भारत से मुकाबला करने वाली बातों को लेकर कड़ी फटकार लगाई है। उनके पोडकास्ट का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वो कह रहे हैं कि अगर पाकिस्तानी फौज का बजट भारत की सेना के बजट के बराबर कर दिया जाए तो इससे पाकिस्तान तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानियों की भारत से तुलना करने की बात ही गलत है और ये तुलना संभव ही

नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि 'आप आखिर भारत से कैसे लड़ना चाहते हैं? आपके लड़ाई का आधार क्या है?' उन्होंने कहा कि आपके पूर्वी बॉर्डर पर भारत है और आपकी सेना से उनकी सेना का बजट सात या 8 गुना ज्यादा है। उन्होंने पोडकास्ट के होस्ट से पूछा कि क्या आप भारत की बराबरी करना चाहते हैं? जिसपर इंटरव्यू कहता है कि 'करने की इच्छा तो है'। तो मोहम्मद शब्बर जैदी कहते हैं कि 'क्या आपके पास इतना पैसा है?'

मोहम्मद शब्बर जैदी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वो कहते नजर आ रहे हैं कि 'अकेले टाटा ग्रुप का रेवेन्यू पूरे पाकिस्तान की जीडीपी से ज्यादा है।' उनके इस वीडियो को भारतीय वायुसेना के पूर्व एयर मार्शल अनिल चोपड़ा ने भी शेयर किया है और लिखा है कि इस बंदे की सराहना की जानी चाहिए कि उसने पाकिस्तानियों के लिए एक अच्छी तरह से तर्क प्रस्तुत किया है।

'सरकार की मंशा नगर निकाय और पंचायत चुनाव टालने की'
ओबीसी आयोग के गठन पर भड़के डोटासरा

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने पंचायतों व शहरी निकायों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के सम्बन्ध में सुझाव और सिफारिश देने के लिए राज्य ओबीसी (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग का गठन कर उसमें अध्यक्ष और चार सदस्यों की नियुक्ति की है। जिसे लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की मंशा नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव टालने की है।

डोटासरा ने एक्स पर लिखा कि 'माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार बिना ओबीसी सर्वे के नगर निकाय एवं पंचायती चुनावों में आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। भाजपा को चाहिए था कि सरकार बनते ही ओबीसी सर्वे के लिए आयोग गठित कर सर्वेक्षण का काम शुरू करें, लेकिन डेढ़

साल में कोई काम नहीं हुआ।'

'सरकार की अब जाकर खुली नींद'

उन्होंने आगे लिखा कि 'अब जाकर सरकार की नींद खुली है, तो राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की गई है। लेकिन परिसीमन के प्रक्रिया के दौरान 3 माह की अवधि में ओबीसी की गणना सरकार की नीयत और पारदर्शिता पर गहरा प्रश्नचिन्ह लगाती है।'

डोटासरा चुनाव टालने का आरोप लगाते हुए कहा कि 'असल में भाजपा सरकार की मंशा नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव टालने की है।

पहले परिसीमन और फिर ओबीसी सर्वेक्षण के नाम पर भाजपा सरकार का उद्देश्य चुनावों को अटकाना और लोकतांत्रिक व्यवस्था में मनमुताबिक निर्णय करके संविधान की धज्जियां उड़ाना है।'

सरकार ने पूर्व डीजे मदनलाल को बनाया आयोग अध्यक्ष

राजस्थान सरकार ने सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश मदनलाल को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है, वहीं, मोहन मोरवाल, प्रो. राजीव सक्सेना, एडवोकेट गोपाल कृष्ण व पवन मंडाविया को सदस्य नियुक्त किया। सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने इस बारे में आदेश जारी किए हैं।

इसके अनुसार आयोग का कार्यकाल तीन माह का होगा, जिसे आगे बढ़ाया जा सकेगा। राज्य ओबीसी (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग का गठन पहली बार किया गया है, जो पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों में ओबीसी जातियों को आरक्षण देने से सम्बन्धित मैकेनज्मि तय करेगा।

महिला कांग्रेस की बनी नई टीम
9 उपाध्यक्ष, 3 महासचिव और 16 जिलाध्यक्ष बनाए

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। बुधवार को प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष सारिका सिंह के नेतृत्व में नई टीम का गठन किया गया। इस नई कार्यकारिणी में 9 प्रदेश उपाध्यक्ष, 3 प्रदेश महासचिव और 16 जिलों में नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। दरअसल, कांग्रेस महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने इस संबंध में आदेश जारी कर नियुक्तियों की जानकारी साझा की। यह कदम संगठन को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सारिका सिंह ने दी बधाई

सारिका सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस की नव-नियुक्त पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप सभी अपने नए दायित्वों का

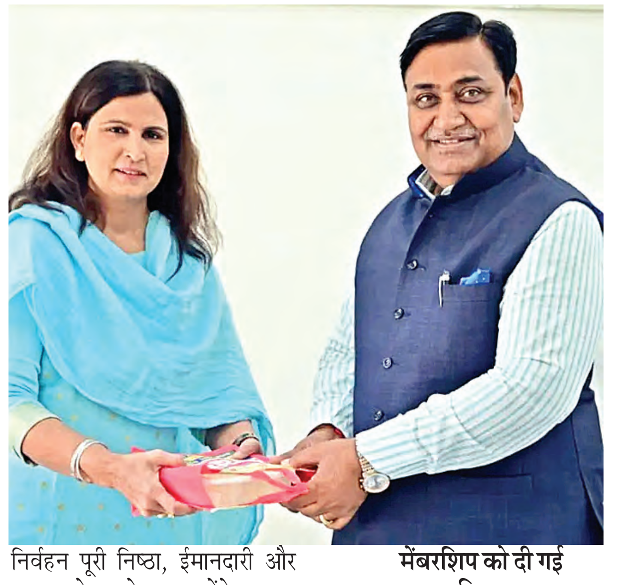

निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और उत्कृष्ट नेतृत्व के साथ करेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि लंबे समय से लंबित पड़े कार्यकारिणी गठन और जिला अध्यक्षों की नियुक्तियों को अब अंतिम रूप दे दिया गया है।

मेंबरशिप को दी गई प्राथमिकता

बताते चलें कि नई कार्यकारिणी के गठन में मेंबरशिप और पार्टी गतिविधियों में सक्रियता को प्राथमिकता दी गई है। नियुक्तियों के लिए न्यूनतम 100 महिलाओं को मेंबरशिप से जोड़ने की अनिवार्यता रखी गई थी। सूत्रों के अनुसार, संगठन ने उन कार्यकर्ताओं को मौका दिया है, जिन्होंने मेंबरशिप अभियान और पार्टी की गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान दिया। यह भी जानकारी दी गई कि भविष्य में मेंबरशिप के आधार पर और नियुक्तियों की सूची जारी की जाएगी।

पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल

आपको बता दें, यह नई कार्यकारिणी राजस्थान में महिला कांग्रेस को और सक्रिय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। संगठन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ा जाए और उनके मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाए। नई नियुक्तियों से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और उम्मीद की जा रही है कि यह नई टीम राजस्थान में कांग्रेस की स्थिति को और सशक्त करेगी।

हिन्दू समाज को बनाना होगा सशक्त, मोहन भागवत ने कहा- 'पंच परिवर्तन' से समाज में आएगा बदलाव

नागौर, 28 मई (एजेंसियां)। नागौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 20 दिवसीय कार्यकर्ता विकास वर्ग (प्रथम) में स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करने तीन दिवसीय प्रवास पर आए सरसंघचालक मोहन भागवत ने 'पंच परिवर्तन' पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तन कार्यक्रम को सुचारू रूप से लागू कर समाज में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। पंच परिवर्तन में पांच आयाम नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, सामाजिक समरसता, स्व का बोध अर्थात स्वदेशी एवं कुटुम्ब प्रबोधन शामिल है। इन पंच परिवर्तनों का कार्यक्रम में महत्व समझाया।

नागौर शहर के शारदा बाल निकेतन में चल रहे आरएसएस के जोधपुर, जयपुर व चित्तौड़गढ़ तीनों प्रांत के 40 वर्ष तक की आयु के 284 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। इसमें मोहन भागवत ने कहा कि इन पांच बातों को लेकर स्वयंसेवकों को आगे बढ़ना होगा।

इस बार शताब्दी वर्ष में नहीं होगा कोई बड़ा कार्यक्रम

मोहन भागवत ने कहा कि इस बार शताब्दी वर्ष पर संघ कोई बड़ा कार्यक्रम न कर गांव-ढाणियों में शाखाओं के माध्यम से समाज में ले जाएगा। संघ का मानना है कि यह आचरण बनेगा तो वातावरण बनेगा और जिससे समाज में परिवर्तन आएगा। भागवत बुधवार को रवाना होंगे।

हिन्दू समाज को सशक्त बनाने की जरूरत

बांग्लादेश सहित अन्य स्थानों पर हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार व हमलों को लेकर भी शिविर में चर्चा हुई। मोहन भागवत ने कहा कि हिन्दू समाज को सशक्त बनाना होगा। हिन्दू का बहुत अच्छा स्वरूप भारत को भी बहुत अच्छा देश बनाएगा। जो स्वयं को भारत में हिन्दू नहीं कहते उनको भी साथ लेकर चल सकेगा। भारत का हिन्दू समाज सामर्थ्यवान होगा तो विश्व भर के हिन्दुओं को अपने आप सामर्थ्य का लाभ होगा।

पूर्व मंत्री की जमानत पर सुनवाई अधूरी
एफआईआर में नाम तक नहीं

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध मामलों की विशेष अदालत में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई अधूरी रही। सुनवाई के दौरान जोशी की ओर से आरोप लगाया गया कि प्रदेश में सरकार बदलते ही उन्हें इस मामले में फंसाया गया।

जोशी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता वीआर बाजवा ने कोर्ट में कहा, एसीबी के जिस मामले के आधार पर ईडी ने प्राथमिकी दर्ज की है, उस एफआईआर में महेश जोशी का नाम तक नहीं था। एसीबी की ओर से पेश चार्जशीट में भी जोशी का नाम नहीं था। इसके अलावा जिस लेन-देन को लेकर ईडी ने प्राथमिकी दर्ज की वह जुलाई 2023 में जोशी के बेटे की कंपनी ने लोन के रूप में लिया।

अधिवक्ता ने बताया, 50 लाख रुपये का यह लोन कुछ माह बाद ही लौटा दिया गया। ईडी ने इस मामले में जोशी को मार्च 2024 में समन जारी की, जिसका जवाब ईडी को भेज दिया गया। इसके बाद ईडी ने एक साल तक कोई कार्रवाई नहीं की। अब राजनीतिक द्वेष के कारण उनको फंसाया जा रहा है और 24 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया।

टेंडर घोटाले में भी हुई थी गिरफ्तारी

जोशी से पहले जेजेएम घोटाले में पीयूष जैन, पदम चंद जैन, महेश मित्तल और संजय बड़ाया की गिरफ्तारी हो चुकी है। आरोप है कि श्रीश्याम ट्यूबवेल कंपनी और मेसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी से जुड़े पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र पेशकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपये के टेंडर हासिल किए। इस बारे में एसीबी ने जांच शुरू की, जिसके आधार पर ईडी ने केस दर्ज कर महेश जोशी और अन्य के ठिकानों पर दबिश दी थी।

संगठन की नब्ज टटोलेंगे नड्डा, 31 मई को जयपुर दौरे में अहम मंथन की संभावना, कई मसलों पर होगी चर्चा

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा 31 मई को एक दिवसीय दौरे पर जयपुर आ रहे हैं। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भले ही महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में भाग लेना हो, लेकिन इसके राजनीतिक मायने कहीं ज्यादा गहरे बताए जा रहे हैं। नड्डा के दौरे को पार्टी के संगठनात्मक समीकरणों की जांच-पड़ताल और आगामी रणनीतियों की नींव के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार नड्डा जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों के साथ एक अनौपचारिक लेकिन महत्वपूर्ण बैठक कर सकते हैं। इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया सहित अन्य बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। प्रदेश कार्यालय में इस

संभावित बैठक को लेकर तैयारियां तेज हैं, हालांकि भाजपा की ओर से अब तक आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे के दौरान संगठन की वर्तमान स्थिति, नेताओं के बीच समन्वय और कार्यकर्ताओं के फीडबैक को गंभीरता से लिया जाएगा। नड्डा प्रदेश भाजपा की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर प्रारंभिक चर्चाएं भी कर सकते हैं। इसके अलावा आगामी महीनों में चलाए जाने वाले संगठनात्मक अभियानों की रूपरेखा भी इसी बैठक में तय की जा सकती है।

गुटबाजी पर भी होगी चर्चा?

सूत्रों का दावा है कि नड्डा को हाल ही में प्रदेश भाजपा में सामने आई गुटबाजी और आंतरिक मतभेदों की जानकारी दी जाएगी। वे यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि प्रदेश सरकार और पार्टी संगठन के बीच तालमेल का स्तर क्या है और जमीनी कार्यकर्ताओं तक संवाद कैसे पहुंच रहा है।

आगामी निकाय चुनावों की तैयारी और रणनीति को लेकर भी इस दौरे को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नड्डा नेताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दे सकते हैं ताकि पार्टी संगठन हर स्तर पर मजबूत और संगठित रूप में सामने आए।

यद्यपि दौरे का सार्वजनिक चेहरा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम होगा, लेकिन राजनीतिक हलकों में इसे भाजपा के लिए एक निर्णायक मोड़ माना जा रहा है।

सुसाइड से पहले छात्रा ने की थी एक लड़के से लंबी बात
जम्मू-कश्मीर की लड़की के आत्महत्या मामले में आया नया मोड़

कोटा, 28 मई (एजेंसियां)। कोटा के महावीर नगर थर्ड में नीट की तैयारी कर रही जम्मू-कश्मीर की छात्रा जिशान जहां के आत्महत्या मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। आत्महत्या से पहले जिशान की एक लड़के से फोन पर लंबी बातचीत सामने आई है, जिसे जांच का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

पुलिस ने छात्रा का मोबाइल जब्त कर कॉल डिटेल्स निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना से कुछ समय पहले जिशान की किसी लड़के से तीखी बातचीत हुई थी। छात्रा के चाचा द्वारा दी गई रिपोर्ट में पड़ोसी के साथ कुछ विवाद भी सामने आया है।

पिता ने यह भी बताया कि जिशान मानसिक रोग की दवाएं ले रही थी, जो उसकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रही थीं। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर लिया है और तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ पड़ोसियों और दोस्ती के दायरे में आने वाले लोगों से पूछताछ की जा रही है। सीआई रमेश कविया के अनुसार, हम सभी पहलुओं पर जांच कर रहे हैं, जल्द ही सच सामने लाया जाएगा।

कोटपूतली में हरियाणा रोडवेज बस और ट्रेलर में जबरदस्त टक्कर
तीन लोगों की मौत, 24 से अधिक घायल

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। कोटपूतली जिले के भाबरू थाना क्षेत्र में स्थित आंतेला पुलिया के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं। इस भीषण हादसे में हरियाणा रोडवेज की बस और एक ट्रेलर के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें 24 से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर अफरातफरी मच गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

मृतकों की पहचान शाकिरा (बुलंदशहर यूपी), रजिया खातून (बेगूसराय बिहार) और सुनील जैन के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में चार की हालत गंभीर

बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, हरियाणा रोडवेज की एक बस यात्रियों को लेकर जयपुर की ओर जा रही थी। जैसे ही बस भाबरू थाना क्षेत्र में स्थित आंतेला पुलिया के पास पहुंची, आगे चल रहे एक ट्रेलर से उसकी तेज टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस की एक पूरी साइड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। बस में बैठे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे की सूचना पर भाबरू पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से बस में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को पावटा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां से गंभीर रूप से घायलों को बड़े अस्पताल में रेफर किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही एएसपी वैभव कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस और प्रशासन ने तत्काल क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर हाईवे पर यातायात सुचारू किया। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है और मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

बजरी माफिया के हमले में घायल कांस्टेबल का निधन

जोधपुर, 28 मई (एजेंसियां)। जिले के लूणी क्षेत्र में बजरी माफिया के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए पुलिस कांस्टेबल सुनील विश्नोई का निधन हो गया है। इस दुखद घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

अपनी पोस्ट में गहलोत ने लिखा कि जोधपुर के लूणी में बजरी माफिया के हमले में घायल हुए पुलिस कांस्टेबल सुनील विश्नोई का निधन बहुत दुखद है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने इस घटना को राजस्थान में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का चिंताजनक उदाहरण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में माफियाओं के सामने पुलिस-प्रशासन और सरकार कमजोर पड़ते नजर आ रहे हैं जिसका खामियाजा आम जनता और पुलिसकर्मियों को भुगतना पड़ रहा है।

गहलोत ने राज्य सरकार से मांग की है कि इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और माफियाओं के खिलाफ सख्ती से अभियान चलाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

एक ही रील में जिंदगी बदल दूंगा, कहकर बुजुर्ग को फंसाया
अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

अजमेर, 28 मई (एजेंसियां)। एक बुजुर्ग की सरलता को निशाना बनाते हुए अश्लील वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देने और मोबाइल व रुपये हड़पने के मामले में किशनगढ़ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का मास्टरमाइंड चंद्रप्रकाश उर्फ भंडारी है, जिसने दो महिलाओं को साथ लेकर यह साजिश रची थी। आरोपियों के पास से तीन मोबाइल और 2500 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई ने एक संगठित ब्लैकमेलिंग गैंग का भंडाफोड़ कर पीड़ित बुजुर्ग को राहत दिलाई है।

टना 23 मई की सुबह की है। किशनगढ़ थाना क्षेत्र के मालियों की बाड़ी स्थित श्मशान भूमि में एक बुजुर्ग पौधों को पानी दे रहा था। तभी एक अज्ञात महिला वहां पहुंची और काम मांगने का बहाना किया। बुजुर्ग ने दया दिखाते हुए उसे 200 रुपये मजदूरी पर काम पर रख लिया। कुछ ही देर में दूसरी महिला भी मौके पर पहुंची और दोनों ने बुजुर्ग से कमरे के अंदर चलने को कहा। बुजुर्ग बाहर ही बैठा रहा। इसके बाद षड्यंत्र की अगली कड़ी शुरू हुई। दूसरी महिला ने पहले महिला के कपड़े खोलकर उन्हें बुजुर्ग पर फेंक दिए और उसी दौरान मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। बुजुर्ग घबरा गया और कुछ समझ पाता, इससे पहले ही चंद्रप्रकाश उर्फ भंडारी वहां आ पहुंचा और खुद को माली बताते हुए खुद को पुलिस का आदमी बताने लगा।

चंद्रप्रकाश ने बुजुर्ग की जेब से मोबाइल और पैसे निकालकर महिलाओं को दे दिए और कहा कि मामला गंभीर है, इसे 11 हजार रुपये देकर रफा-दफा किया जा सकता है। जब बुजुर्ग ने पैसे देने से इनकार किया, तो उसे वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। इस पूरे घटनाक्रम से डरकर बुजुर्ग ने 25 मई को किशनगढ़ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

शिकायत मिलते ही किशनगढ़ थानाधिकारी भीखाराम काला के नेतृत्व में पुलिस ने मुकदमा संख्या 93/2025 दर्ज किया। भारतीय न्याय संहिता की धारा 307 और 3(5) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। अजमेर जिले की पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दीपक शर्मा और सहायक पुलिस अधीक्षक आईपीएस अभिषेक अंदाशु के मार्गदर्शन में विशेष टीम बनाई गई। इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चंद्रप्रकाश उर्फ भंडारी (30), मन्ना देवी (40) और आरती सैनी (32) को गिरफ्तार कर लिया।

1.11 लाख से अधिक संदिग्ध बैंक खाते
ट्रांजेक्शन पर पुलिस रख रही पैनी नजर

उदयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में साइबर अपराधों की रोकने को लेकर पुलिस ने संदिग्ध बैंक खातों के विरूद्ध कार्रवाई के लिए अभियान शुरू कर दिया है, जो 25 जून तक चलेगा। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के मुताबिक, प्रदेश भर में एक लाख 11 हजार 307 संदिग्ध बैंक खाते हैं, जिनमें करोड़ों के ट्रांजेक्शन होना पाया गया है। पुलिस मुख्यालय ने इन खातों पर कार्रवाई के लिए सूची प्रदेश के पुलिस अधीक्षकों और आयुक्तों को भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसके लिए प्रदेश भर में विशेष अभियान शुरू किया है। पुलिस अधिकारियों को अभियान की मॉनिटरिंग करने और साप्ताहिक रिपोर्ट मुख्यालय को भेजने के लिए पाबंद किया है। साथ ही प्रदेश भर में कार्रवाई शुरू हो गई है। -जिला स्तरीय साइबर टास्क फोर्स सभी बैंक/टेलीकॉम/इंटरनेट सेवा और वित्तीय संस्थाओं के नोडल अधिकारी के माध्यम से संदिग्ध बैंक खातों की जांच होगी। -संदिग्ध बैंक खातों से लेन-देन खाताधारक के बजाय साइबर अपराधी की ओर से संदिग्ध हस्तांतरण और विदेशी खातों में हस्तांतरण किया हो तो कार्रवाई की जाएगी। संदिग्ध बैंक खातों की चेकबुक, पासबुक और एटीएम कार्ड का वर्तमान में किसके माध्यम से उपयोग किया जा रहा है। यदि खाताधारक ने खाता किराए पर दिया है, तो कार्रवाई होगी। संदिग्ध बैंक खातों से लिंक ई-वॉलेट और रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बरों, ई-मेल आईडी का विश्लेषण करके कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संदिग्ध बैंक खातों को खुलवाने वाले संदिग्ध व्यक्तियों और केवाईसी में लापरवाही करने वाले बैंक के कार्मिक की संलिप्त होने की जांच करके उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गर्ल्स हॉस्टल में मिला डॉक्टर का शव
पुलिस ने जताई आत्महत्या की आशंका

जोधपुर, 28 मई (एजेंसियां)। एसएन मेडिकल कॉलेज के गर्ल्स हॉस्टल में डॉक्टर कविता का शव मिलने से परिसर में सनसनी फैल गई। सवाई माधोपुर की रहने वाली डॉ. कविता (31) ने इसी वर्ष मार्च में एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की थी। शव उनके हॉस्टल के कमरा नंबर 525 में मिला। बताया जा रहा है कि यह दो से तीन दिन पुराना हो सकता है।

पुलिस के अनुसार जब कमरे से दुर्गंध आने लगी तो अन्य छात्राओं ने शास्त्री नगर थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर थाना अधिकारी जुल्फिकार अली अपनी टीम के साथ पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवाया। हालांकि मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है लेकिन प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है।

डॉ. कविता वर्ष 2014-15 बैच की छात्रा थीं लेकिन कुछ एकेडमिक अटेम्प्ट शेष रहने के कारण उनकी पढ़ाई समय पर पूरी नहीं हो सकी थी। उन्होंने मार्च 2025 में अपनी इंटर्नशिप पूरी की थी और आगामी 15 जून को उनका पीजी एग्जाम निर्धारित था। बताया जा रहा है कि वे पिछले कुछ समय से अवसाद में थीं और अधिकतर समय गुमसुम रहती थीं।

घटना की जानकारी मिलने के बाद एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मेडिकल कॉलेज के अतिरिक्त प्रिंसिपल फतेह सिंह और अनुराग सिंह तथा प्रिंसिपल बी.एस. जोधा भी हॉस्टल पहुंचे। बुधवार को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिसके बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा। बहरहाल पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

कई जिलों में ऑरेंज-येलो अलर्ट
तेज आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी

जयपुर, 28 मई (एजेंसियां)। मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। भारतीय मौसम विभाग, मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आज शाम 4 बजे एक तात्कालिक चेतावनी जारी की है, जो आगामी तीन घंटों तक प्रभावी रहेगी। चेतावनी में बताया गया है कि राज्य के कई जिलों में तेज आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश और बिजली गिरने की संभावना है। मौसम विभाग ने जयपुर (पश्चिम), जोधपुर, उदयपुर, राजसमंद, झालावाड़, भीलवाड़ा समेत आस-पास के क्षेत्रों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन क्षेत्रों में कुछ स्थानों पर 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चल सकती है और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। इससे जन-जीवन और संपत्ति को नुकसान हो सकता है। वहीं, अलवर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़ समेत अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां 20-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की बारिश होने की संभावना है।

युवाओं के जीवन में रोशनी भरनी चाहिए : डिप्टी सीएम

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार राज्य भर के लाखों युवाओं की ताकत और क्षमताओं पर अत्यधिक भरोसा करते हुए हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सहयोग युवाओं के जीवन में रोशनी लाएगा और साथ ही राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को बढ़ाने में योगदान देगा। बुधवार को उपमुख्यमंत्री ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ राजीव युवा विकासम योजना के कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा के लिए जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की। कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कलेक्टरों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। भट्टी विक्रमार्क ने टिप्पणी की कि पिछले दस वर्षों में, कार्यक्रमों को निगमों के माध्यम से सतही रूप से लागू किया गया था, लेकिन लोगों की सरकार द्वारा ईमानदारी से परिकल्पित राजीव युवा विकासम मौलिक रूप से अलग है।

कुल 8,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, यह योजना पाँच लाख युवाओं को रोजगार प्रदान कर रही है। इस कार्यक्रम से तेलंगाना में मानव संसाधनों के बड़े पैमाने पर उपयोग और व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार की उम्मीद है, जिससे राज्य के सकल घरेलू उत्पाद को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि योजना की सफलता के लिए पूरी प्रशासनिक मशीनरी को लगन से काम करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केवल वित्तीय सहायता ही अंत नहीं है - यह निगरानी करना महत्वपूर्ण है कि क्या लाभार्थी लाभ कमा रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि कोई व्यक्ति छोटी-मोटी चुनौतियों के कारण अपना व्यवसाय जारी रखने में असमर्थ है, तो अधिकारियों को हस्तक्षेप करना चाहिए और उनके संचालन को बहाल करने में मदद करनी चाहिए।

भट्टी विक्रमार्क ने आगे निर्देश दिया कि जिस तरह आईकेपी (इंदिरा क्रांति पथम) में सहायता प्रणाली अच्छी तरह से काम कर रही है, उसी तरह राजीव युवा विकास के तहत मंडल स्तर पर एक समर्पित अधिकारी की नियुक्ति की जानी चाहिए जो लाभार्थियों की निरंतर निगरानी और सहायता करे। उन्होंने आग्रह किया कि इस योजना को अपने पहले वर्ष में सफलतापूर्वक लागू किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इसका और विस्तार किया जा सके।

उपमुख्यमंत्री ने सरकार के विजन को समझने और योजना को अंतिम चरण तक पहुंचाने के लिए समाज कल्याण प्रमुख सचिव श्रीधर, पिछड़ा वर्ग कल्याण सचिव श्रीधर, आदिवासी कल्याण सचिव शरत और विभिन्न निगमों के एमडी की हार्दिक सराहना की। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रतिबद्धता के साथ सरकार अपने वांछित परिणामों को 100 प्रतिशत प्राप्त कर सकती है। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 2 जून को शाम 4 से 5 बजे के बीच प्रत्येक विधानसभा मुख्यालय पर राजीव युवा विकासम योजना के सभी चयनित लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए जाएं। विधायकों को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होना चाहिए, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए और जनता को सरकार के गठन के बाद से शुरू किए गए विकास और कल्याण कार्यक्रमों के बारे में बताया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि सरकार ने एससी वर्ग के कल्याण के लिए कानून पेश किया है और राजीव युवा विकासम के तहत लाभार्थी चयन उस कानून का अनुपालन करना चाहिए। इसी तरह, पिछड़ा वर्ग निगम के माध्यम से चयन पिछड़ा वर्ग की आबादी के अनुपात में किया जाना चाहिए और अधिकारियों को योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उचित सावधानी बरतनी चाहिए। बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, समाज कल्याण प्रमुख सचिव श्रीधर, बीसी कल्याण आयुक्त श्रीधर और अन्य भी मौजूद थे।

कीटनाशक की बोतलें हाथ में लेकर किया किसानों ने विरोध प्रदर्शन

सूर्यापेट, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले के किसानों ने एनएच 365 पर विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें बोल्लमपल्ली पीएसीएस द्वारा संचालित धान खरीद केंद्र पर देरी से धान खरीद पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। महीनों तक अपनी उपज का वजन न होने और खरीदे जाने का इंतजार करने के बाद निराश किसान अपने हाथों में अंकुरित अनाज लेकर विरोध प्रदर्शन पर बैठ गए।

महिला किसानों ने कीटनाशक की बोतलें लेकर प्रदर्शन में हिस्सा लिया और अपनी हताशा और वित्तीय संकट को उजागर किया। उन्होंने अधिकारियों से और अधिक नुकसान को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया। स्थानीय नेताओं और किसान यूनियनों ने समर्थन जताया और खरीद प्रणाली में तत्काल हस्तक्षेप और सुधार की मांग की। विरोध प्रदर्शन के कारण यातायात बाधित रहा, जब तक कि पुलिस मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने में सफल नहीं हो गई।

धान खरीद में देरी को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन तेज

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धान खरीद में देरी से हताश होकर तेलंगाना भर के किसानों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई जिलों में पीड़ा के दृश्य सामने आए, जहां किसान परिवार न्याय की मांग करते हुए अधिकारियों के पैर छूने तक चले गए। सत्ता में बैठे लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए उन्होंने राजमार्गों को अवरुद्ध करने और धान की बोरियों को जलाने जैसे नाटकीय उपायों का सहारा लिया। इस स्थिति ने व्यवस्थागत विफलताओं को उजागर किया और किसानों की गंभीर परेशानी को उजागर किया क्योंकि उनकी कटी हुई फसलें खतरे में थीं।

सूर्यापेट जिले में किसानों और उनके परिवारों ने एनएच-365 पर विरोध प्रदर्शन किया, दंतलापल्ली-सूर्यपेट सड़क के किनारे धान की बोरियां जमा कर बोल्लमपल्ली पीएसीएस द्वारा संचालित खरीद केंद्र पर कार्रवाई की मांग की। अंकुरित अनाज और कीटनाशक की बोतलें पकड़े हुए उन्होंने अपनी वित्तीय बर्बादी को उजागर किया, क्योंकि सरकारी निष्क्रियता के कारण गीले धान को खरीद के लिए नहीं लिया गया।

महबूबाबाद जिले के नरसिंहुलपेट में दो महिला किसानों ने मंडल राजस्व अधिकारी के पैर छूकर उनसे आग्रह किया कि वे सुनिश्चित करें कि उनका धान तौला जाए और खरीदा जाए। गांव के बुजुर्गों के सामने की गई भावनात्मक अपील से अधिकारी शर्मिंदा तो हुए, लेकिन उन्होंने तुरंत कोई कार्रवाई नहीं की। उसी जिले के दंतलपल्ली मंडल के कुम्मारीकुंटला गांव में किसानों ने स्थानीय खरीद केंद्र पर अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया और अपनी क्षतिग्रस्त फसलों की तत्काल खरीद की मांग की। उन्होंने सड़कें जाम कर दीं और अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका दावा है कि बार-बार अनुरोधों को नजरअंदाज किया गया, जिससे उनकी धान और भी खराब हो गई।

जोगुलम्बा गडवाल जिले के गट्टू मंडल में एक किसान ने अपनी दुर्दशा की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में अपना धान से लदा ट्रैक्टर खड़ा कर दिया। अधिकारियों द्वारा खरीद का आश्वासन दिए जाने के बाद मिल मालिकों ने 1% प्रतिशत से अधिक नमी का हवाला देते हुए उसके स्टॉक को अस्वीकार कर दिया। न्याय के लिए उसकी अपील का कोई जवाब नहीं मिला, जिससे उसकी हताशा और बढ़ गई।

मुक्तापुर में, किसान अदुमल्ला श्रीधर ने तौल और खरीद के लिए तीन सप्ताह तक इंतजार करने के बाद प्राथमिक कृषि सहकारी समिति केंद्र पर अपने धान को आग लगा दी। वहां मौजूद लोगों ने आग बुझाकर उसके धान को बचा लिया, लेकिन इस कृत्य ने किसानों की हताशा को उजागर किया जो चरम उपायों पर जाने को मजबूर हैं। राज्य सरकार ने %1 लाख टन के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 65 लाख टन रबी धान खरीदने का दावा किया था, लेकिन खरीद सीजन समाप्ति की ओर बढ़ने के साथ ही किसानों को हफ्तों लंबी देरी का सामना करना पड़ रहा है।

डलास में बीआरएस रजत जयंती समारोह की तैयारियां जोरों पर

लंदन पहुंच चुके हैं केटीआर

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डलास के कोमेरिका सेंटर में 1 जून को आयोजित होने वाले बीआरएस के रजत जयंती समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव स्थानीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए हैदराबाद से लंदन पहुंच चुके हैं। इसके बाद वह अमेरिका जाएंगे और बीआरएस की राजनीतिक यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने तथा तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे।

बीआरएस एनआरआई के वैश्विक समन्वयक महेश बिगाला और बीआरएस एनआरआई यूएसए सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष महेश तन्नेरू, जो व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे हैं, ने बुधवार को कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। वे समर्थन जुटाने के लिए पिछले दो सप्ताह से पूरे अमेरिका में तैयारी बैठकें कर रहे हैं, जिनमें प्रवासी समुदाय की उत्साहपूर्ण भागीदारी हो रही है। तेलुगु अनिवासी भारतीयों से अनुरोध किया गया है कि वे 1 जून को शाम 4 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएं। श्रीनिवास सुरकुंती, अभिलाष रंगिनेनी, पुट्टा विष्णुवर्धन रेड्डी और अन्य लोगों की टीम ने मंच, भोजन और पार्किंग की व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्हें उम्मीद है कि इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग आएंगे, जिसमें मौजूदा विधायक, पूर्व मंत्री और एमएलसी शामिल होंगे।

जगन ने टीडीपी के महानाडु को बताया 'ड्रामा'

वादों को पूरा करने पर उठाए सवाल

अमरावती, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने बुधवार को कडप्पा में आयोजित सत्तारूढ़ टीडीपी के महानाडु (वार्षिक सम्मेलन) की आलोचना की और इसे 'बड़ा नाटक' करार दिया। ताडेपल्ली में वाईएसआरसीपी मुख्यालय में पार्टी की आंतरिक बैठक को संबोधित करते हुए रेड्डी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू पर पुलिस का दुरुपयोग करने, फैसलों में हेराफेरी करने और एमपीटीसी और जेडपीटीसी को लालच देकर नगर निकायों को कमजोर करने का

आरोप लगाया। रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में पूछा, एनडीए गठबंधन सरकार ने जो 143 वादे किए थे, उनमें से कितने पूरे हुए हैं?

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि टीडीपी के पास महानाडु में दिखाने के लिए कोई वास्तविक उपलब्धि नहीं है, उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मुख्य रूप से फोटो खिंचवाने के अवसर और प्रचार के लिए था। वे महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसे बुनियादी वादों को भी पूरा करने में विफल रहे।" पिछली वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं को बंद करने पर दुख जताते हुए रेड्डी ने टीडीपी के नेतृत्व वाली सरकार पर एक भी नौकरी पैदा करने में "विफल" रहने का आरोप लगाया। रेड्डी ने दावा किया कि 2019 और 2024 के बीच उनके कार्यकाल के दौरान तीन लाख से अधिक नौकरियों की पेशकश की गई। कानून और व्यवस्था की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए रेड्डी ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी नेताओं पर झूठे मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें प्रतिशोधात्मक तरीके से गिरफ्तार किया गया है।

बेमौसम बारिश से किसानों को भारी परेशानी का करना पड़ रहा सामना

फसल नुकसान का नहीं दिया गया है पूरा ब्योरा

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मार्च के दूसरे सप्ताह से लेकर मई के अंत तक पिछले ढाई महीनों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने राज्य में रबी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई जिलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। धान, मक्का और आम की फसल उगाने वाले किसानों को नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ा है। उन्होंने समय से पहले फल गिरने और खरीद केंद्रों पर भीगे धान के स्टॉक के कारण परेशानी की बात कही है। कई जिले प्रभावित हुए हैं, जिनमें अकेले सिद्दीपेट में 4-5 मई को भारी बारिश के कारण करीब 20,000 एकड़ फसल बर्बाद हो गई।

मुलुगु, आदिलाबाद, निर्मल, मंचेरियल, करीमनगर, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, सिद्दीपेट, वारंगल, हनमकोंडा, संगारेड्डी, मेदक, रंगारेड्डी, सूर्यापेट, यदाद्री भुवनगिरी और महबुबाबाद सहित कई जिलों में बड़े नुकसान की सूचना है। मुलुगु, जयशंकर भूपालपल्ली, महबुबाबाद और यहां तक कि सूर्यापेट के कुछ हिस्सों में खरीद केंद्रों पर धान का स्टॉक नमी के कारण बिक्री के लिए अयोग्य हो गया था। कुछ स्थानों पर तेज हवाओं से खड़ी फसलें भी गिर गईं।

रैतु स्वराज्य वेदिका और तेलंगाना रैतु संघम जैसे संगठन सरकार पर फसल नुकसान की व्यापक गणना और प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन उनके प्रयास भी अब तक सफल नहीं हुए हैं। सरकार ने 29 जिलों के प्रभावित किसानों के लिए 10,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा पैकेज का संकेत दिया था। गणना की पहली प्रक्रिया में अधिकांश किसान शामिल नहीं हैं।

चालू महीने में हुई फसल की हानि और भी व्यापक है, लेकिन अभी तक नुकसान का पूरा आकलन नहीं हुआ है, रायथू स्वराज्य वेदिका के नेता कोंडल रेड्डी ने कहा, उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रशासन को इस मुद्दे पर गंभीर दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

भले ही सरकार ने 10,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा देने का आश्वासन दिया हो, लेकिन कम से कम इस स्तर पर फसल बीमा की आवश्यकता को महसूस किया जाना चाहिए, उन्होंने जोर दिया।

राज्य स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया जाए : जिला कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि अधिकारी समन्वय से काम करें और राज्य स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन करें। बुधवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला अपर कलेक्टर दीपक तिवारी, एम. डेविड, जिला वन अधिकारी नीरज कुमार, कागजनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, आसिफाबाद डिवीजन एएसपी चित्तरंजन, आसिफाबाद राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव ने स्थापना दिवस समारोह के आयोजन को लेकर अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि 2 जून को आयोजित होने वाले राज्य स्थापना दिवस समारोह का भव्य आयोजन करने के लिए अधिकारी समन्वय से काम करें। उन्होंने जिला उद्यान विभाग के अधिकारी को समाहरणालय भवन को विद्युत दीपों से सजाने, चिल्ड्रन पार्क में शहीद स्तूप को सजाने तथा कार्यक्रम स्थल को फूलों से सजाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान निरंतर विद्युत आपूर्ति, पेयजल, साफ-सफाई, गणमान्य व्यक्तियों के बैठने तथा प्रेस गैलरी की व्यवस्था प्रभावी ढंग से की जाए। उन्होंने कहा कि समारोह में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारी कदम उठाएं तथा समारोह से एक दिन पहले जिले के सरकारी कार्यालयों को विद्युत दीपों से सजा दिया जाए।

वीर सावरकर जयंती के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव, तरनजीत सिंह, रविंदर, गोपाल, मल्लाना, के साथ काचीगुडा एक्स रोड्स पर वीर सावरकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और माल्यार्पण किया गया।

वन महोत्सव कार्यक्रम को मजबूती से चलाया जाए : कलेक्टर

कुमरमभीम आसिफाबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि पारिस्थितिकी संतुलन को बनाए रखते हुए भावी पीढ़ी के लिए प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए वन महोत्सव-2025 कार्यक्रम को जिले में मजबूती से चलाया जाए। बुधवार को जिला केंद्र में एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में वन महोत्सव कार्यक्रम को लेकर समीक्षा बैठक हुई ।

इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जिले में वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत पौधे लगाने के लिए विभागों द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अधिकारी कड़ी मेहनत करें। सरकार ने इस वर्ष जिले के लिए 51 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, तथा संबंधित विभागों के अधिकारी आवंटित पौधों में से शत-प्रतिशत पौधे लगाएं तथा उनकी सुरक्षा करें।

इस बार मानसून 15 दिन पहले आ गया है तथा बारिश भी खूब हो रही है, ऐसे में अधिकारी अपने विभागों के तत्वावधान में उपयुक्त स्थानों की पहचान कर रोजगार गारंटी मजदूरों के माध्यम से गड्ढे खोदकर पौधारोपण कार्यक्रम चलाएं। उन्होंने कहा कि आवंटन का अधिकांश हिस्सा ग्रामीण विकास विभाग तथा वन विभाग को आवंटित किया गया है, तथा मालिकों द्वारा मांगे गए पौधे प्रत्येक घर तक पहुंचाए जाएं। प्राधिकरण मशीनरी बड़े पैमाने पर पौधारोपण के लिए तैयार रहे तथा लगाए गए प्रत्येक पौधे की सुरक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों, नहरों तथा तालाबों के दोनों ओर खाली स्थानों पर पौधे लगाने को उच्च प्राथमिकता दी जाए तथा जिले को शत-प्रतिशत पौधे लगाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में जिला ग्रामीण विकास अधिकारी दत्ताराम, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मीनारायण, पंचायती राज, सिंचाई विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

माला समुदाय के नेताओं को मंत्री पद दिया जाना चाहिए : चेन्नई

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। माला महानाडू के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी. चेन्नई ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अपने मंत्रिमंडल विस्तार में माला समुदाय के किसी नेता को मंत्री पद देने की मांग की।

यदि सभी मालाओं ने कांग्रेस पार्टी की जीत के लिए कड़ी मेहनत की और एकतरफा वोट देकर उसे सत्ता में लाया। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके वोटों से सत्ता में आई कांग्रेस पार्टी। चेन्नैया ने मांग की कि मालाओं को तुरंत मंत्री पद दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मनोनीत पदों में मालाओं की संख्या पूरी तरह से अनुचित है और कहा कि कांग्रेस सरकार उन्हें शिक्षा, नौकरी और कल्याण विकास योजनाओं का लाभ उठाने से रोक रही है। ए.सी. गार्ड्स के एटुरी टावर्स में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने राज्य सरकार से अनुसूचित जातियों के लिए आवासीय कॉलेजों को बंद करने का विचार त्यागने को कहा और चेतावनी दी कि उनका संघर्ष अपरिहार्य होगा। चेन्नैया ने कहा कि चेवेल्ला घोषणा का कार्यान्वयन तुरंत शुरू किया जाना चाहिए और आरोप लगाया कि सरकार दलितों के बीच मतभेद के आधार पर उप-योजना निधि आवंटित नहीं करके दलित कल्याण की अनदेखी कर रही है।

अमावस्या के शुभ अवसर पर विश्व मंगल गौशाला,सोमारम विलेज, मेडचल में सुमधुर भजनों की प्रस्तुति आसकरण महाराज ने दी उनके साथ जयराम सिरवी एवं कैलाश भट्ट ने भी भजनों से गौभक्तों को आनंदित किया। हरी घास की व्यवस्था के लाभार्थी दुर्गाराम, भानाराम सिरवी, नारायण लाल अलवाल, विकास ग्लास हाउस,प्रकाश सिरवी, गुप्तदान कानजीगुड़ा एवं जगदीश चौधरी भैराराम रहे। कार्यक्रम में गौशाला के अध्यक्ष टी वी सुरेश ,डूंगाराम, माजीसा ग्रुप, बगदाराम एवं अन्य गौ भक्त उपस्थित रहे।

वीर सावरकर के जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, उमा रमेश यादव, शैलेंद्र यादव किशन यादव राजू पतंगे विजय कुमार सूर्य प्रकाश, रमेश आदि मौजूद थे।

आरजीयूकेटी ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए जारी की प्रवेश अधिसूचना

निर्मल, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी), जिसे भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के रूप में भी जाना जाता है, ने 2025-26 शैक्षणिक वर्ष के लिए बसर (प्रवेश: 1,500 सीटें) और महबूबनगर (180 सीटें) में अपने घटक संस्थानों में विभिन्न छह वर्षीय एकीकृत बी.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिसूचना जारी की है। कुलपति प्रो. गोवर्धन ने बुधवार को बसर परिसर में अधिसूचना जारी की।गोवर्धन ने कहा कि छात्र 31 मई से 21 जून तक केवल ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं। जल्द ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विस्तृत अधिसूचना अपलोड की जाएगी। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे टीएस ऑनलाइन सेंटर, मीसेवा के माध्यम से ऑनलाइन प्रवेश के लिए आवेदन करें। उन्हें अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाने पर ईमेल द्वारा विश्वविद्यालय से संपर्क करने के लिए कहा गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

धान, कपास समेत ...

इसके अतिरिक्त, समय पर ऋण चुकाने वाले किसान शीघ्र पुनर्भुगतान प्रोत्साहन (पीआरआई) के रूप में 3 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र होते हैं, जिससे केसीसी ऋण पर उनकी ब्याज दर प्रभावी रूप से 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है।

केवल पशुपालन या मत्स्य पालन के लिए लिए गए ऋणों के लिए ब्याज लाभ 2 लाख रुपये तक लागू है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि योजना की संरचना या अन्य घटकों में कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं किया गया है। देश में 7.75 करोड़ से अधिक केसीसी खाते हैं।

3-बडवेल नेल्लोर फोर-लेन हाईवे को मंजूरी

यह हाईवे बडवेल-गोपरावम गांव (एनएच-67) से लेकर गुरुविंदापुडी (एनएच-16) तक बनेगा। इसकी कुल लंबाई: 108.134 किलोमीटर होगी। इस फोर लेन बनाने की कुल अनुमानित लागत: 3653.10 करोड़ रुपये आंकी गई है। बडवेल-नेल्लोर कॉरिडोर आंध्र प्रदेश के तीन प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोरों से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। यह कॉरिडोर कृष्णपट्टनम पोर्ट तक की यात्रा दूरी को 142 किमी से घटाकर 108.13 किमी कर देगा। परियोजना के माध्यम से लगभग 20 लाख मानव-दिनों का प्रत्यक्ष रोजगार और 23 लाख मानव-दिनों का अप्रत्यक्ष रोजगार उत्पन्न होगा।

4-कैबिनेट ने महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे में दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी

भारत शांति चाहता ...

पनामा की असेंबली की अध्यक्ष डाना कास्टानेडा ने कहा है कि पनामा शांति के इस अभियान में भारत के साथ खड़ा होना चाहता है, और हमें उम्मीद है कि हम आतंकवाद को हरा सकते हैं। कास्टानेडा के साथ बैठक में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हम सभी अलग-अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि और भारत के अलग-अलग हिस्सों से आते हैं लेकिन हम राष्ट्रीय उद्देश्य में एकजुट हैं।

थरूर ने कहा कि भारत को 1989 से लगातार आतंकी हमलों का सामना करना पड़ा है और यह स्थिति अब और बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे अपराधियों की पहचान करें और उन पर कार्रवाई करें।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल प्लेऑफ टीमों में कौन सबसे मजबूत

गुजरात का टॉप ऑर्डर सबसे दमदार; कोहली ने लगाई 8 फिफ्टी, मुंबई के तेज गेंदबाज घातक

खेल डेस्क, 28 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के लीग मैच समाप्त हो चुके हैं। 29 मई से प्लेऑफ मैच होने वाले हैं। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मोहाली के मुल्लांपुर में क्वालिफायर-1 खेला जाएगा। इसे जीतने वाली टीम फाइनल में जगह पक्की कर लेगी। हारने वाली टीम क्वालिफायर-2 में एलिमिनेटर की विजेता का सामना करेगी। एलिमिनेटर 30 मई को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेला जाएगा।

इस सीजन के 70 लीग मैचों के बाद पंजाब किंग्स ने फाइनल पॉइंट्स टेबल में पहला स्थान हासिल किया है, जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु दूसरे स्थान पर रही है। गुजरात टाइटंस को तीसरा और मुंबई इंडियंस को चौथा स्थान मिला। इस स्टोरी में हम प्लेऑफ में जगह बनाने वाली चारों टीमों का परफॉर्मेंस एनालिसिस कर रहे हैं। इसके लिए हमने 4 पैरामीटर्स तय किए हैं।

प्लेऑफ की सभी 4 टीमों का परफॉर्मेंस एनालिसिस

1. पंजाब किंग्स

2 जीत से आगाज, दिल्ली से हार ने बिगाड़ा खेल

मजबूत बैटिंग, ओपनर्स 923 रन बना चुके पंजाब की बैटिंग मजबूत है। टीम के ओपनर्स अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्या की जोड़ी इस सीजन में 173.49 की स्ट्राइक रेट से 923 रन चुकी है। इनमें एक शतक और 6 अर्धशतक शामिल हैं। टॉप-3 बैटर्स की बात करें तो टीम के टॉप ऑर्डर ने 177.02 के स्ट्राइक रेट से 1418 रन बनाए हैं। इनमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल रहे। नेहल वधेरा और शशांक सिंह ने कई अहम पारियां खेली हैं।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी, मजबूत थिंक टैंक टीम के पास श्रेयस अय्यर जैसा कप्तान है। इतना ही नहीं, कोच के रूप में रिकी पोंटिंग जैसा मजबूत क्रिकेट ब्रेन है। अय्यर ने पिछले साल कोलकाता को चैंपियन बनाया था। इसके अलावा, प्लेऑफ के 2 मुकाबले पंजाब के घरेलू मैदान मुल्लांपुर में खेले जाने हैं। ऐसे में अय्यर वहां की कंडीशंस से वाकिफ हैं। अय्यर ने इस सीजन में 514 रन बनाए हैं। वे 5 फिफ्टी लगा चुके हैं।

2. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

घर से बाहर 7 मैच जीते, टॉप-2 में फिनिश किया

कोहली अच्छे फॉर्म में हैं, 8 फिफ्टी लगा चुके बेंगलुरु के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि विराट कोहली अच्छे फॉर्म में दिख रहे हैं। वे मौजूदा सीजन के 13 मैचों में 60.20 की एवरेज और 147.51 की स्ट्राइक रेट से 602 रन बना चुके हैं। इनमें 8 अर्धशतक शामिल हैं। फिल सॉल्ट भी कोहली का साथ दे रहे हैं। सॉल्ट के नाम 331 रन हैं। तीसरे नंबर पर रजत पाटीदार भी बैटिंग ऑर्डर को मजबूती दे रहे हैं। आखिरी मैच में जितेश शर्मा ने नाबाद 85 रन की पारी खेलकर जीत दिलाई है।

जोश हेजलवुड की वापसी, वे 18 विकेट ले चुके बेंगलुरु के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की वापसी हो गई है। वे प्लेऑफ मैचों से पहले टीम के साथ जुड़ गए हैं। हेजलवुड की वापसी बेंगलुरु के लिए अच्छे संकेत हैं। वे इस सीजन के 10 मैचों में 18 विकेट ले चुके हैं। हेजलवुड चेन्नई के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे।

पाटीदार-टिम डेविड की चोट परेशानी बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार इंजरी के कारण फील्डिंग नहीं कर पा रहे हैं। इंजरी के कारण उनका बैटिंग फॉर्म भी खराब हो चुका है, इस वजह से बाकी प्लेयर्स पर जिम्मेदारी बढ़ जा रही है। टिम डेविड भी इंजर्ड हो चुके हैं। ऐसे में टीम को प्लेऑफ में कठिनाई हो सकती है।

गेंदबाजी कमजोर पड़ रही, सुयश-क्रुणाल महंगे बेंगलुरु के पास क्वालिटी स्पिनर्स की कमी है। पिछले 2 मैचों में सुयश शर्मा और क्रुणाल पंड्या महंगे साबित हुए। टीम मिडिल ओवर्स में रन भी नहीं रोक पा रही है। भुवनेश्वर कुमार और रोमारियो शेफर्ड आखिरी लीग मैच में महंगे रहे हैं।

3. गुजरात टाइटंस

लगातार 4 मैच जीतकर वापसी की, पर आखिरी 2 हारी

टॉप-3 बैटर्स अब तक 1866 रन बना चुके मौजूदा सीजन में गुजरात का टॉप ऑर्डर सबसे दमदार रहा है। टॉप-3 बैटर्स ने मिलकर 14 मैचों में 54.88 के एवरेज से 1866 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक और 16 अर्धशतक शामिल रहे। इनका स्ट्राइक रेट 157.86 रहा है।

प्रसिद्ध और साई किशोर ने 40 विकेट लिए गुजरात के पेसर प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर साई किशोर ने मिलकर अब तक खेले गए 14 मैचों में 40 विकेट चटकाए हैं। प्रसिद्ध 23 विकेट लेकर टॉप विकेट टेकर्स की लिस्ट में टॉप-2 पर हैं। जबकि साई किशोर 17 विकेट के साथ छठे स्थान पर हैं।

जोस बटलर के बिना खेलना होगा प्लेऑफ गुजरात को प्लेऑफ मुकाबलों में जोस बटलर के बिना खेलना होगा, क्योंकि बटलर नेशनल ड्यूटी के कारण उपलब्ध नहीं रहेंगे। टीम से ओपनर कर रहे साई सुदर्शन और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से फिफ्टी नहीं बना सके हैं। ऐसे में प्लेऑफ मैचों में ओपनर्स के जल्दी आउट होने की स्थिति में मिडिल ऑर्डर पर दबाव आ सकता है।

मिडिल ऑर्डर के बैटर्स का औसत 20.48 रहा गुजरात का मिडिल ऑर्डर इस सीजन में उसकी कमजोरी रहा है। बीच के बैटर्स 20.48 के एवरेज से 635 रन ही बना सके हैं। 4 से 7 नंबर की बैटिंग पोजिशन पर टीम के 8 बैटर्स ने बल्लेबाजी की है, लेकिन एक बल्लेबाज ही फिफ्टी बना सका है। ऐसे में दबाव की स्थिति में मिडिल ऑर्डर बिखर सकता है।

4. मुंबई इंडियंस

शुरुआती 5 में से 4 मैच हारे, लगातार 6 जीत से कमबैक

मजबूत बैटिंग, सूर्या सीजन के टॉप-3 स्कोरर मुंबई के पास दमदार बैटिंग ऑर्डर है। ओपनिंग में रोहित शर्मा और रायन रिकेलटन तेज शुरुआत दे रहे हैं। फिर सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, विल जैक्स और नमन धीर मिडिल ऑर्डर की कमान संभाल रहे हैं। फिनिशर्स की जिम्मेदारी खुद हार्दिक पंड्या उठा रहे हैं। सूर्यकुमार 5 फिफ्टी के सहारे 640 रन बना चुके हैं। वे सीजन के टॉप-3 स्कोरर हैं। रोहित-रिकेलटन भी 300 से ज्यादा रन बना चुके हैं।

गेंदबाजी में बोल्ट-बुमराह जैसे वर्ल्ड क्लास पेसर्स एमआई का गेंदबाजी विभाग भी कमाल का है। इसमें जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे वर्ल्ड क्लास पेसर्स हैं। इनके अलावा, दीपक चाहर और हार्दिक पंड्या के रूप में पेस बॉलिंग ऑप्शंस हैं। बोल्ट नई बॉल से विकेट चटकाने में माहिर हैं। वे 19 विकेट ले चुके हैं। जबकि 17 विकेट लेने वाले बुमराह कभी भी विकेट निकाल सकते हैं। चाहर और हार्दिक ने भी 10 से ज्यादा विकेट लिए हैं।

जिसे बीसीसीआई ने हटाया, उसे रोहित ने 'पर्सनल रिक्वेस्ट' से वापस बुलाया

मुंबई, 28 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व फील्डिंग कोच टी दिलीप की भारतीय टीम में वापसी अब तय हो गई है। उनका पिछला कॉन्ट्रैक्ट मार्च 2025 में समाप्त हो गया था और खबरें थीं कि बोर्ड उनका कॉन्ट्रैक्ट आगे नहीं बढ़ाना चाहता। लेकिन अब एक नई रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है कि उनके भारतीय टीम में वापसी के पीछे दिग्गज खिलाड़ी रोहित शर्मा के पर्सनल सपोर्ट की भी अहम भूमिका रही।

'क्रिकबज' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित ने खुद हेड कोच गौतम गंभीर और बोर्ड अधिकारियों से दिलीप को फिर से टीम में शामिल करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद उन्हें एक साल का नया कॉन्ट्रैक्ट दिया गया। भले ही रोहित अब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन टीम में उनके प्रभाव और योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बीसीसीआई ने पिछले महीने उनके अलावा बैटिंग कोच अभिषेक नायर और कुछ अन्य सपोर्ट स्टाफ को भी हटाने की योजना बनाई थी। लेकिन अब बोर्ड का मन बदल गया है। बीसीसीआई द्वारा यह कदम गौतम गंभीर के नेतृत्व में सपोर्ट स्टाफ को स्लिम और चुस्त बनाने की रणनीति के तहत उठाया गया है।

दिलीप का योगदान और ड्रेसिंग रूम में सम्मान

टी दिलीप को उनके पर्सनल ट्रेनिंग अप्रोच और फील्डिंग ड्रिल्स के लिए जाना जाता है। उनके कार्यकाल में भारत की स्लिप फील्डिंग में जबरदस्त सुधार देखने को मिला है, जिसकी कई लोग तारीफ कर चुके हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप और 2024 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान 'बेस्ट फील्डर ऑफ द मैच' की अनूठी परंपरा भी शुरू की थी, जिसने खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा और उत्साह को बढ़ावा दिया।

'दिलीप एक अच्छे कोच हैं'

मामले से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई से बात करते हुए कहा, 'दिलीप एक अच्छे कोच हैं, जिन्होंने तीन साल तक टीम की अच्छी सेवा की है। वह टीम इंडिया के कई खिलाड़ियों को बहुत करीब से जानते हैं। इसलिए उन्हें एक बड़ी सीरीज के लिए टीम में शामिल करना टीम के लिए अच्छा ही होगा। इसलिए, इस लेवल पर एक नया नाम लाने का कोई मतलब नहीं है।'

लखनऊ पर स्लोओवर रेट के लिए तीसरी बार फाइन

कप्तान पंत पर 30 लाख का जुर्माना, बेंगलुरु ने लखनऊ को हराया

लखनऊ, 28 मई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ स्लो ओवर रेट के कारण जुर्माना लगाया गया है। एलएसजी का इस सीजन का ऐसा तीसरा अपराध था, इसलिए पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। खेलने वाले बाकी 11 खिलाड़ियों में से प्रत्येक पर 12 लाख रुपए या उनके मैच शुल्क का 50% (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया।

हालांकि, यह पंत का ऐसा तीसरा अपराध था, फिर भी उन्हें बैन नहीं किया गया, जैसा कि आईपीएल 2024 तक होता था। यह नियम आईपीएल 2025 से पहले बदल दिया गया था। वहीं, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पिछले सीजन के बैन के कारण इस सीजन का पहला मैच नहीं खेल सके थे।

एलएसजी 7वें नंबर पर रही

एलएसजी ने इस सीजन में 14 मैचों में 6 जीत और 12 अंकों के साथ दस टीमों की पॉइंट्स टेबल में सातवां स्थान प्राप्त किया। वहीं आरसीबी ने लीग स्टेज में 19 पॉइंट्स के साथ क्वालिफायर-1 के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

बेंगलुरु ने लखनऊ को हराया

इकाना क्रिकेट स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 227 रन बनाए। कप्तान ऋषभ पंत ने 61 बॉल पर नाबाद 118 रन की पारी खेली। उन्होंने 11 चौके और 8 छक्के लगाए। मिचेल मार्श (67 रन) ने भी अर्धशतक लगाया। बेंगलुरु ने 228 रन का टारगेट 18.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। टीम ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा टारगेट चेज किया है।

बेंगलुरु के कप्तान जितेश शर्मा ने 33 बॉल पर नाबाद 85 रन बनाए। जबकि मयंक अग्रवाल ने 23 बॉल पर नाबाद 41 रन की पारी खेली। दोनों ने 107 रन की साझेदारी की। विराट कोहली ने 54 रन बनाए। कोहली ने मौजूदा सीजन में 8वां और ओवरऑल 63वां आईपीएल अर्धशतक लगाया है। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने के मामले में डेविड वॉर्नर (62 फिफ्टी) का रिकॉर्ड तोड़ा है।

विश्व चैंपियन गुकेश को अपने ही देश के खिलाड़ी से मिली शिकस्त

एरिगैसी संयुक्त रूप से शीर्ष पर

स्टावेंजर (नॉर्वे), 28 मई (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें दूसरे दौर में हमवतन अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा। एरिगैसी इस शानदार जीत से संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। दूसरे दौर के एक अन्य महत्वपूर्ण मुकाबले मे हिकारू नाकामुरा ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराया। कार्लसन ने पहले दौर में गुकेश को हराया था।

छह खिलाड़ियों वाले डबल राउंड-रॉबिन ओपन वर्ग में खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे गुकेश शुरुआती दो राउंड हारने के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। विश्व के चौथे नंबर के भारतीय खिलाड़ी एरिगैसी 4.5 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर नाकामुरा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

शुरुआत में ही एरिगैसी ने हासिल कर ली थी बढ़त

सफेद मोहरों से खेल रहे एरिगैसी ने शुरूआत में बढ़त हासिल कर ली, लेकिन गुकेश की मजबूत रक्षापंक्ति ने अंत में बराबरी का खेल बना दिया। आखिर में मुकाबला रोमांचक बन गया था लेकिन गुकेश समय कम होने के कारण दबाव में आ गए और एरिगैसी इसका फायदा उठाकर चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच को 62 चाल में जीतने में सफल रहे।

एरिगैसी पहली भी गुकेश को हरा चुके

एरिगैसी ने इस वर्ष की शुरुआत में टाटा स्टील शतरंज में भी गुकेश को हराया था। उनका क्लासिकल शतरंज में गुकेश के खिलाफ 6-0 का शानदार रिकॉर्ड है। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने सोमवार को आर्मागेडन में चीन के वेई यी को हराकर 1.5 अंक हासिल किए थे। एरिगैसी इस बात से हैरान थे कि गुकेश ने शुरुआती चालों में इतना समय क्यों लिया जिससे वह समय के दबाव में आ गए। 17वीं चाल से ठीक पहले गुकेश ने पाया कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी से एक घंटे से अधिक पीछे हैं। एरिगैसी ने कहा, 'मैं थोड़ा हैरान हूं कि गुकेश ने शुरू में इतना समय क्यों बर्बाद किया।'

तीसरे दौर में एरिगैसी का सामना करुआना से

एरिगैसी तीसरे दौर में फैबियानो करुआना से खेलेंगे, जबकि गुकेश रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक नाकामुरा के खिलाफ वापसी की उम्मीद करेंगे। महिला वर्ग में भारत के दोनों खिलाड़ियों ने निराश किया। यूक्रेन की अन्ना मुजीचुक ने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी पर शानदार जीत दर्ज की। आर वैशाली चीन की टिंगजी लेई से आर्मागेडन गेम में हार गई। टूर्नामेंट की स्कोरिंग प्रणाली में क्लासिकल प्रारूप में विजेता को तीन अंक मिलते हैं। यदि क्लासिकल बाजी ड्रॉ हो जाती है, तो खिलाड़ियों को एक-एक अंक मिलता है और फिर आर्मगेडन में वे आधे अंक के लिए खेलते हैं।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने सिंगापुर ओपन में की जीत से शुरुआत, लक्ष्य सेन हुए रिटायर हर्ट

सिंगापुर, 28 मई (एजेंसियां)। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत से शुरुआत की है। हालांकि, पुरुष एकल वर्ग में भारत को बुधवार को उस वक्त निराशा मिली जब लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर के मुकाबले में रिटायर हर्ट होना पड़ा। लक्ष्य ने चोटिल होने के कारण बीच में ही मुकाबला छोड़ दिया।

चिराग के चोटिल होने के कारण मार्च में हुए ऑल इंग्लैंड ओपन के बाद पहली बार उतरी विश्व की पूर्व नंबर एक जोड़ी ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में मलयेशिया के चोंग होन जियान और मोहम्मद हाएकाल को 40 मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 21-13 से हराया। यह सात्विक-चिराग की 41वीं रैंकिंग की मलयेशियाई जोड़ी के खिलाफ दूसरी जीत थी। भारतीय जोड़ी फिलहाल विश्व में 27वें नंबर पर चल रही है। इस महीने की शुरुआत में यह जोड़ी सुदीरमन कप में भी नहीं खेली थी, क्योंकि सात्विक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। इससे पहले वे इस सत्र में मलयेशिया ओपन और इंडिया ओपन दोनों में सेमीफाइनल में पहुंचे थे।

भारत के नंबर एक एकल खिलाड़ी सेन को चीनी ताइपे के लिन चुन-यी के खिलाफ अपने पहले दौर के मुकाबले के दौरान चोट के कारण बाहर होना पड़ा। वर्तमान में विश्व में 17वें स्थान पर काबिज सेन ने अच्छी शुरुआत की और पहला गेम 21-15 से जीता, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के लिन ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर स्कोर बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में सेन चोट के कारण रिटायर होने से पहले 5-13 से पीछे चल रहे थे। सेन की चोट की वास्तविक प्रकृति के बारे में पता नहीं चल पाया है।

मिश्रित युगल वर्ग में रोहन कपूर और रूथविका शिवानी गड्डे ने चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट की अमेरिकी जोड़ी को 35 मिनट में 21-16, 21-19 से हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल में आकर्षि कश्यप विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू से 58 मिनट तक चले मुकाबले में 21-17, 13-21, 7-21 से हार गईं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना को शूटआउट में हराया, अब चिली से होगा सामना

खेल डेस्क, 28 मई (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना पर रोमांचक जीत दर्ज की। भारत के लिए गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे टीम अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराने में सफल रही। इससे पहले दोनों टीमों के बीच मैच निर्धारित समय तक 1-1 की बराबरी पर छूटा था।

कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई, जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में बरकरार रखा जीत का रिकॉर्ड

पेरिस, 28 मई (एजेंसियां)। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के पहले दौर में एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की और इस टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में अजेय रहने का अपना रिकॉर्ड बरकरार रखा। छठी वरीय नोवाक जोकोविच ने अपने 25वें ग्रैंडस्लैम की राह में विजयी अभियान शुरू किया है। तीन बार के फ्रेंच ओपन विजेता जोकोविच ने अमेरिका के मैकेंजी मैक्डोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया।

फ्रेंच ओपन के शुरुआती दौर में जोकोविच का अजेय रिकॉर्ड

हाल ही में टूर स्तर पर 100वां खिताब जीत चुके जोकोविच ने रोलां गैरों के पहले दौर में अपने जीत का रिकॉर्ड 20-0 कर लिया है। जोकोविच ने फ्रेंच ओपन के पहले दौर में 2010 के बाद कभी भी एक सेट नहीं गंवाया और लगातार जीत दर्ज की है। वहीं, डोपिंग प्रतिबंध पूरा करने के बाद पहला ग्रैंडस्लैम

दिमित्रोव ने बीच में छोड़ा मैच

खेल रहे इटली के शीर्ष वरीय यानिक सिनर ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया। उन्होंने पहले दौर में फ्रांस के आर्थर रिडरक्नेश को सीधे सेटों में 6-4, 6-3, 7-5 से हराया। यह उनकी ग्रैंडस्लैम में लगातार 15 वीं जीत है। सिनर यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन के रूप में पिछले दो ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं। तीन माह का डोपिंग प्रतिबंध पूरा करने के बाद सिनर का यह सिर्फ दूसरा टूर्नामेंट है। इससे पहले वह इटालियन ओपन में खेले थे, जहां उन्हें कार्लोस अल्कारेज से हार मिली थी। सिनर ने अब तक तीन ग्रैंडस्लैम जीते हैं। फ्रेंच ओपन में वह बीते वर्ष सेमीफाइनल में पहुंचे थे। वह अगले दौर में फ्रांस के रिचर्ड गैस्क्वेट से खेलेंगे। वहीं, गत उपविजेता और तीसरी वरीय जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अमेरिका के लर्नर टिएन को 6-3, 6-3, 6-4 से पराजित किया। बड़ा उलटफेर रूस के 11वीं वरीय डेनियल मेदवेदेव के रूप में हुआ। इंग्लैंड के कैमरन नोरी ने उन्हें 7-5, 6-3, 4-6, 1-6, 7-5 से हराया।

दिमित्रोव ने मुकाबला बीच में छोड़ा

रूस के मेदवेदेव ने नोरी के खिलाफ 3-1 की बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार आठ गेम गंवाए और दो सेट हार बैठे। उन्होंने फिर वापसी की और दो सेट जीतकर मुकाबला बराबरी पर ले आए। पांचवें सेट में भी उन्होंने 2-1 की बढ़त बनाई, लेकिन नोरी ने मैच जीत लिया। यह नोरी की मेदवेदेव पर महली जीत है। बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव भी बाहर हो गए। उन्हें अमेरिका क एथन क्विन के खिलाफ मुकाबला उस वक्त छोड़ना पड़ा, जब वह पहले दो सेट 6-2, 6-3 से जीतने के बाद तीसरा सेट 2-6 से हार गए थे।

दूसरों के लिए जीने वाले ही इतिहास में याद किए जाएंगे: रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने गुरुकुल पुरस्कार समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दलित, आदिवासी और अन्य हाशिए के समुदायों के छात्रों से हीनता की भावना पर काबू पाने का आग्रह किया है, क्योंकि राज्य सरकार युवा भारत एकीकृत आवासीय विद्यालयों की स्थापना कर रही है जिसका उद्देश्य वंचित समूहों में आत्मविश्वास पैदा करना और उन्हें वैश्विक स्तर पर अकादमिक रूप से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाना है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि व्यक्ति अपनी जाति से जुड़ाव के बजाय मुख्य रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से समाज में पहचान और लोकप्रियता हासिल करते हैं। रेवंत रेड्डी ने बुधवार को बाबू जगजीवन राम भवन में गुरुकुल पुरस्कार समारोह के दौरान ये टिप्पणियां कीं। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और भारतीय संविधान के संस्थापक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की विरासत को कायम रख रही है। उन्होंने छात्रों को 25 वर्ष की आयु तक खुद को पूरी तरह से समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे संतोषजनक रोजगार प्राप्त कर सकें और समृद्ध जीवन का आनंद ले सकें। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी ने युवाओं को उन विकर्षणों से बचने की सलाह दी जो उनके माता-पिता के लिए महत्वपूर्ण कठिनाइयों का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा, "ऐसी स्थितियों को कभी भी उत्पन्न न होने दें। युवाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जिससे उनके माता-पिता और राज्य दोनों को गर्व हो।" मुख्यमंत्री ने वंचित समुदायों की शैक्षिक आवश्यकताओं की अनदेखी करते हुए बकरियों, भेड़ों और मछलियों के वितरण से संबंधित योजनाओं को लागू करने के लिए पिछली बीआरएस सरकार की भी आलोचना की। उन्होंने पूछा, "बीआरएस ने शिक्षा प्रदान करके सरकार में हितधारकों के रूप में कमजोर वर्गों को प्रोत्साहित करने के लिए कोई कदम क्यों नहीं उठाया? क्या यह सच नहीं है कि उन्होंने नौकरी की अधिसूचना जारी किए बिना 10 साल तक बेरोजगारों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया?" रेवंत रेड्डी ने विपक्षी पार्टी पर राजनीतिक साजिश रचने और नियुक्ति आदेश जारी करने में बाधा उत्पन्न करने का भी आरोप लगाया। पिछली बीआरएस सरकार ने एक बार भी ग्रुप 1 की परीक्षा आयोजित नहीं की। अब वही पार्टी अदालतों में मामले दायर करके परीक्षाओं में बाधा डाल रही है। आज यह मुद्दा एक सामाजिक समस्या बन गया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि जब बीआरएस नेता मिलने आएं तो उनसे सवाल करें और उनकी राजनीतिक साजिश का पर्दाफाश करें। रेवंत रेड्डी ने आगे याद दिलाया कि राज्य सरकार ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के 100 साल के इतिहास में पहला दलित कुलपति नियुक्त किया है। इसी तरह, आकुनुरी मुरली को शिक्षा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। गद्दाम प्रसाद कुमार को विधानसभा अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया गया है। इन सभी को उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि के कारण मान्यता दी गई है, न कि जाति के आधार पर। देश का भविष्य कक्षाओं में है। छात्रों को सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए।,"

तेलंगाना कांग्रेस आज बाचुपल्ली में 'जय हिंद' रैली निकालेगी

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस पार्टी गुरुवार को मेडचल-मलकाजगिरी जिले के बाचुपल्ली में 'जय हिंद' रैली और एक बैठक आयोजित करेगी। जय हिंद यात्रा रैली अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के निर्देश के जवाब में आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य लोगों को भाजपा की अनैतिक राजनीतिक चालों, खासकर ऑपरेशन सिंदूर के इस्तेमाल के बारे में बताना है। रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया न देने का खुलासा किया जाएगा, साथ ही देश के लिए अपनी जान की बाजी लगाने वाले भारतीय सैनिकों के प्रति समर्थन भी प्रदर्शित किया जाएगा। रैली कुतुबुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र में निजामपेट-बाचुपल्ली रोड के साथ वीएनआर विज्ञान ज्योति इंजीनियरिंग कॉलेज से केजीआर कन्वेंशन तक आयोजित की जाएगी। रैली के बाद केजीआर कन्वेंशन में एक बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, मंत्री श्रीधर बाबू, उत्तम कुमार रेड्डी और पार्टी के वरिष्ठ नेता भाग लेंगे।

3 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या मामला

पवन कल्याण का फूटा गुस्सा पूछा- 'कब तक होता रहेगा'

अमरावती, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, जनसेना प्रमुख और अभिनेता पवन कल्याण ने बुधवार को अधिकारियों से वाईएसआर कडप्पा जिले में तीन साल की बच्ची के साथ रेप और हत्या के आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। पवन कल्याण ने कानून विभाग, पुलिस और गृह मंत्रालय से आग्रह किया कि मामले में अपराधी को कड़ी सजा दी जाए, ताकि समाज में यह साफ संदेश जाए कि ऐसे अपराध किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

जनसेना नेता ने अपने बयान में कहा, यह समय है तुरंत और सख्त कदम उठाने का, ताकि हमारे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। पिछले हफ्ते आंध्र प्रदेश के वाईएसआर कडप्पा जिले में एक दुखद घटना हुई। 26 साल के एक आदमी ने तीन साल की बच्ची के साथ रेप के बाद हत्या कर दी। अपराधी ने इस घटना को तब अंजाम दिया, जब बच्ची के माता-पिता अपने रिश्तेदार की शादी में व्यस्त थे। पवन कल्याण ने पीड़ित बच्ची के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और वादा किया कि सरकार उनकी पूरी मदद करेगी। उन्होंने कहा, हम पूरी जिम्मेदारी लेंगे कि इस मामले में जल्दी से इंसाफ हो और इस भयानक अपराधी को बिना सजा के नहीं छोड़ा जाएगा।

उपमुख्यमंत्री ने इसे समाज के लिए बेहद सोचनीय विषय माना। सवाल किया कि मासूम बच्चों के साथ ऐसे भयानक अपराध कब तक चलते रहेंगे। जो लोग ऐसे दरिंदगी भरे काम करते हैं और जिससे पूरा समाज शर्मसार होता है, उन्हें सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि समाज में ऐसा दोबारा न हो। उन्होंने कहा, सिर्फ चार दिन पहले, वाईएसआर कडप्पा जिले के मायलावरम मंडल के कम्बलादिन्ने गांव में एक 3 साल की मासूम बच्ची भयानक हमले का शिकार हुई। उसकी हत्या कर दी गई। यह हादसा और भी ज्यादा दुखद है क्योंकि आरोपी उसी परिवार का रिश्तेदार है। यह घटना हमारी इंसानियत को झकझोर देने वाली है। अधिकारियों ने मुझे इस मामले की पूरी जानकारी दी है। पवन कल्याण ने कहा कि आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच चल रही है। उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि कठुआ मामले के बाद लोगों ने काफी विरोध-प्रदर्शन किया था, जहां एक बच्ची आसिफा के साथ रेप हुआ था। उन्होंने मांग की थी कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों, लेकिन फिर भी ऐसे अमानवीय अपराध हो रहे हैं। इससे गंभीर सवाल उठता है कि क्या हमने ऐसे अपराध करने वालों में डर पैदा करने के लिए पर्याप्त कदम उठाए हैं?

सूर्यापेट में बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़

10 बच्चों को बचाया गया, 18 गिरफ्तार

सूर्यापेट, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सूर्यापेट जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बाल तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर दूसरे राज्यों से लाए गए शिशुओं को बेचने में शामिल था।

गिरोह मुख्य रूप से निःसंतान दंपत्तियों को निशाना बनाता था और 3 लाख रुपये से लेकर 7 लाख रुपये तक की कीमत पर शिशुओं को बेचने की पेशकश करता था।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि गिरोह ने अब तक 28 बच्चों को बेचा है, और यह लेन-देन गुप्त रूप से किया गया। ऑपरेशन के दौरान, पुलिस ने 10 बच्चों को सफलतापूर्वक बचाया और उन्हें बाल कल्याण अधिकारियों की देखरेख में रखा। सूर्यापेट टाउन पुलिस ने तस्करी नेटवर्क से जुड़े कुल 18 लोगों को हिरासत में लिया है।

गिरोह के संचालन के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने और अतिरिक्त पीड़ितों की पहचान करने के लिए जांच जारी है।

बत्तिनी मछली प्रसाद वितरण आठ जून को

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मृगशिरा कार्ति रविवार, 8 जून को सुबह 10 बजे शुरू हो रही है। इसी दिन मछली प्रसादम (मछली प्रसाद) का वितरण किया जाएगा। यह जानकारी बत्तिनी गौड़ परिवार के सदस्यों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी ।

दिवंगत बत्तिनी हरिनाध गौड़ के पुत्र बत्तिनी अमरनाथ गौड़ और अन्य परिवार के सदस्य शिव शंकर गौड़, गौरी शंकर गौड़, चंद्रशेखर गौड़, संतोष गौड़ और शिव गौड़ उपस्थित थे। अमरनाथ गौड़ ने बताया कि रविवार, 8 जून को सुबह 10 बजे मृगशिरा कार्ति के प्रवेश करते ही नामपल्ली एक्जीबिशन ग्राउंड्स में फिश प्रसादम वितरित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वितरण सुचारू रूप से चले और किसी को कोई असुविधा न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर, बी.सी. कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर की देखरेख में पूरा सहयोग दिया जा रहा है। हैदराबाद के कलेक्टर, डीजीपी, पुलिस आयुक्त और सभी संबंधित सरकारी विभागों के समन्वय और सहयोग से व्यवस्थाएं की जा रही हैं। जीएचएमसी, वाटर वर्क्स, आरटीसी, नगर पालिका, पुलिस, बिजली विभाग के साथ-साथ मत्स्य विभाग भी आवश्यक मछलियां तैयार कर रहा है।

अमरनाथ गौड़ ने बताया कि लगभग दो सदियों से उनका परिवार अस्थमा, श्वास फूलना, खांसी जैसी श्वास संबंधी बीमारियों के निवारण के लिए मृगशिरा कार्ति के प्रवेश के समय एक पदार्थ मछली के माध्यम से रोगी के मुंह में डालता है। उन्होंने कहा कि यदि रोगी बीमारी की गंभीरता के आधार पर इसे चार से पांच साल तक लेता है तो वह पूरी तरह से ठीक हो जाता है। यह सेवा उनके परिवार के बुजुर्गों को लगभग 190 साल पहले एक मुनीश्वर ने सिखाई थी। तब से वे लाखों श्वास संबंधी रोगियों को निःस्वार्थ भाव से और निःशुल्क यह सेवा दे रहे हैं।

उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती के चेयरमैन शरत पित्ती का पूरा सहयोग मिल रहा है। स्वयंसेवी संस्थाएं रोगियों को भोजन, कॉफी, चाय, छाछ और पीने का पानी उपलब्ध करा रही हैं।

सुराराम में खुले नाले में गिरने से व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार देर रात शहर के सुराराम में भारी बारिश के दौरान खुले नाले में गिरकर डूबने से एक व्यक्ति की कथित तौर पर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, के पद्माराव (40) कथित तौर पर गलती से खुले नाले में गिर जाने के कारण बह गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि व्यक्ति नाले में गिर गया। पुलिस इस बात की पुष्टि कर रही है कि घटना के समय वह नशे में था या नहीं। सुराराम पुलिस मामले की जांच कर रही है।

करीमनगर डीईओ ने सरकार के सामने किया आत्मसमर्पण

करीमनगर, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षकों पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में जिला शिक्षा अधिकारी जनार्दन राव को सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया गया है। कलेक्टर पामेला सत्पथी ने डीईओ को शासन को सौंपते हुए आदेश जारी किए। डाइट कॉलेज प्राचार्य मोंडैय्या को डीईओ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। शनिवार को कोथपल्ली में शिक्षकों के लिए आयोजित सेवाकालीन प्रशिक्षण के समापन सत्र में भाग लेते हुए जनार्दन राव ने शिक्षकों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की। डीईओ की टिप्पणी शिक्षकों के व्हाट्सएप ग्रुप पर वायरल होने के बाद शिक्षक समुदाय गंभीर हो गया है। डेमोक्रेटिक टीचर्स फेडरेशन ने मंगलवार को स्कूल शिक्षा निदेशक को पत्र लिखकर डीईओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रिमांड पर लिया गया कैदी अदालत परिसर से हो गया फरार

जगतियाल, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जगतियाल जिला अदालत परिसर से रिमांड कैदी एस्कॉर्ट पुलिस को गुमराह कर फरार हो गया। पेगड़पल्ली मंडल के लिंगापुर निवासी जुन्नू प्रसाद को खाड़ी देशों में भेजने का झांसा देकर लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह जगतियाल उप-जेल में न्यायिक हिरासत में था। प्रसाद के खिलाफ कोडिमियाल पुलिस स्टेशन में एक और मामला दर्ज किया गया है। मंगलवार को कोडिमियाल पुलिस उसे पीटी वारंट पर जगतियाल कोर्ट ले गई। कोर्ट ने उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। जब एस्कॉर्ट कांस्टेबल सागर रिमांड कॉपी लेने के लिए अंदर गया, तो प्रसाद मौके से भाग निकला। सतर्क पुलिस ने प्रसाद की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने चुनौती स्वीकार की तो पकड़े गए दो फ़र्ज़ी नक्सली

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला पुलिस ने छद्म नक्सलियों के सनसनीखेज मामले का पता लगाने और उसे पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी येरमसेट्टी राजू और कंदुरेली राजू निवासी शापुर नगर और मूल निवासी गन्नवरम, आंध्र प्रदेश राज्य को बुधवार को गिरफ्तार किया गया और उनके पास से 13 देशी बम, धमकी भरा पत्र और चार मोबाइल जब्त किए गए।

सहायक पुलिस आयुक्त , बालानगर डिवीजन साइबराबाद ने बताया कि 22 मई को कुना राघवेंद्र गौड़ से शिकायत मिली कि उनके पिता रविंदर गौड़ ने उन्हें सूचित किया कि उनके घर के सामने तुलसी के पौधे को नुकसान पहुँचाया गया है, और उनकी कार पर एक पत्र और लाल रंग का तौलिया रखा हुआ मिला है। शिकायतकर्ता तुरंत घर लौटा और वर्णित वस्तुओं को पाया। पत्र में उल्लेख किया गया था कि वे नक्सली हैं और 50 लाख रुपये की मांग कर रहे थे अन्यथा वे उसे मार देंगे। पुलिस ने घटना को चुनौती के रूप में स्वीकार की और 500 से अधिक सीसी कैमरों की जांच करके तथा विभिन्न दिशाओं में पुलिस दलों को तैनात प्रयास किए और पाया कि दो व्यक्ति शिकायतकर्ता के घर आए थे तथा गहन जांच के बाद यह दृढ़ता से संदेह हुआ कि वे 25 से 30 वर्ष की आयु के दो युवक हैं। विश्वसनीय सूचना तथा पुलिस द्वारा किए गए प्रयासों के आधार पर निरीक्षक जीडीमेटला के नेतृत्व में पुलिस दल ने एचएमटी जंगल में छिपे हुए आरोपियों का पता लगाया तथा 28 मई को सुबह के समय उन्हें गिरफ्तार कर लिया तथा पूछताछ करने पर दोनों ने कबूल किया कि उन्होंने शिकायतकर्ता से बड़ी रकम ऐंठने के लिए यह अपराध किया था, क्योंकि वे वित्तपोषक तथा व्यवसायी हैं।

दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी आंध्र प्रदेश राज्य के गन्नवरम के निवासी हैं, कुछ समय के लिए शापुर नगर में आए थे तथा कुछ समय तक निजी कंपनी में काम किया था, क्योंकि वे वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। उन्होंने नक्सलियों का रूप धारण करके धन ऐंठने की साजिश रची। मुख्य आरोपी येरमसेट्टी राजू आंध्र प्रदेश के गन्नवरम पुलिस स्टेशन में संपत्ति अपराधों का पूर्व इतिहास दर्ज है।

वह पहले एक निजी कंपनी में कार्यरत था, लेकिन तीन महीने पहले उसे सेवा से निकाल दिया गया था। अपने वित्तीय संकट और आपराधिक इरादे के कारण, दोनों आरोपियों ने जबरन वसूली के लिए शापुर नगर के एक संपन्न निवासी को निशाना बनाकर आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। आरोपियों ने शुरू में शिकायतकर्ता के आवास पर 50 लाख रुपये की मांग करते हुए एक धमकी भरा पत्र छोड़ा। हालांकि, शिकायतकर्ता से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर दोनों आरोपी आंध्र प्रदेश के विजयनगरम गए, जहां उन्होंने कथित तौर पर अपनी धमकियों को बढ़ाने के इरादे से एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) तैयार किया। फिर वे हैदराबाद लौट आए और कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर 28 मई को शिकायतकर्ता के आवास पर बम लगाने और विस्फोट करने के लिए, डर पैदा करने और अनुपालन के लिए मजबूर करने का इरादा किया।मामले का खुलासा एसीपी नरेश रेड्डी की सीधी निगरानी में हुआ। अधिकारियों और कर्मचारियों की एक समर्पित टीम ने जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, स्रोत-आधारित खुफिया जानकारी और तकनीकी विश्लेषण दोनों के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र की।

उनके अथक प्रयासों और त्वरित कार्रवाई के कारण आरोपियों की शीघ्र पहचान और गिरफ्तारी हुई, जिससे गंभीर अपराध को प्रभावी ढंग से रोका जा सका और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। जीडीमेटला एसएचओ जी. मल्लेश, डीआई एस. कनकैया, एसआई प्रेम सागर और जीडीमेटला पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल नरेश, रवि नाइक और वेंकटेश ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीडीमेटला पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। आरोपियों को पकड़ने वाली पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई।

एलएंडटी के बयान से साबित हुआ कि कालेश्वरम परियोजना पर एनडीएसए की रिपोर्ट फर्जी : केटीआर

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने आज दावा किया कि विश्व प्रसिद्ध निर्माण कंपनी एलएंडटी द्वारा उठाए गए सवालों के बाद मेदिगड्डा बैराज पर एनडीएसए द्वारा दी गई पूरी रिपोर्ट एक धोखा थी। उन्होंने कहा कि एलएंडटी ने पूछा था कि एनडीएसए न्यूनतम परीक्षण किए बिना अंतिम रिपोर्ट कैसे दे सकता है और रिपोर्ट को गलतियों से भरा बताया। केटीआर ने कहा, "क्षेत्र स्तर पर न्यूनतम परीक्षण किए बिना एनडीएसए द्वारा दी गई रिपोर्ट को एलएंडटी द्वारा पूरी तरह से खारिज करना राज्य की कांग्रेस सरकार और केंद्र की भाजपा सरकार के मुंह पर तमाचा है। विधानसभा चुनाव के दौरान कुछ घंटों के भीतर दी गई प्रारंभिक रिपोर्ट से लेकर हाल ही में दी गई अंतिम रिपोर्ट तक, जो डेढ़ साल में फैली थी, हर कदम पर दोनों रिपोर्टों में विसंगतियां और असंगतियां हैं।" उन्होंने इस बात का मजाक उड़ाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत और राज्य सरकार ऐसी बेकार रिपोर्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि एनडीएसए रिपोर्ट उनका मानक है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत ने दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट सिंचाई परियोजना कालेश्वरम की अनदेखी करके एक अक्षम्य पाप किया है क्योंकि उन्हें लगा कि यह परियोजना पूर्व सीएम केसीआर को प्रसिद्ध कर देगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के कुप्रबंधन के कारण पिछले डेढ़ साल में राज्य में लाखों एकड़ में फसल सूख गई केटीआर इस बात से नाराज थे कि पोलावरम परियोजना में डायाफ्राम दीवार बह जाने के बाद भी जल्दी से बहाल कर दी गई और उन्होंने कहा कि मेदिगड्डा के मामले में, यह भूलकर कि यह सबसे बुरा कार्य है, पूरी परियोजना को 18 महीने तक ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था। केटीआर ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान बीआरएस पार्टी को बदनाम करने की साजिश करने वाली कांग्रेस और भाजपा ने अब बीआरएस पार्टी की रजत जयंती बैठक को नुकसान पहुंचाने की उसी साजिश के साथ अंतिम रिपोर्ट के नाम पर एक नया नाटक शुरू किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और एनडीएसए को इस परियोजना को बदनाम करना बंद करना चाहिए, जिसे परियोजना की योजना से लेकर निर्माण की गुणवत्ता तक हर कदम पर समझौता किए बिना बनाया गया था और कम से कम अब एलएंडटी की आपत्तियों का जवाब दें। उन्होंने कहा कि सीएम को राज्य के किसानों से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। केटीआर ने कहा कि, कम से कम अब, पोलावरम परियोजना जैसे बहाली के उपाय करके तेलंगाना के किसानों की सिंचाई समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि तेलंगाना के किसान निश्चित रूप से मुख्यमंत्री और कांग्रेस और भाजपा की साजिश की राजनीति को करारा सबक सिखाएंगे।

4.15 करोड़ रुपये का गांजा जब्त, 2 गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जुलुरुपद और सीसीएस पुलिस के संयुक्त अभियान में मंगलवार को जिले में भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। बुधवार को जुलुरूपड़ में मीडिया से बात करते हुए पुलिस अधीक्षक बी रोहित राजू ने बताया कि जुलुरूपड़ पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पदमाता नरसापुरम में वाहन निरीक्षण के दौरान पुलिस कर्मियों ने एक मिनी ट्रक को रोका।

उन्होंने लगभग 830.54 किलोग्राम वजन का गांजा बरामद किया और उसे जब्त कर लिया, जिसे इंजन केबिन के पीछे एक विशेष रूप से बनाए गए चैंबर में छिपाया गया था। जब्त किए गए गांजे की कीमत 4.15 करोड़ रुपये है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह पदार्थ आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के तुलसीपाका गांव से खरीदा गया था और इसे नई दिल्ली में तस्करी के लिए लाया जा रहा था।

मध्य प्रदेश के दो ड्राइवरों जसराम और राम कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। दो खरीदारों- मध्य प्रदेश के प्रदीप रामसेवक शर्मा और नई दिल्ली के दीपक चौधरी, विक्रेता किलो शंकर, वी बाबू राव, रामा राव, रामुलु और एएसआर जिले के किलो साईबाबू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

एसपी ने बताया कि वाहन और दो मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए गए हैं।

गांजा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए जिला पुलिस कड़ी मेहनत कर रही है। रोहित राजू ने बताया कि इन प्रयासों के तहत वर्ष 2024 में 112 मामलों में 8,078 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया, जबकि वर्ष 2025 में अब तक 3002 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है। एसपी ने गांजा जब्त करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए जुलुरूपड़ सीआई इंद्रसेना रेड्डी, एसआई रवि, सीसीएस इंस्पेक्टर रमाकांत, एसआई प्रवीण और रामा राव और स्टाफ की सराहना की।

एक्विनो स्क्वाड्रन ने वायु सेना अकादमी में कमांडेंट का बैनर जीता

हैदराबाद, 28 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को वायु सेना अकादमी (एएफए), डुंडीगल के तेजस परेड ग्राउंड में "कमांडेंट बैनर प्रेजेंटेशन' समारोह आयोजित किया गया।

चैंपियन स्क्वाड्रन को कमांडेंट बैनर प्रदान किया जाना समग्र उत्कृष्टता का प्रतीक है और शारीरिक गतिविधियों, खेल, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, सांस्कृतिक, क्रॉस-कंट्री रन, फील्ड कैंप, ड्रिल प्रतियोगिता और शिक्षाविदों से लेकर कई तरह की कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली श्रृंखला का समापन है। उत्कृष्टता की इस खोज का समापन प्रतिष्ठित अंतर-स्क्वाड्रन ड्रिल प्रतियोगिता द्वारा

चिह्नित किया गया था। बरार स्क्वाड्रन ने त्रुटिहीन ड्रिल आंदोलनों, कमांड के चुनौतीपूर्ण शब्दों और समन्वित टीम प्रयासों के साथ इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को जीतने की उपलब्धि हासिल की। त्रुटिहीन वर्दी में फ्लाइट कैडेट्स और अंडर ट्रेनिंग फ्लाइंग ऑफिसर्स (यूटीएफओ) ने प्रतिष्ठित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें अकादमी के सभी अनुदेशात्मक कर्मचारी और वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। उनका अनुशासित मार्च पास्ट भारतीय वायुसेना बैंड द्वारा बजाए गए उत्साहवर्धक मार्शल धुनों के साथ पूरी तरह से मिश्रित था। एक्विनो स्क्वाड्रन को स्प्रिंग टर्म 2025 के लिए चैंपियन स्क्वाड्रन घोषित किया गया।

यह एक गौरवपूर्ण क्षण था, जब एक्विनो स्क्वाड्रन के स्क्वाड्रन कैडेट कैप्टन, फ्लाइट कैडेट सूर्य देव ने एयर मार्शल एस श्रीनिवास, कमांडेंट एयर फोर्स अकादमी से प्रतिष्ठित बैनर प्राप्त करने के लिए सटीकता के साथ आगे मार्च किया। अपनी उत्कृष्ट उपलब्धि के प्रतीक के रूप में, चैंपियन स्क्वाड्रन के फ्लाइट कैडेट आगामी टर्म के दौरान अपने बाएं कंधे पर गर्व से एक लैनयार्ड पहनेंगे। फ्लाइट कैडेट्स और यूटीएफओ को अपने संबोधन में, कमांडेंट ने उनकी टीम वर्क, सौहार्द, उत्साह, खेल भावना और प्रतिस्पर्धी प्रवृत्ति की सराहना की। उन्होंने सभी को अपने पूरे करियर के दौरान शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से चुस्त रहने का आह्वान किया। कमांडेंट ने प्रशिक्षकों को भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए बधाई दी, जिन्होंने नौसिखियों को आत्मविश्वासी और सक्षम कैडेटों में बदल दिया, जिससे वे अकादमी के अनुकरणीय मानकों को बनाए रखने के लिए तैयार हो गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.